लैव्यव्यवस्था

होमबलि क नेम

1 यहोवा परमेस्सर मूसा क मिलापवाला तम्बू स बोलाएस
अउ ओसे कहेस। यहोवा कहेस, 2"इस्राएल क मनइयन
क निर्देस द्या कि जब तू लोगन मँ स कउनो मनई यहोवा
बरे भेंट लइ आवइ तउ उ ओकर झुण्ड या खरका स होइ
चाही।

3"अगर कउनो मनई आपन झुण्ड मँ स कउनो क
होमबलि देइ तउ उ नर होइ चाही अउ गोरु मँ कउनो
दोख नाहीं होइ चाही। उ मनई क चाही कि गोरु क
मिलापवाला तम्बू क दुआरे प लइ जाइ। तब यहोवा भेंट क
अंगीकार करी। 4इ मनई क आपन हाथ क गोरु क मूँड़ि प
धरइ चाही। जब एकॉ बलि दीन्ह जाइ क होइ। यहोवा
होमबलि क ओकर पाप बरे प्रायस्चित क खातिर अंगीकार
करी।

5"मनई क चाही कि बछवा क यहोवा क समन्वा मारइ।
तब हारून क याजक बेटवन क बछवा क रकत मिलापवाला
तम्बू क दुआरे प वेदी क चारिहुँ कइँती बहावइ चाही।
6याजक उ गोरु क चाम हटाइ देइ अउ ओका टूका मँ
काटी। 7हारून क याजक बेटहनन क वेदी प काठ अउ
आगी धरइ चाही। 8हारून क याजक बेटहनन क उ सबइ
टूकन, (मूँड़ि अउ चर्बी) क काठे प धरइ चाही। उ काठ
वेदी प आगी क ऊपर होत ह।

9"याजक क गोरू क भितरे क हींसा अउ गोड़ी क पानी
स धोवइ चाही। तब याजक क गोरू क इ सबइ हींसा क
वेदी प बारइ चाही। इहइ होमबलि अहइ यानी एक ठु
उपहार, यहोवा क खुस करइ बरे एक ठु सुगन्ध।

10"अगर कउनो मनई भेड़ी या बोकरी क होमबलि
चढ़ावइ तउ उ एक अइसा नर गोरु क भेंट देइ जेहमाँ
कउनो दोख न होइ। 11उ मनई क वेदी क उत्तर कइँती
यहोवा क समन्वा गोरु क मारइ चाही। हारून क याजक
बेटवन वेदी क चारिहुँ कइँती रकत छिड़कइ चाही। 12तब
याजक क चाही कि उ गोरु क टूकन मँ काटइ। गोरु क
मूँड़ी अउ चर्बी काठे क ऊपर सिलसिला स धरइ चाही।
काठ वेदी प आगी क ऊपर रहत ह। 13याजक क गोरु क
भीतर क हींसन क अउ ओकरे गोड़े क पानी स धोवइ
चाही। तब याजक क चाही कि उ गोरु क इ सबहिं हींसन
क वेदी प बारइ। इ होमबलि अहइ यानी एक ठु उपहार
यहोवा क खुस करइ बरे एक ठु सुगन्ध।

14"अगर कउनो व्यक्ति यहोवा क एक ठु पंछी होमबलि
क रूप चढ़ावत ह तउ इ पंछी फाख्ता या नान्ह कबूतर होइ
चाही। 15याजक भेंट क वेदी प लिआइ। याजक पंछी क
मूँड़ि क काट देइ। तब उ पंछी क वेदी प बारी। पंछी क
खून वेदी कइँती बहइ चाही। 16याजक क पंछी क गटइ क
थइली अउ ओकरे पखना क वेदी क पूरब कइँती लोकइ
देइ चाही। इ उहइ जगह अहइ जहाँ उ पचे वेदी स
निकारिके राखी रखई जात हीं।

17"तब याजक क पखना क लगे पंछी क जरूर काटइ
चाही, मुला पंछी क दुइ हींसा मँ नाहीं बाँटइ चाही। याजक
क वेदी क ऊपर आगी प धरी काठे क ऊपर पंछी क
जरूर बारइ चाही। इ होमबालि अहइ यानी एक ठु उपहार,
यहोवा क खुस करइ बरे एक ठु सुगन्ध।

अन्नबलि क नेम

2 "जब कउनो मनई यहोवा क अन्न बलि चढ़ावइ तउ
ओकर भेंट पातर आटा क होइ चाही। उ मनई उ
आटे प तेल नावइ अउ ओह प लोहबान धरइ। 2तब उ
ऍका हारून क याजक बेटवन क लगे जरूर लिआवइ
चाही। तब याजक तेल अउ लोहबान स मिला भवा एक
मूठी आटा लेइ अउर एकॉ वेदी प स्मृति भेंट क रुप मँ
बारइ देइ। इ यहोवा बरे एक भेंट एक सुहावना सुगन्ध होइ।
3बची भई अन्नबलि हारून अउ ओकरे पूतन बरे होइ। इ
भेटं यहोवा क दीन्ह जाइवाली भेंटन मँ स सब त परमपवित्तर
होइ।

चूल्हा मँ पकी अन्नबलि क नेम

4"जबहिं तू चूल्हा मँ पकी भइ अन्नबलि क भेंट
लिआवा तउ इ बे खमीरे तेल मिला भवा बढ़िया आटा क
फुलका या ऊपर स तेल डावा भवा बिना खमीरा क पतला
केक होइ चाही। 5अगर तू भूँजइ वाली कड़ाही स अन्नबलि
लिआवत ह तउ इ तेल स मिला भवा बे खमीरे क गेहूँ क
बढ़ियाँ आटा क केक होइ चाही। 6तोहका ऍका टूका कइके
कइउ हींसा मँ तोड़इ चाही अउ ऍन प तेल चुपरइ चाही। इ
अन्नबलि अहइ। 7अगर तू अन्नबलि क भूँजइ वाली कड़ाही
स लिआवत ह तउ इ तेल स मिला भवा गेहूँ क बढ़ियाँ
आटा क होइ चाही।

8"तू इ चीजन स बनी अन्नबलि यहोवा खातिर लइ
अउब्या। तू इ चीजन क याजक क लगे लइ अउब्या अउ
उ ओनका वेदी प धरी। 9फिन याजक उ अन्नबलि मँ स
ऍकर कछू हींसा लइके ओका स्मृति भेंट क रुप मँ वेदी प
बारि देइ। अउर इ एक ठु उपहार, यहोवा क खुस करइ बरे
एक ठु सुगन्ध होइ। 10बची भइ अन्नबलि हारून अउ
ओकरे बेटवन बरे होइ। इ भेंट यहोवा बरे चढ़ाई जाइवाली
भेंटन मँ स परमपवित्तर होइ।

11"तोहका यहोवा क खमीर स या मधु स बना भवा
अन्नबलि क भेंट क रूप मँ नाहीं चढ़ावइ चाही। 12तू
पहिली फसल क खमीर स बना भवा अन्न भेंट यहोवा बरे
भेंट क रूप मँ लाइ सकत ह, मुला एका खुस करइ बरे
सुगन्ध क रुप मँ वेदी प बारइ नाहीं चाही। 13तोहका आपन
लिआइ भइ हर एक अन्नबलि प नोन भी जरूर धरइ चाही।
यहोवा स तोहरे करार क मुताबिक नोन क जरूरत क
अनुसार अन्नबलि मँ धरइ स तोहका नाहीं रोकइ चाही।
तोहका आपन सबहिं भेंटन प नोन धरइ चाही।

पहली पकी फसल स अन्नबलि क नेम

14"अगर तू पहिली पकी फसल स अन्नबलि लिआवत
ह तउ तोहका भूँजी भइ ताजा अनाज लिआवइ चाही। इ
अनाजे क दरिके नान्ह नान्ह टूकन मँ तोरा जाइ चाही। इ
भेंट तोहार पहिली पकी फसल क जइसा अन्नबलि होइ।
15तोहका ऍंह प तेल नावइ अउ लोहबान जरूर धरइ चाही।
इ अन्नबलि अहइ। 16अउर याजक क चाही कि उ स्मृति
भेंट क रुप मँ दरा भवा अनाजे क कछू हींसा, तेल अउ
ऍंह पइ धरा पूरा लोहबान क बारइ। इ यहोवा बरे उपहार
होइ।

मेलबलि क नेम

3 "अगर कउनो मनई आपन झुण्ड मँ स एक ठु नर या
मादा जनावर यहोवा क समन्वा मेलबलि क रूप मँ
भेंट चढ़ावत ह तउ ओहमाँ कउनो दोख नाही होइ चाही। 2इ
मनई क आपन हाथ गोरु क मूँड़ि प जरूर धरइ चाही।
मिलापवाला तम्बू क दुआरे प उ मनई क जरिये उ गोरु क
जरूर मारि डावइ चाही। तब हारून क याजक पूतन क वेदी
क चारिहुँ कइँती रकत बहावइ चाही। 3मेल बलि मँ स
यहोवा क उपहार क रूप मँ भीतरी हींसन क ढाँपइ वाली
अउ भितरे क हींसा मँ रहइवाली चर्बी क भेंट जरूर चढ़ावइ
चाही। 4ओका दुइनउँ गुर्दन अउर ओका ढाँकइ वाला चर्बी
क अउर पुट्ठा के चर्बी क भी भेंट चढ़ावइ चाही। तउ उ
झिल्ली जउन करेजा स चिपका भवा ह ओका भी गुर्दन क
संग निकारि लेइ चाही। 5तब हारून क बेटवन चर्बी क वेदी
प बरिहीं। उ पचे चर्बी क आगी प धरी भइ लकड़ी प
राखी। इ एक उपहार अहइ। एकर सुगन्धि यहोवा क खुस
रखत ह।

6"अगर एक मनई यहोवा बरे आपन झुण्ड मँ स मेलबलि
क रुप मँ नर अउर मादा गोरु लिआवत ह तब ओका
सिरिफ उ गोरु क भेंट देइ चाही जेहमाँ कउनो दोख न
होइ। 7अगर उ आपन बलि क रूप मँ एक ठु मेमना
लिआवत ह तउ ओका यहोवा क समन्वा बलि देइ चाही।
8ओका आपन हाथ गोरु क मूँड़े प धरइ चाही अउ
मिलापवाला तम्बू क समन्वा ओका मारइ चाही। तब हारून
क बेटवन वेदी प चारिहुँ कइँती गोरु क रकत बहावइ
चाही। 9इ मनई क चर्बी स भरी पूरी पूँछ गोरु क पिछली
हड्डी क आखरी हींसा स कटा भवा चर्बी, अउ उ चर्बी
जउन भीतरी हींसा क ढाँपि रहत ह अउ उ सबइ चर्बी जउन
भितरे मँ अहइ क यहोवा क उपहार क रूप मँ भेंट चढ़ावइ
चाही। 10ओका दुइनउँ गुर्दन अउर ओनका ढाँपइ वाला चर्बी
क अउर पुट्ठा क चर्बी क भी भेंट चढ़ावइ चाही। उ
झिल्ली जउन करेजा स चिपका भवा ह ओका भी निकारि
लेइ चाही अउर गुर्दन क संग चढ़ावई चाही। 11तब याजक
वेदी प ऍंका जरूर बारी। इ खइया अहइ, इ यहोवा बरे एक
ठु उपहार होइ।

मेलबलि क रुप मँ बोकरा क बलि क नेम

12"अगर ओकर बली एक ठु बोकरा अहइ तउ उ
ओका यहोवा क समन्वा जरूर भेंट देइ। 13उ व्यक्ति क
बोकरा क मूँड़ी प हाथ धरइ चाही। ओका मिलापवाला तम्बू
क समन्वा एकॉ मारइ चाही। तब्बइ हारून क बेटवन बोकरा
क रकत वेदी प चारिहुँ कइँती बहाइहीं। 14तब उ व्यक्ति क
बोकरा क एक हींसा यहोवा बरे उपहार क रुप मँ चढ़ावइ
बरे लिआवइ चाही। इ मनई क भीतरी हींसा क अउ ओकरे
चारिहुँ कइँती क चर्बी क भेंट जरूर चढ़ावइ चाही। 15ओका
दुइनउँ गुर्दन अउर ओनका ढाँपइ वाला चर्बी क अउर
पुट्ठा के चर्बी क भी भेंट चढ़ावइ चाही। उ झिल्ली जउन
करेजा स चिपका भवा ह ओका भी निकारि लेइ चाही
अउर गुर्दन क संग चढ़ावी चाही। 16याजक क वेदी प
बोकरा क हींसा क जरूर बारइ चाही। इ खइया अहइ,
यहोवा बरे एक ठु उपहार। सबहिं चर्बी यहोवा क अहइ।
17इ नेमॅ तोहार सबहिं अगुवा पीढ़ियन मँ हमेसा चलत रही।
तू जहाँ कहूँ भी रहा, तोहका खून या चर्बी नाहीं जरूर खाइ
चाही।"

संजोग स भवा पाप बरे पापबलि क नेम

4 यहोवा मूसा स कहेस, 2"इस्राएल क मनइयन स कहा:
अगर कउनो व्यक्ति स संजोग क कारण कउनो
अइसा पाप होइ जाइ जेका यहोवा न करइ क हुकुम दिहे
अहइ तउ उ व्यक्ति क नीचे लिखी भई बात करइ चाही:

3"अगर अभिसिक्त याजक स कउनो पाप भवा होइ अउ
इ लोगन क बुरा बनावत हीं तउ ओका आपन कीन्ह गए
पाप बरे यहोवा क बलि चढ़ावइ चाही। ओका एक बछवा
यहोवा क भेंट मँ जरूर देइ चाही जेहमाँ कउनो दोख न
होइ। ओका यहोवा क बछवा पापबलि क रुप मँ जरूर
चढ़ावइ चाही। 4अभिसिक्त याजक क उ बछवा क यहोवा
क समन्वा मिलापवाला तम्बू क दुआरे प जरूर लावइ चाही।
ओका आपन हाथ उ बछवा क मूँड़े प जरूर धरइ चाही अउ
यहोवा क समन्वा ओका मारि देइ चाही। 5तब अभिसिक्त
याजक क बछवा क कछू रकत जरूर लेइ चाही अउ
मिलापवाला तम्बू क अन्दर लइ जाइ चाही। 6याजक क
आप अँगुरी खून मँ डावइ चाही अउ महा पवित्तर ठउर क
पर्दा क समन्वा खून क सात दाईं परमेस्सर क समन्वा
छिछकारइ चाही। 7याजक क कछू खून महकउआ धूप क
वेदी क सींगन प जरूर लगावइ चाही। इ वेदी यहोवा क
समन्वा मिलापवाला तम्बू क अन्दर अहइ। याजक क बछवा
क सारा खून होमबलि क वेदी क आधार प जरूर उड़ेरइ
चाही। इ वेदी मिलापवाला तम्बू क दुआर प अहइ। 8अउर
ओका पापबलि कीन्ह गइ बछवा क सारी चर्बी जरूर

निकारि लेइ चाही। ओका भितरे क हींसा क ढाँपि भइ चर्बी अउ ओकरे चारिहुँ कइँती क चर्बी क निकारि लेइ चाही। 9ओका दुइनउँ गुर्दन अउर ओनका ढाँपइ वाला चर्बी अउ पुट्ठा प क चर्बी क भी भेंट चढ़ाई चाही। ओका उ झिल्ली जउन करेजा स चिपका भवा ह ओका भी निकारि लेइ चाही अउर गुर्दन क संग चढ़ावइ चाही। 10याजक क इ सबइ चीजन ठीक उहइ तरह लेइ चाही जउने तरह उ इ सबइ चीजन मेलबलि क बछवा स लिहे रहा। याजक क होमबलि क वेदी प गोरु क भितरे क हींसन क जरूर बारि देइ चाही। 11मुला याजक क बछवा क चाम, मूँड़, गोड़, भीतर क हींसन अउ तने क बेकार हींसा जरूर निकारि देइ चाही। 12याजक क डेरा क बाहेर खास ठउरे इ हींसन जउन बछवा क सरीर क बचा भवा हींसा अहइ क हुँआ लइ जाइ चाही जहाँ राखी डारी जात ह। याजक क हुआँ काठ क आगी पइ जहाँ राखी क डारी दीन्ह गवा ह इन हींसन क जरूर बारइ चाही।

13"अइसा होइ सकत ह कि समूचइ इस्राएल रास्ट्र स बे जाने भए कउनो अइसा पाप होइ जाइ जेका न करइ बरे परमेस्सर हुकुम दिहे होइ। मुला अइसा होइ जात ह तउ उ सबइ दोखी होइहीं। 14जदि ओनका इ पापे क पता लगि जात ह तउ समूचइ रास्ट्र बरे एक ठु बछवा पापबलि खातिर चढ़ावा जाइ चाही। ओनका बछवा क मिलापवाला तम्बू क समन्वा लइ आवइ चाही। 15बुर्जुगन क बछवा क मूँड़े प आपन हाथ धरइ चाही। बछवा क यहोवा क अगवा मारइ चाही। 16तबहिं अभिसिक्त याजक क बछवा क तनिक खून मिलापवाला तम्बू मँ लइ आवइ चाही। 17याजक क आपन अँगुरियन रकत मँ जरूर बोरइ चाही अउ पर्दा क समन्वा सात दाईं रकत क छिछकारइ चाही। इ यहोवा क अहइ। 18तब याजक क कछू रकत वेदी क सिंगियन प डावइ चाही। उ वेदी मिलापवाला तम्बू मँ यहोवा क समन्वा बा। याजक क सारा रकत होमबलि क वेदी क नींव प डावइ चाही। उ वेदी मिलापवाला तम्बू क दुआरे प बा। 19तब याजक क गोरु क सारी चर्बी निकारि लेइ चाही अउ ओका वेदी प बारइ चाही। 20उ बछवा क संग जरूर वइसा ही करी जइसा उ पापबलि क रूप मँ चढ़ावा भवा बछवा क संग किहे रहा। इ तरह याजक मनइयन क पाप क पछतावा करत ह एहसे लोग छिमा पाइहीं। 21याजक डेरा क बाहेर बछवा क लइ जाइ अउर ओका हुआँ बारि देइ। इ पहिले क तरह होइ। इ पूरे समाज बरे पापबलि होइ।

22"जब कउनो सासक यहोवा आपन परमेस्सर क हुकुम तोड़इ क पाप अनजाने मँ करत ह, तउ उ दोखी समुझा जाई। 23अगर सासक क इ पाप क पता लागत ह तब ओका एक अइसा बोकरा जरूर लावइ चाही जेहमाँ कउनो दोख न होइ। इहइ ओकर भेंट होइ। 24सासक क बोकरा क मूँड़ि प हाथ जरूर धरइ चाही अउ ओका उ ठउरे प मारइ चाही जहाँ उ पचे होमबलि क यहोवा क समन्वा मारत हीं। इ एक पापबलि अहइ। 25याजक क पापबलि क कछू रकत आपन अँगुरियन प जरूर लेइ चाही। याजक क होमबलि क वेदी क सिंगियन प रकत जरूर छिछकारइ चाही। याजक क बचा भवा रकत होमबलि क वेदी क आधार प जरूर डावइ चाही। 26अउ याजक क बोकरा क सारी चर्बी वेदी प जरूर बारइ चाही। ओका एका उहइ तरह बारइ चाही जउने तरह उ मेलबलि क चर्बी बारत ह। इ तरह याजक सासक क पाप क पछतावा करत ह अउ सासक छिमा पाइहीं।

27"अइसा होइ सकत ह कि साधारण जनता मँ स कउनो मनई स संजोग स कउनो अइसा पाप होइ जाइ जेका यहोवा न करइ क हुकुम दिहेस ह। 28अगर उ व्यक्ति क आपन पाप क पता लगि जाइ तउ उ एक ठु मादा बोकरी जरूर लियावइ जेहमाँ कउनो दोख न होइ। इ उ व्यक्ति क पापबलि होइ। उ इ बोकरी क उ पाप खातिर लियावइ जउन उ किहस ह। 29ओका आपन हाथ गोरु क मूँड़ी प धरइ चाही अउ होमबलि क ठउरे प ओका बाँधइ चाही। 30याजक क उ बोकरी क कछू रकत आपन अँगुरियन प जरूर लेइ चाही अउ याजक क होमबलि क वेदी क सिंगियन प रकत जरूर छिड़कइ चाही। याजक क बचा भवा रकत होमबलि क आधार प जरूर डावइ चाही। 31तब याजक क बोकरी क सारी चर्बी उहइ तरह निकारइ चाही जउने तरह मेलबलि स चर्बी निकारी जात रहा। याजक क ऍका यहोवा बरे सुहावना सुगंध क रूप मँ धूप क वेदी प बारइ चाही। इ तरह याजक उ मनई क पापे क पछतावा कइ देइ अउ व्यक्ति छिमा पाइहीं।

32"अगर उ मनई पापबलि क रुप मँ एक ठु भेड़ी क बच्चा लिआवत ह तउ ओका एक मादा भेड़ी क बच्चा लइ आवइ चाही जेहमाँ कउनो दोख न होइ। 33मनई क ओकरे मूँड़ी प हाथ धरइ चाही अउ ओका उ ठउरे प पापबलि क रुप मँ मारइ चाही जहाँ उ पचे होमबलि क गोरु क मारत हीं। 34याजक क उ बोकरी क कछू रकत आपन अँगुरियन प जरूर लेइ चाही अउ याजक क होमबलि क वेदी क सिंगियन प रकत जरूर छिड़करइ चाही। याजक क बचा भवा रकत होमबलि क आधार प जरूर डावइ चाही। 35याजक क मेमना क सारी चर्बी उहइ तरह लेइ चाही जउने तरह मेलबलि क चर्बी लीन्ह जात ह। याजक क मेमना क सारी चर्बी क यहोवा क उपहार क रूप मँ जरूर बारइ चाही। इ तरह याजक उ व्यक्ति क पापे क पछतावा करी अउ उ व्यक्ति छिमा पाइहीं।

एक मनई दुआरा अनजाने मँ कीन्ह गवा पाप

5 "जदि कउनो मनई अदालत मँ गवाही देइ बरे बोलावा जात ह अउ जउन कछू उ लखेस ह या अनकेस ह, ओका नाहीं बतावत तउ उ पाप करत ह। ओका ओकरे अपराध बरे जरुर ही सजा भोगइ क होइ। 2जदि कउनो व्यक्ति कउनो असुद्ध चिजियन क जइसे जंगली जनावर या घरेलू जनावर या रेंगइवाला कउनो जनावर क ल्हास क अनजाने मँ छुवत ह तउ उ व्यक्ति, जदि ओका ऍकर पता नाहीं भी लागत तउ भी उ दोखी होइ। 3एक व्यक्ति अलग अलग चिजियन स असुद्ध होइ सकत ह। अगर कउनो प्रकार क मानव अनजाने मँ किसी असुद्ध मनई क छुअत ह, तउ जे टेम मँ ओका इ पता चली उ दोखी होइ। 4अगर एक व्यक्ति कउनो व्यक्ति स कछू नीक या खोट करइ

क बचन करत ह अउ ओका बिसरि जात ह, जब उ आपन बचन क सुमिरइ तब उ दोखी होइ। 5एह बरे, अगर उ एनमाँ स कउनो चिजियन क दोखी बाटइ तउ ओका आपन बुराई जेका उ किहेस ह क कबूल लेइ चाही। 6ओका आपन झुण्ड मँ स एक ठु मादा मेमना या एक ठु बोकरी पापबलि बरे लावइ चाही। इ उ यहोवा बरे आपन दोख बरे किहेस ह। तब याजक उ व्यक्ति क पापे क पछतावा करी।

7"अगर कउनो मनई भेड़ी क बच्चा भेंट करइ मँ समरथ नाहीं अहइ तउ ओका दुइ फाक़्ता या कबूतरे क दुइ बच्चा यहोवा क भेंटे मँ देइ चाही। इ ओकरे पाप बरे दोखबलि होइ। एक ठु पंछी दोखबलि बरे होइ चाही अउ दूसर होमबलि बरे होइ चाही। 8उ मनई क चाही कि उ ओन पंछियन क याजक क लगे लइ जाइ। पहिले याजक क दोखबलि क रुप मँ एक पंछी चढ़ावइ चाही। याजक पंछी क गटई क मरोड़ देइ। मुला याजक पंछी क दुइ हींसा मँ न बाँटी। 9तब याजक क पापबलि क कछू रकत क वेदी क सिरन कइँती प जरूर डावइ चाही। तब याजक क बचा भवा रकत क वेदी क आधार प जरूर डावइ चाही। इ एक दोखबलि अहइ। 10तब याजक क नेम क मुताबिक होमबलि क रुप मँ यहोवा क दूसर पंछी क भेंट चढ़ावइ चाही। इ तरह याजक उ व्यक्ति क पापे क पछतावा करी अउ उ व्यक्ति छिमा पाइहीं।

11"अगर कउनो व्यक्ति दुइ फाख़्ता या दुइ कबूतर क भेंट चढ़ावइ मँ समरथ न होइ तउ ओका एपा* क दसवाँ हींसा महीन आटा जरूर भेंट चाही। इ ओकर पापबलि होइ। उ मनई क आटा प तेल नाहीं डावइ चाही। ओका ऍह प लोहबान नाहीं डावइ चाही काहेकि इ पापबलि बाटइ। 12मनई क आटा याजक क लगे जरूर लावइ चाही। याजक एहमाँ स मुट्ठी भइ आटा निकारी। इ स्मृति भेंट होइ। याजक यहोवा क उपहार क रूप मँ वेदी क ऊपर आटा क बारी। इ पापबलि अहइ। 13इ तरह याजक उ व्यक्ति क पाप क अपराध बरे पछतावा करी अउ उ छिमा पाइहीं। बची भइ आटा याजक बरे अन्नबलि क जइसा ही होइ।"

14यहोवा मूसा स कहेस, 15"एक व्यक्ति गलती स यहोवा क पवित्तर चीजन मँ स एक ठु चीज लइ सकत ह। अइसा हालत मँ उ व्यक्ति क एक ठु बिना दोख क भेड़ा लइ आवइ चाही। इ भेड़ा यहोवा बरे ओकर दोखबलि होइ। तोहका उ भेड़ा क कीमत तय करइ बरे पवित्तर स्थान क सेकेल क अनुसार बइपरइ चाही। 16उ व्यक्ति क पवित्तर चीजन बरे भुगतान जरुर करइ चाही अउर जउने चीजन क उ लिहस ह। ओका कीमत मँ पाँचवाँ हींसा जोरि देइ चाही अउर ओका इ धन याजक क देइ चाही। इ तरह याजक दोखबलि क भेड़ा क जरिये उ मनई क पाप क पछतावा करी अउ उ व्यक्ति छिमा पाइहीं।

17"अगर कउनो व्यक्ति पाप करत ह अउ जउन चीजन क न करइ क हुकुम यहोवा दिहे अहइ, ओनका करत ह तउ इ बात क कउनो महत्व नाहीं कि उ एकॉ नाहीं जानत। उ मनई अपराधी अहइ अउर आपन पाप क जिम्मेदार होइ। 18उ व्यक्ति क एक ठु उचित कीमत क निर्दोख भेड़ा आपन झुण्ड स याजक क लगे लइ आवइ चाही। भेड़ा दोखबलि होइ। इ तरह याजक उ व्यक्ति क उ पाप बरे पछतावा करी जेका उ अनजाने मँ किहेस ह अउ उ छिमा पाइहीं। 19मनई अपराधी अहइ चाहे उ इ न जानत होइ कि उ पाप करत बा। एह बरे ओका यहोवा क दोखबलि देइ क होइ।"

दूसर पाप बरे दोखबलि

6 यहोवा मूसा स कहेस, 2"एक मनई यहोवा क समन्वा दोखी समुझा जाइ अगर उ एनमाँ स कउनो कार्य करत ह: उ एक पड़ोसी क उ सामान जउन ओका देखरेख करइ बरे दीन्ह ग अहइ क बरे छल कइ सकत ह, या उ वस्तु क आपन खुद क लइ ले सकत ह, या उ कछू चोराइ सकत ह, या आपन पड़ोसी क ठग सकत ह, 3या ओका कउनो क हेरान चीज मिलइ अउर तब उ ओकरे बारे मँ लबार बोल सकत ह या कउनो मनई कछू करइ क झूठा बचन दइ सकत ह या उ कउनो अइसा अपराध कइ सकत ह जउन दूसर लोग करत ह। 4अगर कउनो मनई अइसा पाप ओनमाँ स करत ह अउ उ दोखी होत ह, ओका उ जरूर वापिस करइ चाही जउन उ चुराएस ह, या उ लाभ जउन उ ठगी स प्राप्त किहेस ह, या उ सामान जउन देखरेख बरे लिहस ह, या उ खोया भवा सामान जउन उ पाएस ह, क जरूर वापिस करइ चाही। 5या जउन कउनो क बारे मँ झूठ बचन दीन्ह ग होइ, उ ओका ओन वस्तुअन क पूरा दाम चुकावइ चाही अउर तब ओका चीज क दाम क पाँचवाँ हींसा अलावा देइ चाही। ओका असली मालिक क धन जरूर देइ चाही। ओका इ उहइ दिन करइ चाही जउने दिन उ दोखबलि लिआवइ।

6"उ व्यक्ति क दोखबलि याजक क लगे जरूर लिआवइ चाही। इ जरूर झुण्ड स एक भेड़ा होइ चाही। भेड़ा मँ कउनो दोख नाहीं होइ चाही। इ जरूर उहइ दाम क होइ चाही जउन याजक कहइ। इ यहोवा बरे दोखबलि होइ। 7तब याजक यहोवा क समन्वा उ मनई क ओन पापन क पछतावा करी अउ उ व्यक्ति सभी चीजन बरे छिमा पाइ जेनका उ किहेस अउ उ दोखी होइ गवा।"

होमबलि

8यहोवा मूसा स कहेस, 9"हारून अउ ओकरे पूतन क इ हुकुम द्याः होमबलि क वेदी क अगी कुण्ड मँ पूरी रात भिन्सार होइ तलक जरूर राखइ चाही। वेदी क आगी क वेदी प जरूर बरत रहइ चाही। 10याजक क सन क उत्तिम रेसा क बना भवा चोगा जरूर पहिरइ चाही। ओका आपन तन स चिपका जाँघिया पहिरइ चाही। तब याजक क होमबलि प पूरी तरह स जरि जाइ क पाछे वेदी स बची भइ राखी क उठावइ चाही। याजक क वेदी क बगल मँ राखी जरूर राखइ चाही। 11तब याजक क आप ओढ़ना क उतारइ चाही अउ दूसर ओढ़ना पहिरइ चाही। तब ओका डेरा स बाहेर साफ ठउर प राखी लइ जाइ चाही। 12मुला वेदी प आगी क जरूर बरत रहइ चाही। एका बुझइ नाहीं देइ चाही। याजक क रोज भिन्सारे वेदी प काठ जरूर बारइ चाही।

एपा लगभग दुइ लीटर क बराबर या दुइ क्वार्ट।

ओका वेदी प होमबलि जरूर रखइ चाही। ओका मेलबलि क चर्बी जरूर बारइ चाही। 13वेदी प आग्गी लग्गातर बरत रहइ चाही। एका बुझइ नाहीं चाही।

अन्नबलि

14"अन्नबलि क इ नेम अहइ कि हारून क पूतन क वेदी क समन्वा यहोवा बरे अन्नबलि जरूर लावइ चाही। 15याजक क अन्नबलि मेँ स मूठी भइ उत्तिम ऍकर आटा, ऍकर तेल अउ ऍकर लोहबान लेइ चाही अउ ऍका वेदी पइ बारइ चाही। इ यहोवा बरे एक खुसबूदार अउर स्मृति भेंट होइ।

16"हारून अउ ओकरे बेटहनन क बची भइ अन्नबलि क खाइ चाही। अन्नबलि एक तरह क अखमीरी रोटी क भेंट अहइ। याजक लोग्गन क इ रोटी पवित्तर ठउर मेँ खाइ चाही। ओनका मिलापवाला तम्बू क आँग्गन मेँ अन्नबलि खाइ चाही। 17अन्नबलि खमीर क मिलइके जरूर नाहीं पकावइ चाही। मइँ इ ओनका आपन उपहार मेँ स ओकर हींसा दिहेस ह। इ पापबलि अउ दोखबलि क नाईं बहोतइ पवित्तर बाटइ। 18हारून क पूतन मेँ स हर एक यहोवा क चढ़ाइ भइ भेंट स खाइ सकत ह। इ तोहरी पीढ़ियन बरे सदा नेम बाटइ। जउन कउनो ऍका छुअब उ जरूर पवित्तर होइ चाही।" *

याजक लोग्गन क अन्नबलि

19यहोवा मूसा स कहेस, 20"हारून अउ ओकरे बेटवन क जउन अन्नबलि लइ आवइ चाही उ इ अहइ। ओनका इ उ दिना ही करइ चाही जउने दिन हारून क अभिसेक भवा रहा। ओनका हमेसा एपा क दसवाँ हींसा महीन आटा अन्नबलि बरे जरूर लेइ चाही। ओनका ऍकर आधा भिन्सारे अउ आधा साँझ मेँ लइ आवइ चाही। 21उत्तिम महीन आटे मेँ तेल जरूर डावइ चाही अउ ओका कड़ाही मेँ जरूर भूँजइ चाही। जब इ भुँज जाइ तब ऍका जरूर भीतर लिआवइ चाही। भेंट पूर्ण रूप स जरूर टूकन मेँ तोड़वइ चाही। तू पचन क यहोवा क चूरमा क भेंट जरूर चढ़ावइ चाही ऍकर सुग्न्धि यहोवा क खुस करी।

22"हारून क सन्तानन मेँ स, जउन हारून क जग्गह पइ अभिसिक्त अहइ, क इ अन्नबलि यहोवा बरे चढ़ावइ चाही। इ नेँम हमेसा बरे अहइ। अन्नबलि यहोवा बरे पूर्ण रूप स जरूर जरावइ चाही। 23याजक क हर एक अन्नबलि पूरी तरह जरावइ चाही। एका खाई नाहीं चाही।"

पापबलि क नेम

24यहोवा मूसा स कहेस, 25"हारून अउ ओकरे पूतन स कहा: पापबलि बरे इ नेम अहइ कि पापबलि क हुवँइ मारा जाइ चाही जहाँ यहोवा क समन्वा होमबलि क मारा जात ह। इ बहोतइ पवित्तर बाटइ। 26उ याजक क ऍका खाइ चाही, जउन पापबलि चढ़ावत ह। ओका पवित्तर ठउरे प मिलापवाला तम्बू क आँग्गन मेँ एका खाइ चाही। 27कउनो मनई जउन पापबलि क ग्गोस क छुअत ह ओका पवित्तर होइ चाही। अग्गर छिछकारा भवा रकत कउनो मनई क ओढ़ना प पड़त ह तउ ओन ओढ़नन क जरूर धोइ चाही। तू पचन क ओन ओढ़नन क सिरिफ एक पवित्तर ठउरे मेँ ही धोवइ चाही। 28अग्गर पापबलि कउनो माटी क बासन मेँ उबाली जाइ, तउ उ बासन क जरूर फोड़ देइ चाही। अग्गर पापबलि क काँसा क बासन मेँ उबाला जाइ, तउ बासन क जरूर माँजा जाइ अउ पानी स धोवा जाइ।

29"याजक परिवारे क कउनो मनई पापबलि क खाइ सकत ह। इ सबन्त पवित्तर बाटइ। 30मुला अग्गर पापबलि क रकत पवित्तर ठउर प पछतावा करइ बरे मिलापवाला तम्बू मेँ लइ जाइ। तउ पापबलि क आग्गी मेँ बारि देइ चाही। याजकन क उ पापबलि जरूर नाहीं खाइ चाही।

दोखबलि

7 "दोखबलि खातिर इ नेम बाटइ। इ सबइ स पवित्तर अहइ। 2याजक क दोखबलि क उहइ ठउरे पइ मारइ चाही जउने प उ सबइ होमबलि क मारत ह अउ ओका ऍकर रकत क वेदी क चारिहुँ कइँती जरूर डावइ चाही।

3"याजक क दोखबलि क सारी चर्बी चढ़ावइ चाही। ओका चर्बी भरी पूँछ, भीतरी भाग क ढकइवाली चर्बी, 4दुइनउँ ग्गुर्दन अउ ओकरे ऊपर क चर्बी, पुट्ठन क चर्बी जरूर भेंट करइ चाही। अउ करेजा क संग क झिल्ली जउन ओकर संग चिपकी भइ चर्बी अहइ ग्गुर्दन क संग जरूर हटावइ चाही। 5याजक क वेदी प ओन सबहिं चीजन क जरूर बारइ चाही। इ यहोवा बरे उपहार भेंट होइ। इ दोखबलि अहइ।

6"याजक परिवार स हर एक मरद दोखबलि खाइ सकत ह। एकॉ बहोतइ पवित्तर ठउर पइ खाइ चाही इ बहोतइ पवित्तर बाट्इ। 7दोखबलि क सबइ नेम पापबलि क नेम क जइसा अहइँ। इ भेंट उ याजक क होइ जउन ऐसे ओकर बरे पछतावा करी। 8उ याजक, जउन बलि चढ़ावत ह, चमड़ा भी होमबलि स लइ सकत ह। 9हर एक अन्नबलि चढ़ावइवाला याजक क होत ह। याजक ओन सबइ अन्नबलि क लइ लेइ जउन चूल्हा मेँ पकाई ग्गइ होइँ, या कड़ाही मेँ पकाइ ग्गइ होइँ या तावा प पकी होइँ। 10अन्नबलि हारून क बेटवन क होइ। ओसे कउनो फर्क नाहीं पड़ी कि उ सबइ झुरान या तेल स सनी भइ अहइँ। हारून क बेटवन याजक क नाईं भाग्गीदार होइहीं।

मेलबलि

11"इ सबइ मेलबलि क नेम अहइँ, जेका कउनो मनई यहोवा क चढ़ावत ह: 12कउनो व्यक्ति मेलबलि आपन एहसान परग्गट करइ बरे लई आइ सकत ह। अग्गर एक व्यक्ति एहसान परग्गट करइ बरे बलि लिआवत ह तउ ओका तेल स सना भवा अखमीरी फुलका, अखमीरी केक अउ तेल स सना भवा उत्तिम आटा क फुलका भी लिआवइ चाही। 13उ व्यक्ति क आपन मेलबलि बरे खमीरी रोटियन क साथ आपन बलि जरूर लइ आवइ चाही। इ मेलबलि

जउन ... चाही एकर अनुवाद इ तरह कीन्ह जाइ सकत ह: ऍनका जउन कउनो छुअइ ओका पहिले पवित्तर (सुद्ध) होइ लेइ चाही।

अहइ जेका एक व्यक्ति यहोवा बरे एहसान देखावइ बरे लिआवत ह। 14ओन रोटियन मँ स एक ठु उ याजक क दुआरा लइ जाइ जउन मेलबलि क रकत क छिछकारत ह। 15इ मेलबलि क गोस उहइ दिन खावा जाइ चाही जउने दिन उ चढ़ावा जाइ। एक व्यक्ति परमेस्सर बरे एहसान परगट करइ बरे इ भेंट चढ़ावत ह। मुला तनिकउ भी गोस दुसर भिन्सारे बरे जरूर नाहीं बचइ चाही।

16"एक व्यक्ति मेलबलि यहोवा क उपहार देइ क इरादे स लइ आइ सकत ह या उ वादा क पूरा करइ बरे जेका उ पिहले परमेस्सर स किहस ह। अगर इ सच अहइ तउ बलि उहइ दिन खाई जाइ चाही जउने दिन उ ऍका चढ़ावइ। जदि कछू बच जाइ तउ अगले दिना जरूर खाइ लेइ चाही। 17मुला अगर इ बलि क कछू गोस फिन भी तीसरे दिन बरे बचि जाइ तउ ओका आगी मँ बारि देइ चाही। 18अगर कउनो मनई मेलबलि क गोस तीसरे दिन भी खात ह, तउ यहोवा उ मनई स खुस नाहीं होइ। यहोवा उ बलि बरे कउनो सम्मान नाहीं देई। इ बलि एक असुद्ध वस्तु बन जाई। अगर कउनो उ बलि क खात ह तउ उ आपन पाप बरे उत्तरदायी होइ।

19"लोगन क अइसा गोस भी नाहीं खाइ चाही जेका कउनो असुद्ध वस्तु छुइ लेइ। ओनका इ गोस क आगी मँ बारि देइ चाही। उ पचे सबहिं मनइयन जउन सुद्ध होइँ इ मेलबलि क गोस खाइ सकत हीं। 20मुला अगर एक व्यक्ति अपवित्तर अहइ अउ यहोवा क मेलबलि मँ स कछू गोस खाइ लेइ, तउ उ व्यक्ति क ओकरे लोगन स निकाल दीन्ह जाहीं।

21"अगर एक व्यक्ति मानव जाति क असुद्ध चीज क या एक असुद्ध जनावरन क या कउनो असुद्ध घृणित वस्तु क छुअत ह अउ अगर उ यहोवा बरे मेलबलि क कछू गोस खाइ लेत ह तउ उ व्यक्ति क ओकरे लोगन मँ स जरूर निकाल कइ दीन्ह जाइ।"

22यहोवा मूसा स कहेस, 23"इस्राएल क मनइयन क सलाह देइ कि तू लोगन क गाइ, भेड़ी अउ बोकरी क चर्बी नाहीं खाइ चाही। 24तू पचे उ पसु क चर्बी क प्रयोग कइ सकत ह जउन खुद ही मरा होइ या दूसर जनावरन क जरिये मार दीन्ह ग होइ। मुला तू उ पसु क चर्बी कबहुँ नाहीं खाया। 25जदि कउनो मनई अइसा पसु क चर्बी खात ह जउन यहोवा क उपहार क रूप चढ़ावा ग होइ, तउ उ लोग क ओकरे मनइयन स निकाल दीन्ह जाइ।

26"तू पचे चाहे जहाँ कहुउँ भी रहा, तू पचन क कउनो पंछी या पसु क रकत कबहुँ नाहीं खाइ चाही। 27अगर कउनो व्यक्ति कछू रकत खात ह, तउ उ व्यक्ति क ओकर लोगन स निकाल दीन्ह जाइ।"

उत्तोलन बलि क नेम

28यहोवा मूसा स कहेस, 29"इस्राएल क लोगन स कहा: अगर कउनो व्यक्ति यहोवा बरे मेलबलि लइ आवइ, तउ उ मनई क उ भेंट क एक हींसा यहोवा क जरूर देइ चाही। 30ओका उ भेंट क उ हींसा आपन हाथे मँ यहोवा बरे लइके चलइ चाही। ओका पसु क चर्बी अउ छाती याजक बरे लइके चलइ चाही। छाती क यहोवा क समन्वा ऊपर हिलावा जाइ चाही। इ उत्तोलन बलि होइ। 31तब याजक क वेदी पइ चर्बी बारइ चाही। मुला पसु क छाती हारून अउ ओकर पूतन क होइ। 32मेलबलि स दाहिन जाँघ हारून क पूतन मँ स याजक क जरूर देइ चाही। 33मेलबलि मँ स दाहिन जाँघ उ याजक क होइ जउन मेलबलि क चर्बी अउ रकत मेलबलि बरे चढ़ावत ह। 34मइँ (यहोवा) उत्तोलन बलि क छाती अउ मेलबलि क दाहिन जाँघ इस्राएल क मनइयन स अंगीकार किहे हउँ अउ मइँ ओन चीजन क हारून अउ ओकरे बेटवन क देत अहउँ। इस्राएल क लोगन क जरिये इ नेम क सदा-सदा पालन कीन्ह जाइ चाही।"

35यहोवा बरे दीन्ह गइ उपहार हारून अउ ओकरे पूतन क अहइ, जब कबहुँ हारून अउ ओकरे पूतन यहोवा क याजक क रुप मँ सेवा करत हीं तब उ पचे बलि क उ हींसा पावत हीं। 36जउने समइ यहोवा याजकन क अभिसेक किहेस उहइ समइ उ पचे इस्राएल क लोगन क उ सबइ हींसा याजकन क देइ क हुकुम दिहेस। उ सबइ हींसा हमेसा याजकन क ओकर भाग क रूप मँ दीन्ह जाइ क अहइँ।

37इ सबइ होमबलि, अन्नबलि, पापबलि, दोखबलि, याजकन क नियुक्ति, अउ मेलबलि क नेम अहइँ। 38यहोवा सिनाई पहाड़े पइ इ सबइ नेम मूसा क दिहस। यहोवा इ सबइ नेम ओह दिन दिहस जउने दिन उ इस्राएल क मनइयन क सिनाई रेगिस्तान मँ यहोवा बरे आपन भेंट लिआवइ क हुकुम दिहे रहा।

मूसा हारून अउ ओकरे पूतन क सेवा करइ बरे अभिसेक करत ह

8 यहोवा मूसा स कहेस, 2"हारून अउ ओकर पूतन ओकरे वस्त्रन, अभिसेक क तेल, पापबलि बरे बर्धा, दुइ भेड़ी अउ अखमीरी रोटी क डलिया क संग लइ आवा 3अउर सबहिं लोगन क मिलापवाला तम्बू क दुआरे प जमा करा।"

4मूसा उहइ किहस जउन यहोवा ओका हुकुम दिहस। मनइयन मिलापवाला तम्बू क दुआरे प एक संग मिलेन। 5तब मूसा लोगन स कहेस, "इ उहइ बाटइ जेका करइ क यहोवा हुकुम दिहे अहइ।"

6तब मूसा हारून अउ ओकरे पूतन क लइ आवा। उ ओनका पानी स धोएस। 7तब मूसा हारून क कमीज पहिराएस। मूसा हारून क चारिहुँ कइँती एक ठु पेटी बाँधेस। तब मूसा हारून क चोगा पहिराएस। तब ओह पइ एपोद* पहिराएस। उ ओह पइ सुन्दर बुना भवा पेटी बाँधेस। 8तब मूसा हरून क निआव क थइला पहिराएस। तब मूसा निआव क थइला मँ ऊरीम अउ तुम्मीम धरेस। 9मूसा हारून क मूँड़े पइ पगड़ी भी बाँधेस। मूसा पगड़ी क अगले भाग पइ सोना क पवित्तर पत्तर क मुकुट बाँधेस। मूसा इ यहोवा क आदेस क मुताबिक किहस।

10तब मूसा अभिसेक क तेल लिहस अउ पवित्तर तम्बू अउ एहमाँ क सबहिं चीजन प छिछकारेस। इ तरह मूसा ओनका पवित्तर किहस। 11मूसा अभिसेक क कछू तेल वेदी

एपोद एक खास अंगरख जेका महा याजक पहिरत रहा।

पइ सात दाईं छिछकारेस। मूसा वेदी, ओकरे उपकरण अउ तस्तरियन क अभिसेक किहस। मूसा खोरा अउ ओकरे आधार पइ भी तेल छिछकारेस। इ तरह मूसा ओनका पवित्तर किहस। 12तब मूसा अभिसेक क कछू तेल क हारून क मूँड़े प डाएस। इ तरह उ हारून क पवित्तर किहस। 13तब मूसा हारून क बेटवन क लिआएस अउ ओनका कमीज पहिराएस। उ ओन पइ पेटियन क बाँधेस। तब उ ओनके मूँड़े पइ पगड़ियन क बाँधेस। मूसा इ सबइ सब वइसेन ही किहस जइसे यहोवा हुकुम दिहे रहा।

14तब मूसा पापबलि क बर्धा लिआएस। हारून अउ ओकर पूतन आपन हाथे क पापबलि क बर्धा क मूँड़े प धरेन। 15तब मूसा बर्धा क मारेस अउ रकत जमा किहेस। मूसा आपन अँगुरियन स तनिक रकत लिहेस अउ वेदी क सबहिं सिंगियन पइ छिछकारेस। इ तरह मूसा वेदी क बलि बरे सुद्ध किहेस। तब मूसा वेदी क आधार पइ रकत क उड़ेरेस। इ तरह मूसा वेदी क सुद्ध किहेस अउ एकॉ पापन क प्रायस्चित करइ बरे तइयार किहस। 16मूसा बर्धा क भितरी भाग स सबइ चर्बी लिहस। मूसा दुइनउँ गुर्दा अउ ओनकइ ऊपर क चर्बी क संग करेजा स चिपकइ वाली चर्बी लिहस। तब उ ओनका वेदी प बारेस। 17मुला मूसा बर्धा क चाम, ओकर गोस अउ बदन क बेकार भितरी भाग क डेरा क बाहेर लइ गवा। मूसा डेरा क बाहेर आगी मँ ओन चीजन क जराएस। मूसा इ सबइ वइसा ही किहस जइसा यहोवा हुकुम दिहे रहा।

18मूसा होमबलि क भेड़ा क लइ आवा। हारून अउ ओकर बेटवन आपन हाथ भेड़ा क मूँड़े प धरेन। 19तब मूसा भेड़ा क मारेस। उ वेदी क चारिहुँ कइँती रकत छिछकारेस। 20मूसा एकॉ टूका मँ काटेस। तब मूसा ओकर मूँड़, टूका अउ चर्बी क जराएस। 21मूसा भितरी भागन अउ गोड़े क पानी स धोएस। तब मूसा समूचइ भेड़ा क वेदी पइ जराएस। इ होमबलि रही। इ यहोवा क बरे एक ठु सुगन्धि उपहार रही। मूसा यहोवा क हुकुम क मुताबिक उ सबइ काम किहस।

22तब मूसा दूसर भेड़ा क लइ आवा। इ भेड़ा क उपयोग हारून अउ ओकरे बेटवन क याजक नियुक्त करइ बरे कीन्ह गवा। हारून अउ ओकर बेटवन आपन आपन हाथन क भेड़ा मूँड़े प धरेन। 23तब मूसा भेड़ा क मारेस। उ भेंड़ा क तनिक रकत हारून क काने क निचले सिरे, दाहिन हाथे क अंगूठा अउ ओकर दाहिन गोड़े क अंगूठा पइ लगाएस। 24तब मूसा हारून क बेटवन क वेदी क निचके लिआवा। मूसा तनिक रकत ओनके दाहिन कान क निचले सिरे, दाहिन हाथ क अंगूठा, अउ ओनके दाहिन गोड़े क बड़का अंगुरि पइ लगाएस। तब मूसा वेदी क चारिहुँ कइँती रकत उड़ेरेस। 25मूसा चर्बी, चर्बी भरी पूँछ, भितरी भाग क सारी चर्बी, करेजा स चिपकइवाली चर्बी, दुइनउँ गुर्दन अउ ओनकइ चर्बी अउ दाहिन जाँघ क लिहस। 26अखमीरी रोटी क एक ठु टोकरी हर रोज यहोवा क अगवा धरा जात रहेन। मूसा टोकरी मँ स एक ठु तेल स सनी रोटी, अउर एक अखमीरी फुल्का लिहस। मूसा ओन टूकन क चर्बी अउ भेड़ा क दाहिन जाँघे प धरेस। 27तब मूसा ओन सबहिं क हारून अउ ओकरे बेटवन क हाथे मँ धरेस। मूसा ओन टूकन क यहोवा क आगे उत्तोलन बलि क रुप मँ हाथन क ऊपर उठवाएस। 28तब मूसा ओन चीजन क हारून अउ ओकरे बेटवन क हाथन स लिहस। मूसा ओनका वेदी प होमबलि क ऊपर जराएस। इ तरह उ बलि हारून अउ ओकरे पूतन क याजकन नियुक्त करइ बरे रही। इ यहोवा क खुस करइ बरे एक ठु सुगन्धि उपहार रही। 29तब मूसा उ भेड़ा क छाती लिहस अउ यहोवा क समन्वा उत्तोलनबलि बरे हिलाएस। याजकन क नियुक्त करइ बरे भेड़ा मँ स मूसा क हींसा रहा। इ ठीक वइसा ही रहा जइसा यहोवा मूसा क हुकुम दिहे रहा।

30मूसा अभिसेक क कछू तेल अउ वेदी पइ क कछू रकत लिहस। मूसा ओहमा स कछू हारून अउ ओकरे ओढ़नन पइ छिछकारेस अउ कछू हारून क ओन पूतन प जउन ओकरे संग रहेन अउ कछू ओनकइ ओढ़नन प छिछकारेस। इ तरह मूसा हारून, ओकरे वस्त्रन, ओकरे पूतन अउ ओनकइ ओढ़नन क पवित्तर बनाएस।

31तब मूसा हारून अउ ओकरे बेटवन स कहेस, "का तू पचन क मोर आदेस* याद अहइ? मइँ कहे रहेउँ, 'हारून अउ ओकर पूत इ सबइ चीजन क खइहीं।' एह बरे याजकन नियुक्ति संस्कार क याजक स रोटी अउ गोस ल्या। मिलापवाला तम्बू क दुआरे पइ उ गोस क पकावा। तू पचे उ गोस अउ उ रोटी क उहइ ठउर प खाब्या। 32अगर कछू गोस या रोटी बचि जाइ तउ ओका जराइ द्या। 33याजक नियुक्ति संस्कार सात दिना तलक चली। तू पचे मिलापवाला तम्बू स तब तक नाहीं जाब्या जब तक तोहार याजक नियुक्ति संस्कार क समइ पूरा नाहीं होइ जात। 34यहोवा ओन काम क करइ क आदेस दिहे रहा जउन आज कीन्ह गए। उ तू पचन क आपन क प्रायस्चित करइ बरे इ आदेस दिहे रहा। 35तू पचन क मिलापवाले तम्बू क दुआर प सात दिना तलक लगातार दिन अउ रात जरूर रहइ चाही। अउर तू पचे यहोवा क आदेस क पालन करब्या ऍह बरे तू नाही मरिब्या। यहोवा मोका इ आदेस दिहे रहा।"

36ऍह बरे हारून अउ ओकरे पूतन उ सब कछू किहन जेका करइ क आदेस यहोवा मूसा क दिहे रहा।

परमेस्सर क जरिये याजकन क स्वीकृति

9 अठवें दिन, मूसा हारून अउ ओकरे पूतन क बोलाएस। उ इस्राएल क बुजुर्गन (नेता लोगन) क भी बोलाएस। 2मूसा हारून स कहेस, "आपन झुण्ड मँ स एक ठु बछवा अउ एक ठु भेड़ा ल्या। ओन मँ कउनो दोख नाहीं होइ चाही। बछवा पापबलि बरे होइ अउ भेड़ा होमबलि बरे होइ। इ सबइ गोरुअन क यहोवा क समन्वा बलि द्या। 3इस्राएल क लोगन स कहा, 'पापबलि बरे एक ठु बकरा ल्या। एक बछवा अउ एक मेमना होमबलि बरे ल्या दुइनउँ एक बरिस क होइ चाही। इ सबइ जनावरन मँ कउनो दोख

मोर आदेस हिआँ मोर आदेस स मतलब अहइ मोरे जरिये दीन्ह गवा यहोवा क आदेस मूसा क बचन, यहोवा क बचन अहइ काहेकि उ यहोवा क प्रवक्ता अहइ। एह बरे हिआँ मूसा यहोवा क आदेस क मोर आदेस कहेस ह।

नाहीं होइ चाही। 4एक साँड़ अउ एक भेड़ा मेलबलि बरे
ल्या। ओन जनावरन क अउर तेल स मिली भइ अन्नबलि
ल्या अउ ओनका यहोवा क भेंट चढ़ावा। काहेकि आजु
यहोवा क महिमा तोहरे समन्वा परगट होइ।"'
5एह बरे सबहिं लोग मिलापवाला तम्बू मँ आएन अउर उ
पचे ओन सबहिं चीजन क लियाएन जेनके बरे मूसा आदेस
दिहे रहा। सबहिं लोग यहोवा क आगे ठाड़ भएन। 6मूसा
कहेस, "तू पचे उहइ किह्या ह जेका यहोवा हुकुम दिहस।
तू लोग यहोवा क महिमा देखब्या।"
7तब मूसा हारून स कहेस, "जा अउर उ करा जेकरे बरे
यहोवा हुकुम दिहे रहा। वेदी क निअरे जा अउर पापबलि
अउ होमबलि चढ़ावा। इ सबइ आपन अउर लोगन क पापन
क प्रायस्चित बरे करा। तू लोगन क लाई भइ बलि ल्या
अउर ओका यहोवा क अर्पित करा। इ ओनके पापन बरे
प्रायस्चित होइ।"
8एह बरे हारून वेदी क लगे गवा। उ बछवा क पापबलि
बरे मारेस। इ पापबलि खुद ओकरे अपने बरे रही। 9तब
हारून क पूतन हारून क लगे रकत लिआएन। हारून
आपन अंगुरियन क रकत मँ डाएस अउ वेदी क सींगन पइ
ऐंका लगाएस। तब हारून वेदी क आधार पइ रकत उड़ेरेस।
10हारून पापबलि स चर्बी, गुर्दन अउ करेजा क संग
चिपका भवा झिल्ली जमा किहेस। उ ओन सब क वेदी प
जराएस। उ उहइ प्रकार किहस जउने तरह यहोवा मूसा क
आदेस दिहे रहा। 11तब हारून डेरा क बाहर गोस अउ चाम
क बारेस।
12ऐंकरे पाछे, हारून होमबलि बरे जनावरन क मारेस।
हारून क पूत रकत क हारून क लगे लिआएन अउ हारून
वेदी क चारिहुँ कइँती रकत डाएस। 13हारून क बेटवन ओन
टूकन अउ होमबलि क मूँड़ हारून क दिहस। तब हारून
ओन सबन क वेदी पइ बारेस। 14हारून होमबलि क भितरी
भागन क अउ गोड़े क धोएस अउ उ ओनका वेदी प
बारेस।
15तब हारून लोगन क बलि लावा। उ लोगन क बरे
पापबलि वाला बोकॅरा क मारेस। उ बोकरा क पहिले क
नाईं पापबलि बरे चढ़ाएस। 16हारून होमबलि लावा अउ उ
उ बलि चढ़ाएस। वइसेन ही जइसे यहोवा आदेस दिहेस।
17हारून अन्नबलि क वेदी क लगे लिआवा। उ मूठी भइ
अनाज लिहस। अउ भिन्सारे क नित्य बलि क संग उ वेदी
प धरेस।
18हारून लोगन बरे मेलबलि क साँड़ अउ भेड़ा क
मारेस। हारून क बेटवन रकत क हारून क लगे लिआएन।
हारून इ रकत क वेदी क चारिहुँ कइँती उड़ेरेस। 19हारून
क बेटवन साँड़ अउ भेड़ा क चर्बी भी लाएन। उ पचे साथ
ही साथ चर्बी भरी पूँछ, भितरी भाग क ढकइवाली चर्बी,
गुर्दन अउ करेजन स चिपका भवा झिल्ली भी लिआएन।
20हारून क बेटवन चर्बी क इ सबइ भागन क साँड़ अउ
भेड़ा क छाती प धरेस। हारून चर्बी क भागन क लइके
ओका वेदी पइ बारेस। 21मूसा क आदेस क मुताबिक हारून
छातियन अउ दाईं जाँघ क उत्तोलन भेंट बरे यहोवा क
समन्वा हाथन मँ ऊपर उठाएस।
22तब हारून आपन हाथ लोगन कइँती उठाएस अउ
ओनका आसीर्बाद दिहस। हारून पापबलि, होमबलि अउ
मेलबलि क चढ़ावइ क पाछे वेदी स तरखाले उतरि आवा।
23मूसा अउ हारून मिलापवाला तम्बू मँ गएन। ओकर
पाछे हुआँ स बाहेर आइके उ पचे लोगन क आसीर्बाद
दिहन। अउर यहोवा क तेज सबहिं लोगन क समन्वा परगट
भवा। 24यहोवा स आगी परगट भइ अउ उ वेदी पइ
होमबलि अउ चर्बी क जराएस। सबहिं लोगन जब इ लखेन
तउ उ पचे चिल्लानेन अउ उ पचे धरती पइ भहराइके
प्रणाम किहेन।

परमेस्सर क ज्वाला क जरिये बिनास

10 फिन तब हारून क बेटवन नादाब अउ अबीहू धूप
जरावइ बरे तस्तरियन क लिहन, ओह मँ आग
लगाएन अउ धूप क आगी पइ धरेन। तउ उ पचे एक ठु
अनोखी आगी* क उपयोग यहोवा क समन्वा किहन जेकरे
प्रयोग क हुकुम उ ओनका नाहीं दिहे रहा। 2एह बरे यहोवा
स ज्वाला परगट भइ अउ उ नादाब अउ अबीहू क बरबाद
कइ दिहस।
3तब मूसा हारून स कहेस, "यहोवा कहत ह, 'जउन मोरे
लगे आवइ ओनका मोर संग जरूर पवित्तरता क बर्ताव
करइ चाही। अउ सबहिं लोगन क मोका सम्मान देइ
चाही।"' हारून खामोस रहा।
4हारून क चाचा उज्जीएल क दुइ पूत रहेन। उ पचे
मीसाएल अउ एलसाफान रहेन। मूसा ओन बेटवन स कहेस,
"पवित्तर ठउर क समन्वा जा। आपन चचेरा भाइयन क ल्हासे
क उठावा अउ ओनका डेरा क बाहेर लइ जा।"
5ऐंह बरे मीसाएल अउ एलसाफान मूसा क आदेस मानेन।
उ पचे नादाब अउ अबीहू क ल्हासन क बाहेर लइ आएन।
नादाब अउ अबीहू तब तलक आपन खास अंगरखा पहिरे
रहेन।
6तब मूसा हारून अउ ओकरे दूसर पूतन एलीआजार अउ
ईतामार स बात किहस। मूसा ओनसे कहेस, "कउनो सोक
परगट जिन करा। आपन ओढ़ना जिन फाड़ा या आपन बारन
क जिन बिखरावा। तू मरब्या नाहीं अउ यहोवा क गुस्सा
तोहार समूचइ धर्मिक सभा क भंग नाहीं करी। इस्त्राएल क
समूचा रास्ट्र तोहार सम्बंधी अहइ। उ पचे यहोवा क जरिये
नादाब अउ अबीहू क बारइ क बारे मँ रोइ सकत हीं। 7मुला
तू लोगन क मिलापवाला तम्बू नाहीं तजइ चाही। अगर तू
पचे बाहेर जाब्या तउ मर जाब्या। काहेकि यहोवा क
अभिसेक क तेल तू पचन पइ अहइ।" तउ हारून,
एलीआज़ार अउ ईतामार मूसा क आग्या मानेन।
8तब यहोवा हारून स कहेस, 9"तोहका अउ तोहरे पूतन
दाखरस या सराब* उ समइ नाहीं पिअइ चाही जब तू पचे
मिलापवाला तम्बू मँ आवा। अगर तू पचे अइसा करब्या तउ

अनोखी आगी सम्भवत: एकर अरथ इ होइ सकत ह कि उ पचे
उ आगी मन्दिर क बाहेर लाएस रहा वेदी क आगी क उपयोग
करइ क बजाए। बलि क नेम क अनुसार।

सराब एक ठू पेय जेका आनाज क खमीर स बनावा जात ह। इ
प्राचीन मिस्त्र आम रहा।

मर जाब्या। इ नेम तोहरी सारी पीढ़ियन मँ हमेसा चलत रही।
10तू पचन क, पवित्तर अउ अपवित्तर तथा सुद्ध अउ
असुद्ध चिजियन मँ फरक करइ चाही। 11यहोवा मूसा क
आपन नेम दिहस अउ मूसा ओन नेमन क लोगन बरे दिहस।
हारून, तोहका ओन सबहिं नेमन क सिच्छा लोगन क देइ
चाही।"

12मूसा हारून अउ ओकरे बचा भवा दुई पूतन एलीआज़ार
अउर ईतामार स बात किहस। मूसा कहेस, "कछू अन्नबलि
यहोवा क उपहार मँ अबहुँ तलक बची भइ अहइ। तू लोग
अन्नबलि क उ हींसा खाइ सकत ह। मुला तू लोगन क
एकॉ बिना खमीर मिलाए खाइ चाही। एकॉ वेदी क लगे
खा। काहेकि उ भेंट बहोतइ पवित्तर बाटइ। 13उ उ भेंटन क
हींसा अहइ, जउन यहोवा बरे उपहार क रूप मँ भेंट चढ़ाइ
ग रहेन। जउन नेम मइँ तोहका बताएउँ ह, उ सिखावत ह
कि उ हींसा तू अउर तोहार पूतन क बाटइ। मुला तोहका
एकॉ पवित्तर ठउरे प खाइ चाही।

14"तू, तोहार बेटवन अउ बिटियन भी उत्तोलन बलि स
छाती क अउ मेलबलि स जाँघे क खाइ सकिहीं। इ सबइ
क तोहका जरूर पवित्तर ठउरे पइ खाइ चाही। मुला तोहका
इ सबइ क सुद्ध जगह पइ खाइ चाही। काहेकि इ सबइ
मेलबलि मँ स मिली अहइ। इस्राएल क लोग इ बलि
यहोवा क देत हीं। ओन जनावरन क कछू भाग क लोग
खात हीं मुला छाती अउ जाँघ तोहार हींसा अहइ। 15लोगन
क आपन चर्बी क भेंट जरूर लिआवइ चाही। ओनका
मेलबलि क जाँघ अउ उत्तोलन बलि क छाती जरूर
लिआवइ चाही। ओका यहोवा क समन्वा जरूर उत्तोलन
करइ चाही। इ बलि तोहार हींसा होइ। इ तोहार अउ तोहार
गदेलन क होइ। यहोवा क आदेस क मुताबिक बलि क उ
भाग हमेसा तोहार होइ।"

16मूसा पापबलि क बोकरा क बारे मँ पूछेस। मुला ओका
पहिले ही बारि दीन्ह गवा रहा। मूसा हारून क बाकी बेटवन
अलावा एलीआज़ार अउ ईतामार पइ बहोतइ कोहाइ गवा।
मूसा कहेस, 17"तू लोगन क इ बोकरा पवित्तर ठउरे पइ
खाइ क रहा। इ बहोतइ पवित्तर बाटइ। तू लोगन ऍका
यहोवा क समन्वा काहे नाहीं खाया? यहोवा इ तोहका धार्मिक
सभा क पापन क छिमा बरे ओकर प्रायस्चित करइ बरे
दिहस। 18देखा! तू उ बोकरे क रकत पवित्तर जगह क
भीतर नाहीं लिआया। तू पचन क इ बोकरा पवित्तर ठउरे प
खाइ क रहा जइसा कि मइँ आदेस दिहेउँ ह।"

19मुला हारून मूसा स कहेस, "लखा आज उ पचे आपन
पापबलि अउ होमबलि यहोवा क समन्वा लाएन। मुला तू
जानत अहा कि आजु मोरे संग का भवा ह! का तू इ
समझत अहा कि अगर मइँ पापबलि क आज खाब तउ खुस
होइ नाहीं"* 20जब मूसा इ सुनेस तउ सहमत होइ गवा।

माँस भोजन क नेम

11 यहोवा मूसा अउ हारून स कहेस, 2"इस्राएल क
लोगन स कहा: इ सबइ पसु अहइँ जेनका तू खाइ
सकत ह: 3अगर पसु क खुर दुइ हिस्सा मँ बँटा होइ अउ
उ पसु जुगाली करत होइ तउ तू उ पसु क गोस खाइ
सकत ह।

अइसे पसु जेनकइ गोस नाहीं खाइ चाही

4-6"कछू पसु जुगाली* करत हीं, मुला ओनकइ खुर
नाहीं फाट होतेन। तउ अइसे पसु क जिन खा। ऊँट, सापान
अउ खरहा वइसेन दर्जा क अहइँ। एह बरे उ सबइ तोहरे
बरे असुद्ध अहइँ। 7दुसर पसु दुइ हिस्सा मँ बँटा भवा
खुरवाला अहइँ, मुला उ पचे जुगाली नाहीं करतेन। ओन
पसुअन क जिन खा। सुअर वाइसेन ही अहइँ, एह बरे उ
सबइ असुद्ध अहइँ। 8ओन पुसुअन क गोस जिन खा।
ओनके ल्हासे क जिन छुआ। उ सबइ तोहरे बरे असुद्ध
अहइँ।

समुद्री भोजन क नेम

9"अगर कउनो जनावर समुद्दर या नदी मँ बसत ह अउ
ओकरे पखना अउ परत होत हीं तउ तू उ जनावर क खाइ
सकत ह। 10-11मुला जदि जनवार समुद्दर या नदी मँ बसत
ह अउ ओकरे पखना अउ परत नाहीं होतिन तउ उ जनावर
क तोहका नाहीं खाइ चाही। तोहका उ तरह जनावरन क
घिनौना समुझइ चाही। उ तरह क पसु क गोस जिन खा।
इहाँ तक कि ओकर ल्हासे क जिन छुआ। 12तोहका पानी
क हर एक पसु क जेकरे पखना अउ परत नाहीं होतिन
असुद्ध जनावर मँ समझइ चाही। तोहका उ तरह क समुद्दर
क जनावरन क घिनौना चिजियन मँ स समुझइ चाही।

अभोज्य पंछिन

13"तोहका नीचे लिखे भए पंछिन क भी घिनौना पंछी
समझइ चाही। इन पंछिन मँ स कउनो क जिन खा: उकाब,
गीध, सिकारी पंछी, 14चील, सबहिं तरह क बाज नाउँ क
पंछी, 15सब तरह क काला पंछी, 16सुतुर्मुर्ग, सीगंवाला
कुचकुचवा, समुद्री जलमुर्गा, सबहिं प्रकार क बाज,
17कुचकुचवा, समुद्री कौआ, बड़का कुचकुचवा, 18जलमुर्गी,
मछरी खाइवाला पेलिकन नाउँ क खेत जल पंछी, समुद्री
गीध, 19हंस, सब तरह क सारस, कठफोड़वा अउ चमगादड़।

कीड़ा पतंगा खाइ क नेम

20"अउ सबहिं अइसे उड़इवाला कीड़ा पतंग जउन चार
गोड़े प चलत इ सबइ तोहार लइ घिनौना अहइ। 21मुला
अगर उड़इवाला कीड़ा पतंगा क पखना होत हीं अउ चार
गोड़े प चलत ह अगर ओकरे गोड़े क ऊपर टांगन मँ
अइसे जोड़ अहइँ कि उ जमीन प उछरि सकइ तउ तू ओन
पतंगन क खाइ सकत ह। 22इ सबइ बाटेन जेनका तू खाइ
सकत ह: हर किसिम क टिड्यिन, हर किसिम क उड़इवाला

का तू ... नाहीं हारून आपन दुइ पूतन क मउत स ऍतना जियादा परेसान रहा कि पापबलि क नाहीं खाइ सका रहा।

जुगाली कछू पसु गाइ क तरह एक स जियादा पेट वाला होत हीं। पहिले पेट मँ चारा लील लीन्ह जात ह अउ ओकर कछू हिस्सा बचि जात ह। पाछे उ हिस्सा पसु आपन मुँह मँ लिआवत ह अउ फुन चबात ह। इ चारा क चबाब जुगाली कहा जात ह।

टिड्डियन, हर तरह क झीगुंर, हर तरह क घास चट कइ देइवाला टिड्डन।

23"मुला दूसर उ सबहिं उड़इवाला कीड़ा पतंग्न जउन चार गोड़े प चलि सकत हीं, तोहरे बरे घिनौना प्राणी अहइ। 24उ सबइ कीड़ा पतंग्न तोहका सबन क असुद्ध करिहीं। कउनो मनई जउन मरे भए कीड़ा पतंग्न क छुई, साँझ तलक असुद्ध रही। 25अगर कउनो मनई ओन मरे भए किरवन मेँ स कउनो क उठावत ह तउ उ मनई क आपन ओढ़ना धोइ लेइ चाही। उ मनई साँझ तलक असुद्ध रही।

घिनौना पसुअन क विसय मेँ अन्य नेम

26-27"कछू जनावरन क खुर होत ह मुला उ खुर दुइ भाग मेँ फटि नाहीं होतेन। कछू जनावर जुग्गाली नाहीं करतेन। कछू जनावरन क खुर नाहीं होतेन, उ आपन पंजे पइ चलतहीं। इ सबइ प्रकार क जनावरन असुद्ध अहइँ। अगर एक व्यक्ति ओकर ल्हासे क छुअत ह तउ उ व्यक्ति साँझ तलक असुद्ध रहीं। 28अगर एक व्यक्ति ओकर ल्हासे क उठावत ह तउ उ व्यक्ति क आपन ओढ़ना क जरूर धोवइ चाही। उ व्यक्ति साँझ तलक असुद्ध रहीं। उ सबइ जनावरन तू पचन्क बरे असुद्ध अहइ।

रेग्गंइवालन पसुअन क बारे मेँ नेम

29"इ सबइ रेग्गंइवालन पसु तू पचन बरे असुद्ध अहइँ: छछून्दर, चूहा, सबहिं तरह क गिरगिट, 30छिपकली, मग्गरमच्छ, गिरगिट, रेगिस्तानी गोहेर, अउ रंग बदलत गिरगिट। 31इ सबइ रेग्गंइवाला पसु तोहरे बरे असुद्ध अहइँ। कउनो मनई जउन ओन मरे भएन क छुई साँझ तलक असुद्ध रही।

घिनौना पसुअन क बारे मेँ नेम

32"अगर कउनो असुद्ध पसुअन मेँ स एक मरा भवा पसु कउनो चीज प गिर पड़इ तउ उ चीज असुद्ध होइ जाइ। इ काठ, चाम, कपड़ा, सोक ओढ़ना या कउनो भी औजार होइ सकत ह। जउन कछू भी उ होइ ओका पानी स धोवइ चाही। इ साँझ तलक असुद्ध रही। तबहिं इ फुन सुद्ध होइ जाइ। 33अगर कउनो असुद्ध पसुअन मेँ स एक मरा भवा माटी क कटोरा मेँ गिर जाइ तउ कटोरा क कउनो भी चीज असुद्ध होइ जाइ। तू पचन क कटोरा जरुर तोड़ देइ चाही। 34अगर असुद्ध माटी क कटोरा क पानी कउनो खइया या पेय खोरा पइ पड़इ तउ उ असुद्ध होइ जाइ। 35अगर कउनो मरे भए घिनौने पसु क कउनो हिस्सा कउनो चीजे पइ आइ पड़इ तउ उ चीज सुद्ध नाहीं रही। एका टूका टूका कइ देइ चाही। चाहे उ चूल्हा होइ या कड़ाही। उ सबइ तू पचन क बरे हमेसा असुद्ध रइहीं।

36"कउनो सोता या कुआँ, जेहमाँ पानी रहत ह, सद्ध बना रही। मुला कउनो व्यक्ति जउन कउनो मरे भए असुद्ध जनवार क छुइ उ असुद्ध होइ जाइ। 37अगर ओन घिनौने मरे पसुअन क कउनो हिस्खा बोवा जाइवाला बिआ पइ आइ पड़इ तउ भी उ सुद्ध ही रही। 38मुला बोवइ बरे तू पचे कउनो बिआ प पानी डावत ह अउ तब अगर मरे असुद्ध पसु क कउनो हिस्सा ओन बिअन पइ आइ पड़इ तउ उ सबइ बिआ तोहरे बरे असुद्ध अहइँ।

39"अउर भी, अगर भोजन बरे कउनो पसु जेका तू बइपरत ह अपने आप मरि जाइ तउ जउन मनई उसके मरे सरीर क छुअइ, साँझ तलक असुद्ध रही। 40जउन व्यक्ति मरे भए पसु क गोस खाइ, ओका आपन ओढ़ना जरूर धोवइ चाही। उ मनई साँझ तलक असुद्ध रही। जउन व्यक्ति मरे पसु क सरीर उठावइ ओका भी आपन ओढ़ना जरूर धोवइ चाही। इ व्यक्ति साँझ तलक असुद्ध रही।

41"हर एक अइसा पसु जउन धरती प रेंगत ह, उ ओन पसुअन मेँ स एक बाटइ, जेका यहोवा खाइ क मना किहे अहइ। 42तू पचन क अइसे कउनो रेग्गंइवाले पसुअन क जरूर खाइ नाहीं चाही जउन पेटे क बल रेग्गंत ह या चारउँ गोड़न प चलत ह, या जेकरे बहोत स गोड़ अहइँ। उ पचे तोहरे बरे असुद्ध पसु अहइँ। 43ओन पसुअन स आपन क गन्दा जिन बनावा अउ ओनके बरे आपन क असुद्ध जिन बनावा। 44काहेकि मइँ यहोवा तोहार परमेस्सर अहउँ। मइँ पवित्तर अहउँ। एह बरे तू पचन क आपन क पवित्तर राखइ चाही। ओन घिनौने रेग्गंइवाला पसुअन स आपन क घिनौना जिन बनावा। 45मइँ तू लोग्न क मिस्र स लइ आवा अहउँ। मइँ इ एह बरे किहेउँ कि तू लोग मोर खास जन बना रहि सका। मइँ इ एह बरे किहेउँ कि मइँ तोहार परमेस्सर बन सकउँ। मइँ पवित्तर अहउँ, एह बरे तोहे सबन क पवित्तर रहब अहइ।"

46उ सबइ नेम सबहिं गोरुअन, पंछियन अउ भुइँया क दूसर पसुअन बरे अहइ। उ सबइ नेम समुद्दर मेँ रहइवालन सबहिं पसुअन अउ भुइँया पइ रेग्गंइवालन सब पसुअन बरे अहइँ। 47उ सबइ उपदेस एह बरे अहइँ कि लोग सुद्ध अउ असुद्ध पसुअन मेँ अन्तर कइ सकइँ। इ तरह लोग जनिहीं कि उ पचे कउन सा पसु खाइ सकत हीं अउर कउन सा नाहीं खाइ सकत हीं।"

नई महतारि बरे नेम

12 यहोवा मूसा स कहेस, 2"इस्त्राएल क लोग्न स इ नेमन क कहा: अगर कउनो स्त्री एक ठु लरिका क जन्मत ह तउ उ स्त्री सात दिना तलक असुद्ध रही। इ ओकरे मासिक धर्म क समइ असुद्ध होइ क तरह होइ। 3अठएँ दिन लरिका क खतना होइ चाही। 4उ आपन सुद्धीकरण क टेमँ क लइके तैंतीस दिना पाछे तलक असुद्ध रहीं। उ स्त्री क उ समइ मेँ कछू नाहीं छुअइ चाही जउन पवित्तर अहइ। ओका पवित्तर ठउरे मेँ तब तलक नाहीं जाइ चाही जब तलक ओकरे सुद्धीकरण क समइ पूरा न होइ जाइ। 5मुला अगर स्त्री लरिकी क जन्मत ह तउ महतारी क मासिक धर्म क समइ क तरह उ दुइ हफ्ता तलक असुद्ध रही। उ आपन सुद्धीकरण क टेँम स लइके छहसठ दिना पाछे असुद्ध रही।

6"नई महतारी जउन अबहिं बच्चा जनम दिहे अहइ, चाहे उ बच्चा लरिका होय या लरिकी तउ अइसी महतारी क सुद्धीकरण क समइ पूरा होइ क पाछे ओका मिलापवाला तम्बू मेँ खास भेंटन लइ आवइ चाही। ओका ओन भेंटन क

मिलापवाला तम्बू क दुआर पइ याजक क जरूर देइ चाही। ओका एक बरिस क मेमना होमबलि बरे अउ एक ठु फाख्ता या कबूतर क बच्चा पापबलि बरे लइ आवइ चाही। 7-8अगर स्त्री मेमन देइ मँ असमर्थ होइ तउ उ दुइ फाख्ता या दुइ कबूतरे क बच्चा लिआइ सकत ह। एक ठु पंछी होमबलि बरे अउ एक ठु पापबलि बरे होइ। याजक यहोवा क सामने ओनका भेंट करी। इ तरह उ ओकरे पाप बरे प्रायस्चित करी। तब उ आपन रकत क हानि स सुद्ध होइ। इ सबइ नेम ओन स्त्रियन बरे अहइँ जउन एक ठु लरिका या लरिकी क जन्मत ह।"

गंभीर चर्मरोग क बारे मँ नेम

13 यहोवा मूसा अउ हारून स कहेस, 2"कउनो व्यक्ति क चाम पइ भयंकर सूजन या खजुरी या सफेद दाग होइ सकत हीं। अगर घाव चर्मरोग क नाईं देखाइ पड़इँ तउ उ मनई क याजक हारून या ओकरे कउनो याजक पूतन क लगे लिआवा जाइ चाही। 3याजक लोगन क मनई क चर्म क घाव क देखइ चाही। अगर घाव क बार सफेद होइ गवा होइँ अउर घाव मनई क चाम स जियादा गहिर मालूम होइ तउ इ भयंकर चर्मरोग बाटइ। जब याजक मनई क जाँच खतम करइ तउ ओका एलान करइ चाही कि मनई असुद्ध अहइ।

4"कबहुँ कबहुँ कउनो मनई क चाम पइ कउनो सफेद दाग होइ जात ह मुला दाग चाम स गहिर नाहीं मालूम होत। अगर उ सच होइ तउ याजक उ मनई क सात दिना बरे दूसर लोगन स अलग करी। 5सतएँ दिन याजक क उ मनई क फुन स जरूर जाँच करइ चाही। अगर घाव मँ कउनो बदलाव नाहीं आएस ह। अउर चाम पइ नाहीं फइलेस ह। तउ याजक क दूसर सात दिना बरे उ व्यक्ति क दूसर लोगन स जरूर अलगाइ देइ चाही। 6तब याजक क उ व्यक्ति क सात दिना पाछे जरूर जाँच करइ चाही। जदि दाग गहिर होइ गवा ह अउ चाम पइ न फइला होइ तब याजक क जरूर एलान करइ चाही कि उ व्यक्ति सुद्ध अहइ। इ सिरिफ खुरंड अहइ। तब उ व्यक्ति क आपन ओढ़ना धोवइ चाही अउ उ फुन स सुद्ध होइ चाही।

7"मुला अगर मनई याजक क फिन अपने आप क सुद्ध बनावइ बरे देखाइ लिहे होइ अउ ओकरे पाछे चर्मरोग चमड़ी पइ फइलइ लागइ तउ उ मनई क फुन याजक क लगे आवइ चाही। 8याजक क जाँच कइके देखइ चाही। अगर घाव चाम पइ फइला होइ तउ याजक क एलान करइ चाही कि उ मनई असुद्ध अहइ अर्थातू ओका कउनो भयानक रोग अहइ।

9"अगर मनई क भयानक चर्मरोग भवा होइ तउ ओका याजक क लगे लइ आवा जाइ चाही। 10याजक क उ मनई क जाँच कइके देखइ चाही। अगर चाम पइ सफेद दाग होइ अउ ओहमाँ सूजन होइ, उ जगह क बार सफेद होइ ग होइँ अउर अगर हुआँ घाव कच्चा होइ। 11तउ इ कउनो भयानक चर्मरोग अहइ जउन उ मनई क बहोत समइ स अहइ। ऍह बरे याजक क उ मनई क असुद्ध घोसित कइ देइ चाही। याजक उ मनई क सिरिफ तनिक समइ क बरे ही दूसर मनइयन स न अलगाई। काहेकि उ जानत ह कि उ मनई असुद्ध अहइ।

12"अगर कबहुँ चर्मरोग मनई क समूचइ सरीर मँ फइल जाइ, उ चर्मरोग उ मनई क मूँड़े स गोड़े तलक ढक लेइ, 13अउर याजक लखइ कि चर्मरोग समूचइ सरीर पइ इ तरह ढके अहइ कि उ मनई क पूरा सरीर ही सफेद होइ ग अहइ तउ याजक क ओका सुद्ध घोसित कइ देइ चाही। 14मुला अगर मनई क चर्म घाव जइसा कच्चा होइ तउ उ सुद्ध नाहीं अहइ। 15जब याजक कच्चा चाम लखइ, तब ओका घोसित कइ देइ चाही कि मनई असुद्ध अहइ। कच्चा चाम सुद्ध नाहीं अहइ। इ भयानक चर्मरोग अहइ।

16"अगर कच्चा चाम फुन सफेद होइ तउ उ मनई क याजक क लगे आवइ चाही। 17याजक क उ मनई क जरूर जाँच करइ चाही। अगर व्याधि सफेद होइ गवा अहइ तउ याजक क घोसित करइ चाही कि रोग ग्रस्त व्यक्ति सुद्ध अहइ। तउ उ मनई सुद्ध अहइ।

18"होइ सकत ह कि कउनो व्यक्ति क सरीर क चाम पइ कउनो फोड़ा होइ जउन कि ठीक होइ ग रहा।19अउर उ जगह पइ सफेद सूजन, या लाली लिए भए सफेद दाग जाहिर हो जात ह अउ तब एका याजक क जरूर देखावइ चाही। 20याजक क ओका निहारइ चाही। अगर सूजन चमड़ी स गहिर बाटइ अउ एह पइ क बार सफेद होइ ग अहइँ तउ याजक क एलान करइ चाही कि उ मनई असुद्ध बाटइ। उ दाग भयानक चर्मरोग अहइ। इ फोड़ा क भितरे स फूट पड़ा बाटइ। 21मुला अगर याजक उ जगह क लखत ह अउ ओह पइ सफेद बार नाहीं अहइँ अउर दाग चमड़ी स गहिर नाहीं अहइ, मुला धुँधला बाटइ तउ याजक क उ मनई क सात दिन बरे अलग कइ देइ चाही। 22अगर दाग क जियादा हिस्सा चमड़ी पइ फइलत ह तब याजक क एलान करइ चाही कि मनई असुद्ध अहइ। इ छूत रोग अहइ। 23मुला अगर सफेद दाग अपनी जगह बना रहत ह, फइलत नाहीं तउ उ पुराना फोड़ा क सिरिफ घान अहइ। याजक क एलान करइ चाही कि मनई सुद्ध अहइ।

24-25"कउनो व्यक्ति क चाम जरि सकत ह। अगर कच्चा चाम सफेद या लाली लिए भए सफेद दाग मँ बदल जाइ, तउ याजक क ऍका जाँच करइ चाही। अगर उ दाग चमड़ी स गहिर मालूम होइ अउ उ जगह क बार सफेद होइ जाइँ तउ इ अत्यधिक व्याधिक चर्मरोग अहइ। जउन जरा भवा मँ स फूट पड़ा अहइ। तउ याजक क उ व्यक्ति क असुद्ध घोसित करइ चाही। इ भयंकर चर्म रोग अहइ। 26मुला याजक इ जगह क लखत ह अउर सफेद दाग मँ सफेद बार नाहीं अहइँ अउ दाग चमड़ी स गहिर नाहीं अहइ, मुला हल्का बा तउ याजक क ओका सात दिना बरे अलग करइ चाही। 27सतएँ दिन याजक क उ मनई क फुन देखइ चाही। अगर दाग चमड़ी पइ फइलइ तउ याजक क एलान करइ चाही कि मनई असुद्ध अहइ। इ भयंकर चर्मरोग अहइ। 28मुला अलग सफेद दाग चमड़ी पइ न फइलइ, मुला धुँधला होइ तउ इ जरइ स पइदा भइ सूजन अहइ। याजक क उ मनई क सुद्ध घोसित करइ चाही। इ सिरिफ बर जाइ क चीन्हा अहइ।

29"कउनो मनई या मेहरारू क मूँड़ि या दाढ़ी क चाम पइ
कउनो छूत रोग होइ सकत ह। 30याजक क उ छूत क रोग
(व्याधि) क जरूर लखइ चाही। अगर छूत क रोग चमड़ी
स गहिर मालूम होइ अउ एकरे चारिहुँ कइँती क बार पियार
अउर पतला अहा तउ याजक क एलान करइ चाही कि उ
व्यक्ति असुद्ध अहइ। इ मूँड़ि या दाढ़ी क बुरा चर्मरोग
अहइ। 31अगर रोग चमड़ी स गहिर न मालूम होइ, अउर
एहमाँ कउनो करिया बार न होइ तउ याजक क ओका सात
दिन बरे अलग कइ देइ चाही।

32"सतएँ दिन याजक क छूत क रोगी क फुन जाँच
करइ चाही। अगर रोग फइला नाहीं बाटइ अउर बार पिआर
नाहीं होइ अउ जदि रोग चमड़ी स गहिर नाहीं अहइ, 33तउ
उ मनई क बार जरूर काट देइ चाही। मुला ओका रोगवाले
जगह क बार नाहीं कटवइ चाही। याजक क रोग लखइ
बरे उ व्यक्ति क अउर सात दिना बरे अलगाइ देइ चाही।
34सतएँ दिन याजक क रोगी क निहारइ चाही। अगर रोग
चमड़ी मँ फइला नाहीं अहइ अउर इ चमड़ी स गहिर नाहीं
मालूम होत ह तउ याजक क एलान करइ चाही कि मनई
सुद्ध अहइ। मनई क आपन ओढ़ना धोवइ चाही अउ सुद्ध
होइ जाइ चाही।

35"मुला अगर मनई क सुद्ध होइके जाइके पाछे चमड़ी
मँ रोग फइलत ह। 36तउ याजक क फिन मनई क लखइ
चाही। अगर रोग चमड़ी मँ फइलत ह तउ याजक क पिअर
बाल लखइ क जरुरत नाहीं मनई असुद्ध अहइ। 37मुला
अगर याजक इ समुझत ह कि रोग क बढ़ब रुकि गवा
बाटइ अउ एहमाँ करिया बार जमत अहइँ तउ रोग नीक होइ
गवा अहइ। मनई सुद्ध अहइ। याजक क एलान करइ चाही
कि मनई सुद्ध अहइ।

38"जदि कउनो मनई या मेहरारू क चाम पइ सफेद दाग
होइँ, 39तउ याजक क ओन दागन क लखइ चाही। अगर
मनई क चमड़ी क दाग धुँधला होइँ, तउ रोग सिरिफ हानि
न पहुँचावइवाली फोड़िया अहइ। उ मनई सुद्ध अहइ।

40"कउनो मनई आपन मूँड़े क बार क झरते हुए लख
सकत हीं। उ सुद्ध अहइ। इ सिरिफ गंजापन बाटइ।
41कउनो मनई क मूँड़े क बार झरि सकत हीं। उ सुद्ध
अहइ। इ दूसर तरह क गंजापन अहइ। 42मुला ओकरे मूँड़े
क चमड़ी पइ लाल सफेद फोड़िया बाटिन तउ इ भयानक
चर्मरोग अहइ। 43याजक क अइसे व्यक्ति क जाँच करइ
चाही। अगर चमड़ी क व्याधि सरीर पइ उ चाम रोग की
नाईं ललछौंड़ सफेद अहइ।' 44तउ उ मनई क मूँड़े क
चमड़ी पइ भयानक चर्मरोग अहइ। मनई असुद्ध अहइ,
याजक क एलान करइ चाही।

45"अगर कउनो मनई क भयानक चर्मरोग होइ तउ उ
मनई क दूसर लोगन क होसियार करइ चाही। उ मनई क
जोर से "असुद्ध! असुद्ध!" कहइ चाही, उ मनई क
ओढ़नन क, सिलाइ स फाड़ देइ चाही। उ मनई क आपन
बारन क सँवारइ नाहीं चाही अउ उ मनई क आपन मुँह
ढाँकइ चाही। 46जउन मनई असुद्ध होइ ओहमाँ छूत क रोग
हमेसा रही। उ मनई असुद्ध अहइ। ओका अकेल्ले रहइ
चाही। ओकरे निवास डेरा स बाहेर होइ चाही।

47-48"कछू ओढ़नन पइ फफूँदी* लागि सकत ह।
ओढ़ना सन या ऊनी होइ सकत ह। ओढ़ना बुना भवा या
कढ़ा भवा होइ सकत ह। फफूँदी कउनो चमड़ा या चमड़ा स
बना भवा कउनो चीज पइ होइ सकत ह। 49अगर फफूँदी
हरिअर या लाल होइ तउ ओका याजक क देखाँवइ चाही।
50याजक क फफूँदी लखइ चाही। ओका उ चीज क सात
दिना तलक अलग जगह पइ धरइ चाही। 51-52सतएँ दिन,
याजक क फफूँदी लखइ चाही। इ महत्वपूर्ण नाहीं बा कि
ओढ़ना क ताना बाना मँ फफूँदी अहइ या नाहीं इ महत्वपूर्ण
नाहीं बा कि चमड़ा क प्रयोग काहे बरे कीन्ह गवा रहा।
अगर फफूँदी फइलत ह तउ उ कपड़ा या चाम असुद्ध
बाटइ। उ फफूँदी असुद्ध अहइ। याजक क उ कपड़ा या
चमड़ा क बारि देइ चाही।

53"अगर याजक देखइ कि फफूँदी फइली नाहीं तउ तउ
उ कपड़ा या चाम धोवा जाइ चाही। इ महत्वपूर्ण नाहीं कि इ
चाम अहइ या कपड़ा या कपड़ा क ताना बाना मँ फफूँदी
अहइ या नाहीं। ऍका धोवइ चाही। 54याजक क मनइयन क
इ हुकुम देइ चाही कि उ पचे चाम या कपड़ा क टूका क
धोवइँ, तबहिं याजक ओढ़नन क अउर सात दिना बरे अलग
करइ। 55उ समइ क पाछे याजक क फुन देखइ चाही।
अगर फफूँदी ठीक वइसेन ही देखाइ देत ह तउ उ ओढ़ना
असुद्ध अहइ। इ महत्वपूर्ण नाहीं अहइ कि छूत फइली नाहीं
अहइ। तू पचन क उ कपड़ा या चमड़ा बारि देइ चाही।

56"मुला अगर याजक उ चाम या कपड़ा क लखत ह
कि फफूँदी मुरझान बा तउ याजक क चमड़ा या कपड़ा क
फफूँदी स लाग दाग क चमड़ा या कपड़ा स फाड़ि देइ चाही।
इ महत्वपूर्ण नाहीं कि कपड़ा क ताना बाना मँ फफूँदी
अहइ या नाहीं। 57मुला फफूँदी उ चमड़ा या कपड़ा पइ
लौटि सकत ह। अगर अइसा होत ह तउ फफूँदी बढ़ति
अहइ। उ चमड़ा या कपड़ा क बारि देइ चाही। 58मुला अगर
धोवइ क पाछे फफूँदी न लउटइ, तउ उ चाम या कपड़ा
सुद्ध अहइ। एकर कउनो महत्व नाहीं कि कपड़ा क ताना
बाना मँ फफूँदी अहइ या नाहीं। उ कपड़ा फुन धोइव चाही
अउर उ सुद्ध होइ।"

59चाम या कपड़ा पइ फफूँदी क बारे मँ फइसला करइ
बरे इ सबइ नेम अहइ कि उ सुद्ध अहइ या असुद्ध। ऍकर
कउनो महत्व नाहीं कि कपड़ा क ताना बाना मँ फफूँदी
अहइ या नाहीं।

भयानक चर्मरोगी क सुद्ध करइ क नेम

14 यहोवा मूसा स कहेस, 2"इ सबइ ओन लोगन बरे
नेम अहइँ जेनका भयानक चर्मरोग रहा अउर जउन
नीक होइ गएन। इ सबइ नेम उ मनई क सुद्ध बनावइ बरे
अहइँ।

"याजक क उ मनई क लखइ चाही जेका भयानक
चर्मरोग अहइ। 3याजक क उ मनई क लगे डेरा क बाहेर
जाइ चाही। याजक क इ लखइ क कोसिस करइ चाही कि

फफूँदी एक तरह क काई जउन गर्मी अउ नमीवाली जगह पइ
ओढ़नन, चमड़न या काठ मँ लग जात ह। हिब्रू सब्द क अरथ
"कोढ़" या "भयानक चर्मरोग" भी बाटइ।

उ चर्म रोग नीक होइ ग अहइ। 4अगर व्यक्ति स्वस्थ अहइ तउ याजक ओका इ करइ क कही। ओका दुइ जिअत सुद्ध पंछी, एक देवदारु क लकड़ी, लाल कपड़ा क एक ठु टूका अउर एक ठु जूफा* क पौधा जरूर लइ आवइ चाही। 5याजक क बहत भए पानी क ऊपर माटी क एक ठु खोरा मँ एक ठु पंछी क मारइ क हुकुम देइ चाही। 6तब याजक दूसर जिअत पंछी, देवदारु क लकड़ी, लाल कपड़ा क टूकन अउ जूफा क पउधा स्वीकार करी। याजक क जिअत पंछी अउ दूसर चीजन क बहत भए पानी क ऊपर मारा गवा पंछी क रकत मँ बोरइ चाही। 7याजक उ व्यक्ति प भयानक चर्मरोग स उपचार करइ बरे सात दाईं रकत छिरकी। तब याजक क जरूर घोसित करइ चाही कि उ मनई सुद्ध अहइ। तब याजक क खुला मैदान मँ जाइ चाही अउ जिअत पंछी क अजाद करइ देइ चाही।

8"ऍकरे पाछे उ व्यक्ति क आपन ओढ़ना जरूर धोवइ चाही। ओका आपन सब बार क मूंडन करावइ चाही अउ पानी स नहाइ चाही। उ पवित्तर होइ जाइ। तब उ व्यक्ति सिबर मँ जाइ सकी। मुला ओका आपन खेमा क बाहेर सात दिना तलक रहइ चाही। 9सतएँ दिन ओका आपन सारा बार काट डावइ चाही। ओका आपन मूँड़, डाढ़ी, भौंहन क सबहिं बार कटवाइ लेइ चाही। तब ओका आपन कपड़ा धोवइ चाही अउ पानी स नहाइ चाही। तब उ मनई सुद्ध होइ।

10"अठएँ दिन उ व्यक्ति क दुइ भेड़ी क नर बच्चन लेइ चाही जेहमाँ कउनो दोख न होइ। ओका एक बरिस क एक ठु मादा मेमना भी लेइ चाही जेहमाँ कउनो दोख न होइ। ओका एपा क तीन दसवाँ हींसा तेल मिला भवा उत्तिम आटा लेइ चाही। इ आटा अन्नबलि बरे अहइ। उ व्यक्ति क दुइ तिहाइ पिण्ट* जैतून क तेल भी लेइ चाही। 11याजक क एलान करइ चाही कि उ मनई सुद्ध अहइ। याजक क उ मनई अउ ओकरी बलि क मिलापवाला तम्बू क दुआरे पइ यहोवा क समन्वा लइ आवइ चाही। 12याजक मेमनन मँ स एक क दोखबलि क रुप मँ चढ़ाई। उ मेमना क अउर उ तेल क यहोवा क समन्वा उत्तोलन बलि क रुप मँ चढ़ाई। 13तब याजक नर मेमना क उहइ पवित्तर ठउर पइ मारी जहाँ उ पचे पापबलि अउ होमबलि क मारत हीं। दोखबलि, पापबलि क समान अहइ। इ याजक क बाटइ। इ बहोतइ पवित्तर अहइ।

14"याजक दोखबलि क कछू रकत सुद्ध कीन्ह जाइवाला व्यक्ति क दाहिने काने क लौ मँ कछू रकत दाहिने हाथ क अंगूठा अउ दाहिन गोड़े क अंगूठा पइ लगाइ। 15याजक कछू तेल भी लेइ अउ आपन बाईं हथेली पइ डाई। 16तब याजक आपन दाहिन हाथे क अँगुरियन अपन बाऍं हाथे क हथेली मँ धरे भए तेल मँ बोरी। उ आपन अँगुरी क प्रयोग कछू तेल यहोवा क समन्वा सात दाईं छिरकइ बरे करी। 17याजक आपन हथेली स कछू तेल सुद्ध कीन्ह जाइवाला मनई क दाहिन काने क लौ पइ लगाई। याजक कछू तेल उ मनई क दाहिन हाथे क अंगूठे अउ दाहिन गोड़ क अंगूठे पइ लगाइ। याजक कछू तेल दोखबलि क रकत पइ लगाई। 18याजक आपन हथेली मँ बचा भवा तेल सुद्ध कीन्ह जाइवाला मनई क मूँड़े प लगाइ। इ तरह याजक उ मनई क पाप क यहोवा क समन्वा प्रायस्चित करी।

19"ओकरे पाछे याजक पापबलि चढ़ाई अउ मनई क पापन्क प्रायस्चित करी। जेहसे उ सुद्ध होइ जाई। एकरे पाछे याजक होमबलि बरे पसु क मारी। 20ऍह बरे याजक होमबलि अउ अन्नबलि क वेदी पइ चढ़ाई। इ तरह याजक उ मनई क पापन्क प्रायस्चित करी अउ उ मनई सुद्ध होइ जाई।

21"अगर व्यक्ति गरीब अहइ अउ ओन बलियन क देइ मँ असमर्थ बाटइ तउ ओका एक ठु नर मेमना दोखबलि क रुप मँ लेइ चाही। इ उत्तोलन बलि उ व्यक्ति क पापन क प्रायस्चिय करइ बरे होइ। ओका एपा क दसवाँ हींसा तेल स मिला भवा उत्तिम महीन आटा लेइ चाही। इ आटा अन्नबलि क रुप मँ उपयोग मँ आई। मनई क दुइ तिहाई पिण्ट जैतून क तेल। 22अउर दुइ फाख़ता या दुइ ठु कबूतरे क बच्चा लेइ चाही। इ सबइ चिजियन क देइ मँ गरीब लोग समर्थ होइहीं। एक पंछी पापबलि बरे होई अउ दूसर होमबलि बरे होई।

23"अठएँ दिन, उ मनई ओन चिजियन क याजक क लगे मिलापवाला तम्बू क दुआर पइ लिआई। उ सबई चिजियन यहोवा क समन्वा बलि चढ़ाई जइहीं जेहसे मनई सुद्ध होइ जाई। 24याजक, दोखबलि क मेमना अउर तेल भी लेई अउर ओनका यहोवा क समन्वा उत्तोलन बलि क रुप मँ चढ़ाई। 25तब याजक दोखबलि क मेमना मारी। याजक दोखबलि क कछू रकत लेई। याजक एहमाँ स कछू रकत सुद्ध कीन्ह जाइवाला व्यक्ति क दाहिन कान क लौ पइ कछू रकत इ व्यक्ति क दाहिन हाथे क अंगूठा पइ अउर कछू रकत दाएँ गोड़ क अंगूठा पइ लगाई। 26याजक इ तेल मँ स कछू आपन बाईं हथेली मँ भी डाई। 27याजक आपन दाहिन हाथे क अंगुरी क उपयोग आपन हथेली क तेल क यहोवा क समन्वा सात दाईं छिरकइ बरे करी। 28तब याजक आपन हथेली स कछू तेल उहइ जगह पइ लगाइ जहाँ उ पहिले लगाए रहा। उ आपन हथेली स कछू तेल सुद्ध कीन्ह जाइवाला व्यक्ति क दाहिन काने क लौ पइ लगाई। याजक इ तेल मँ स कछू तेल मनई क दाहिन हाथे क अंगूठा अउ ओकरे दाहिन गोड़े क अगूंठा पइ लगाई। याजक दोखबलि क रकत लगा ठउरे पइ एहमाँ स कछू तेल लगाई। 29याजक क आपन हथेली क बचा भवा तेल क सुद्ध कीन्ह जाइवाला मनई क मूँड़े पइ डावइ चाही। इ तरह याजक यहोवा क समन्वा उ मनई क पापन क प्रायस्चित करी।

30"तब मनई फ़खतन या कबूतरे क बच्चन मँ स एक क बलि चढ़ाई। ओका उहइ चढ़ाइ चाही जेका गरीब व्यक्ति देइ मँ समर्थ होइ। 31ओका दुइनउँ पंछियन मँ स एक क पापबलि क रुप मँ चढ़ावइ चाही अउ दूसर पंछी क होमबलि क रुप मँ ओका ओनकइ अन्नबलि क संग भेंट चढ़ावइ चाही। इ तरह याजक यहोवा क समन्वा उ मनई क पाप क प्रायस्चित करी। उ मनई सुद्ध होइ जाई।"

जूफा कटिंजर क पौधा ऍकर नरम पाती अउ साखन क प्रयोग सुद्ध करइ क प्रक्रिया मँ खून या पानी छिछकारइ मँ कीन्ह जात रहा।

दुइ तिहाइ पिण्ट "एक लोजा।"

32इ सबइ भयानक चर्मरोग क नीक होइ क पाछे कउनो
एक मनई क सुद्ध करइ क नेम अहइँ। इ सबइ नेम ओन
मनइयन बरे अहइँ जउन सुद्ध होइ बरे साधारनि बलियन क
खर्चा नाहीं उठाइ सकतेन।

घरे मँ लाग फफूँदी क नेम

33यहोवा मूसा अउ हारून स इ भी कहेस, 34"मइँ तोहरे
लोगन क कनान देस देत अहउँ। तोहरे लोग इ भुइँया पइ
जइहीं। उ समइ मँ होइ सकत ह, कछू लोगन क घरन मँ
फफूँदी लगी होइ। 35तउ उ घर क मालिक क याजक क
लगे आइके कहइ चाही, 'मइँ आपन घरे मँ फफूँदी जइसी
कउनो चीज देखेउँ ह।'

36"तब याजक क आदेस जरूर देइ चाही कि घर क
खाली कइ दीन्ह जाइ। लोगन क याजक क फफूँदी लखइ
जाइके पहिले ही इ जरूर करी। इ तरह घरे क सबहिं
चिजियन क याजक क असुद्ध नाहीं कहइ पड़ी। लोगन क
घर क खाली कइ दीन्ह जाइ क पाछे याजक घरे क अन्दर
जाइ अउर देखइ। 37याजक फफूँदी क लखी। अगर फफूँदी
घरे क दीवारे पइ हरिअर या लाल रंग क चकत्ता बनाइ
दिहे अहइँ अउर इ दीवारन क सतह स गहिरा मालूम पड़त
अहइ, 38तउ याजक क घरे स बाहेर निकरि आवइ चाही।
अउ सात दिना तलक घर जरूर बन्द कइ देइ चाही।

39"सतएँ दिन, याजक क हुआँ लौटइ चाही अउर घरे क
जाँच करइ चाही। अगर घरे क दीवार पइ फफूँदी फइलि
गइ होइ 40तउ याजक क लोगन क हुकुम देइ चाही कि उ
पचे फफूँदी क सात पाथरन क उखाड़ि देइँ अउर ओनका दूर
बहाइ देइँ। ओनका ओन पाथरन क सहर स बाहेर विसेस
असुद्ध जगह पइ लोकावइ चाही। 41तब याजक क पूरे घर
क भितरे से खुरचवावइ चाही। लोगन क उ लेप क जेका
उ पचे खुरचेन ह, लोकाइ देइ चाही। ओनका उ लेप सहर
क बाहेर खास असुद्ध जगह पइ डावइ चाही। 42तबहिं उ
मनई क नवा पाथर दीवारे मँ लगावइ चाही अउ ओका ओन
दीवारन क नवा लेप स ढाँकि देइ चाही।

43"होइ सकत ह कउनो मनई पुरान पाथरन अउ लेप क
निकारिके नवा पाथरन अउ लेप क लगावइ अउ होइ सकत
ह उ फफूँदी उ घरे मँ फिन परगट होइ। 44तब याजक क
आइके उ घरे क जाँच जरूर करइ चाही। अगर फफूँदी घरे
क अन्दर मँ फइलि गइ अहइ, तउ इ रोग अहइ जउन
दूसरी जगहन मँ जल्दी स फइलत ह। एह बरे घर असुद्ध
अहइ। 45उ मनई क उ घर गिराइ देइ चाही। ओनका सारा
पाथर, लेप अउ दूसर लकड़ी क टूकन क सहर स बाहेर
असुद्ध जगह पइ लइ जाइ चाही। 46कउनो मनई जउन
ओहमाँ जात ह, साँझ तलक असुद्ध रही। 47अगर कउनो
मनई ओहमाँ खाना खात ह या ओहमाँ सोवत ह तउ उ मनई
क आपन ओढ़ना धोवइ चाही।

48"घरे मँ नवा पाथर अउ लेप लगाए क पाछे याजक क
घरे क जाँच करइ चाही। अगर फफूँदी घरे मँ नाहीं फइली
अहइ तउ याजक एलान करी कि घर सुद्ध अहइ। काहेकि
फफूँदी खतम होइ ग अहइ।

49"तब घरे क सुद्ध करइ बरे याजक क दुइ ठु पंछी,
एक देवदारू क लकड़ी, एक लाल कपड़ा क टूका अउ
जूफा क पउधा लेइ चाही। 50याजक बहत भए पानी क
ऊपर माटी क एक ठु खोरा मँ एक पंछी मारी। 51तब
याजक देवदारु क लकड़ी, जूफा क पउधा, लाल कपड़ा क
टूका अउ जिअत पंछी क लेई। याजक बहत पानी क ऊपर
मारा भए पंछी क रकत मँ ओन चीजन क बोरी। तब याजक
उ रकत क उ घरे पइ सात दाईं छिरकी। 52इ तरह याजक
ओन चीजन क उपयोग घर क सुद्ध करइ बरे करी।
53याजक खुला मैदान मँ सहर क बाहेर जाई अउर पंछी क
उड़ाई देई। इ तरह याजक घरे बरे प्रायस्चित करी। घर सुद्ध
होइ जाइ।"

54उ सबइ नेम भयानक चर्मरोग क, 55घर या कपड़ा क
टूकन पइ क फफूँदी क बारे मँ अहइँ। 56उ सबइ नेम
सूजन, फुंसियन या चर्मरोग पइ सफेद दाग सम्बंध रखत हीं।
57उ सबइ नेम सिखावत हीं कि चीजन कब असुद्ध अहइँ
अउ कब सुद्ध अहइँ। उ सबइ नेम उ तरह क बेरामी स
सम्बंध रखत हीं।

सरीर स बहइवाला स्राव क नेम

15 यहोवा मूसा अउ हारून स कहेस, 2"इस्राएल क
लोगन स कहा: जब कउनो मनई क सरीर स धात
क स्राव होत ह तब उ व्यक्ति असुद्ध होत ह। 3उ धात
सरीर स खुला बहत ह या सरीर ओका बहइ स रोक देत ह
ऐंकर कउनो महत्व नाहीं।

4"अगर धात तजइवाला बिछउना पइ सोवत रहत ह तउ
उ बिस्तर असुद्ध होइ जाइ। जउने जगह प उ बइठत ह उ
असुद्ध होइ जाइ। 5अगर कउनो मनई ओकरे बिछउना क
छुअत ह तउ ओका आपन ओढ़नन क धोवइ चाही अउ
पानी स नहाइ चाही। उ साँझ तलक असुद्ध रही। 6अगर
कउनो मनई उ चीज प बइठत ह जउने पइ धात तजइवाला
मनई बइठा होइ तउ ओका आपन ओढ़ना धोवइ चाही अउर
बहत पानी मँ नहाइ चाही। उ साँझ तलक असुद्ध रही।
7अगर कउनो मनई उ मनई क छुअत ह जउन धात क तजे
बाटइ तउ ओका आपन ओढ़नन क धोवइ चाही अउ बहत
पानी मँ नहाइ चाही। उ साँझ तलक असुद्ध रही।

8"अगर धात तजइवाला मनई कउनो सुद्ध मनई पइ
छूवत ह तउ सुद्ध मनई क आपन ओढ़ना धोवइ चाही अउ
नहाइ चाही। उ मनई साँझ तलक असुद्ध रही। 9पसु पइ
बइठइ क काठी जउने प धात तजइवाला मनई बइठा होइ
तउ उ असुद्ध होइ जाइ। 10एह बरे कउनो मनई जउन धात
तजइवाला मनई क नीचे रहइवाली कउनो चीजे क छुअत ह
तउ उ साँझ तलक असुद्ध रही। जउन मनई धात तजइवाला
मनई रहइवाली कउनो नीचे क चीजन क लइ जात ह तउ
ओका आपन ओढ़नन क धोवइ चाही अउ पानी मँ नहाइ
चाही। उ साँझ तलक असुद्ध रही।

11"सम्भव अहइ कि धात तजइवाला मनई पानी मँ बिना
हाथ धोइके कउनो दूसर मनई क छुअइ। तब दूसर मनई
आपन ओढ़नन क धोवइ चाही अउ पानी मँ नहाइ। उ साँझ
तलक असुद्ध रही।

12"धात तजइवाला मनई अगर माटी क खोरा छुअइ तउ
उ खोरा जरूर फोड़ देइ चाही। अगर धात तजइवाला मनई
कउनो काठे क खोरा छुअइ तउ उ खोरा क बहत पानी मँ
अच्छी तरह धोवइ चाही।
13"जब धात तजइवाला कउनो मनई आपन धात तजे स
सुद्ध कीन्ह जात ह तउ ओका आपन सुद्धि बरे उ दिना स
सात दिन गनइ चाही। तब ओका आपन ओढ़ना धोवइ चाही
अउ बहत पानी मँ नहाइ चाही। उ सुद्ध होइ जाइ। 14अठएँ
दिन उ मनई क दुइ फ़ाखता या दुइ कबूतरे क बच्चा लेइ
चाही। ओका मिलापवाला तम्बू क दुआरे पइ यहोवा क
समन्वा आवइ चाही। उ मनई दुइ पंछी याजक क देइ।
15याजक पंछियन क बलि चढ़ाई। एक क पापबलि बरे अउ
दूसर क होमबलि बरे। इ तरह याजक इ मनई क यहोवा क
समन्वा ओकरे धात तजइ बरे प्रायस्चित करी।

मनसेधुअन बरे नेम

16"अगर मनसेधू क वीर्य निकरि जात ह तउ ओका बहत
पानी मँ नहाइ चाही। उ साँझ तलक असुद्ध रही। 17अगर
वीर्य कउनो ओढ़ना या चाम पइ गिरइ तउ उ ओढ़ना या
चाम पानी मँ धोवइ चाही। इ साँझ तलक असुद्ध रही।
18अगर कउनो मनसेधू कउनो स्त्री क संग सोवत ह अउ
वीर्य निकरत ह तउ स्त्री अउ मनसेधू दुइनउँ क बहत पानी
मँ नहाइ चाही। उ पचे साँझ तलक असुद्ध रइहीं।

स्त्रियन बरे नेम

19"अगर कउनो स्त्री मासिक रकत स्राव क समइ
मासिक धर्म स बाटइ तउ उ सात दिना तलक असुद्ध रही।
अगर कउनो मनई ओका छुअत ह तउ उ मनई साँझ तलक
असुद्ध रही। 20आपन मासिक धर्म क समइ स्त्री जउन
कउनो चीज पइ ओलरी, उ भी असुद्ध रही अउ उ समइ
मँ जउने चीजे प उ बइठी, उ भी असुद्ध होइ। 21अगर
कउनो मनई उ स्त्री क बिछउना क छुअत ह तउ ओका
आपन ओढ़नन क बहत पानी मँ धोवइ अउ नहाइ चाही। उ
साँझ तलक असुद्ध रही। 22अगर कउनो मनई उ चीज क
छुअत ह जेह पइ उ स्त्री बइठी होइ तउ उ मनई क आपन
ओढ़ना बहत पानी मँ धोवइ चाही अउ नहाइ चाही। उ साँझ
तलक असुद्ध रही। 23उ मनई स्त्री क बिछउना क छुअत
ह या उ चीज क छुअत ह जेह पइ उ बइठी होइ, तउ उ
मनई साँझ तलक असुद्ध रही।
24"अगर कउनो मनई कउनो स्त्री क संग मासिक धर्म
क समइ मँ यौन सम्बंध रखत ह तउ उ मनई सात दिना
तलक असुद्ध रही। हर उ बिछउना जउने प उ सोवत ह
असुद्ध होइ।
25"अगर कउनो स्त्री क कइउ दिना तलक रकत स्राव
रहत ह जउन ओकरे मासिक धर्म क समइ नाहीं होत, या
निस्चित समइ क पाछे मासिक धर्म होत ह तउ उ उहइ तरह
असुद्ध होइ जेह तरह मासिक धर्म क समइ अउ तब तलक
असुद्ध रही जब तलक रही। 26पूरा रकत स्राव क समइ उ
स्त्री जेह बिछउना पइ ओलरी, उ वइसा ही होइ जइसा
मासिक धर्म क समइ। जउन कउनो चीजे पइ उ स्त्री बइठी,
उ वइसे ही असुद्ध होइ जइसेन उ मासिक धर्म स असुद्ध
होत ह। 27अगर कउनो मनई ओन चिजियन क छुअत ह
तउ उ असुद्ध होइ। इ मनई क बहत पानी स आपन
(कपड़ा) धोवइ चाही अउ नहाइ चाही। उ साँझ तलक
असुद्ध रही। 28ओकरे पाछे जब उ स्त्री मासिक धर्म स
असुद्ध होइ जात ह तब स ओका सात दिन जरूर गनइ
चाही एकरे पाछे उ सुद्ध होइ। 29फिन अठएँ दिन ओका दुइ
फाखता अउ दुइ कबूतरे क बच्चा लेइ चाही। ओका
ओनका मिलापवाला तम्बू क दुआरे पइ याजक क लगे
जरूर लावइ चाही। 30तब याजक क एक पंछी पापबलि क
रुप मँ अउ दूसर क होमबलि क रुप मँ चढ़ावइ चाही। इ
तरह उ याजक ओका यहोवा क समन्वा ओकरे स्राव बरे
प्रायस्चित करी।
31"एह बरे तू इस्राएल क लोगन क उपदेस द्या कि उ
पचन्क अपने आप क अलग करइ चाही जउन उ असुद्ध
अहइ। इ तरह उ मोर पवित्तर तम्बू क दूसित नाहीं करब्या
जउन ओकर बीच बाटइ। अगर उ पचे ऍका दूसित करत
ही तउ आपन असुद्धी क कारण जरूर मरइ क होइ।"
32इ सबइ नेम तजइवाले लोगन क बरे अहइँ। इ सबइ
नेम ओन मनइयन बरे अहइँ जउन वीर्य क सरीर स बाहेर
निकरइ स असुद्ध होत हीं। 33अउर इ सबइ नेम ओन
स्त्रियन बरे अहइँ जउन आपन मासिक धर्म क रकत स्राव
क समइ असुद्ध होह हीं अउर उ सबइ नेम ओन
मनसेधुअन बरे अहइँ जउन असुद्ध स्त्रियन क संग सोवइ स
असुद्ध होत हीं।

प्रायस्चित क दिन

16 हारून क दुइ पूत यहोवा क सुगन्ध भेंट चढ़ावइ
क जतन करइ क समइ मर ग रहेन।* 2एकर
पाछे यहोवा मूसा स कहेस, "आपन भाई हारून स कहा कि
उ महा पवित्तर ठउर मँ पर्दा क पाछे कउनो टेम जाइ चाहत
ह तउ नाहीं जाइ सकत ह। उ पर्दा क पाछे जउन कमरा
बाटइ ओहमाँ पवित्तर सन्दूख रखा भवा अहइ। पवित्तर
सन्दूख क ऊपर ओकर बिसेस ढकना* लाग अहइ। बिसेस
ढकना क ऊपर एक ठु बदरे मँ मइँ परगट होब। अगर
हारून उ कमरा मँ जात ह तउ उ मरि जाइ।
3"प्रायस्चित क दिन पवित्तर ठउर मँ जाइके पहिले हारून
क पापबलि क बरे एक ठु बछवा अउ होमबलि बरे एक ठु
भेड़ा क महा पवित्तर ठउर क दुआरे क अगवा जरूर भेंट
करइ चाही। 4हारून आपन पूरा सरीर क पानी डाइके धोइ।
तब हारून इ सबइ ओढ़नन क पहिरी। सन क नीचे क
ओढ़ना सरीर स सटा होइहीं। उ सन स बना भवा कमर बन्द
बान्ध लेइहीं। तउ हारून सन क पगड़ी बाँधी। इ सबइ
पवित्तर ओढ़ना अहइँ।

हारून क दुइ पूत ... रहेन लखइँ लैव्यव्यवस्था 10:1-2

बिसेस ढकना इ "द्या क सीट" भी कहलावत ह। इब्रानी सब्द क
अरथ "ढकना" ढाकइ क ओढ़ना" या "उ ठउर जहाँ पाप क
छिमा कीन्ह जात ह।"

5"हारून क इस्राएल क लोगन स दुइ ठु बोकरा
पापबलि क रूप मैं अउ एक ठु भेड़ा होमबलि क रूप मैं
जरूर लेइ चाही। 6तब हारून बछवा क पापबलि क रूप मैं
चढ़ाइ। इ बलि ओकरे अपने बरे अहइ। तब हारून उ अउ
ओकर परिवार बरे प्रायस्चित करी।
7"एकरे पाछे हारून दुइ बोकरा लेइ अउ मिलापवाला
तम्बू क दुआरे पइ यहोवा क समन्वा लिआइ। 8हारून दुइनउँ
बोकरन बरे चिट्ठी डाइ। एक चिट्ठी यहोवा बरे होइ। दूसरी
चिट्ठी अजाजेल बरे होइ।
9"तब हारून चिट्ठी डाइके यहोवा खातिर चुना गवा
बोकरा क भेंट चढ़ाइ। हारून क इ बोकरा क पापबलि बरे
चढ़ावइ चाही। 10मुला चिट्ठी डाइके अजाजेल बरे चुना गवा
बोकरा यहोवा क समन्वा जरूर जिअत लइ आवा जाइ चाही।
याजक ऐसे ओकर पाप बरे प्रायस्चित करी। तब इ बोकरा
मरूभूमि मैं अजाजेल क लगे पठवा जाइ।
11"तब हारून आपन बरे बछवा क पापबलि रूप मैं
चढ़ाइ। हारून अपने अउ आपन परिवार बरे प्रायस्चित करी।
हारून बछवा क अपने बरे पापबलि क रूप मैं मारी। 12तब
ओका वेदी स आगी क एक ठु तसला अंगारा स भरा भवा
यहोवा क समन्वा लइ आवइ चाही। हारून दुई मुट्ठी भइ
उ महकइवाली सुगन्धित धूप लेइ जउन महीन पीसी गइ
अहइ। हारून क पर्दा क पाछे कमरा मैं उ सुगन्धि क
लिआवइ चाही। 13हारून क यहोवा क समन्वा सुगन्धि क
आगी मैं जरूर डावइ चाही। तबहिं सुगन्धि स भरी धूप
क धुआँ क बदर साच्छीपत्र क ऊपर क बिसेस ढकना
क ढाँकि लेइ। इ तरह हारून नाहीं मरी। 14साथ ही साथ
हारून क बछवा क कछू रकत अपनी अँगुरियन पइ लइ
चाही अउ ओका बिसेस ढकना क पूरब कइँती छिछकारइ
चाही। एकरे समन्वा उ सात दाईं जरूर अंगुरी स रकत
छिछकारी।
15"एकरे पाछे हारून क लोगन बरे पापबलि क रुप मैं
बोकरा क मारइ चाही। हारून क बोकरा क रकत पर्दा क
पाछे कमरा मैं जरूर लावइ चाही। हारून क बोकरा क
रकत क प्रयोग वइसा ही करइ चाही जइसा बछवा क रकत
क किहस। हारून क उ ढकना पइ अउर ढकना क समन्वा
बोकरा क खून जरूर छिछकारइ चाही। 16अउर ओका
इस्राएल क लोगन क असुद्धता स, अउ ओकर अपराधन
अउर पापन स महा पवित्तर ठउर क सुद्ध करइ बरे
प्रायस्चित करी चाही। हारून क इ इहइ मिलापवाला तम्बू
बरे करइ चाही जउन असुद्ध लोगन क बीच मैं बाटइ।
17जउने समइ हारून महा पवित्तर ठउर सुद्ध करइ, उ समइ
कउनो मनई मिलापवाला तम्बू मैं नाहीं होइ चाही। कउनो
मनई क ओकरे भीतर तब तलक नाहीं जाइ चाही जब
तलक हारून बाहेर न आइ जाइ। इ तरह, हारून आपन क,
आपन परिवार क अउर इस्राएल क सबहिं लोगन बरे
प्रायस्चित करी। 18तब हारून उ वेदी पइ जाइ जउन यहोवा
क समन्वा बाटइ। हारून वेदी बरे प्रायस्चित करी। हारून
बछवा अउ बोकरा क कछू रकत लइके वेदी क चारिहुँ
कइँती अउ कोना पइ लगाइ। 19तब हारून कछू रकत
आपन अँगुरियन स वेदी पइ सात दाईं छिरकी। इ तरह
हारून इस्राएल क लोगन क सबहिं पापन स वेदी क सुद्ध
अउ पवित्तर करी।
20"हारून महा पवित्तर स्थान, मिलापवाला तम्बू अउ वेदी
बरे प्रायस्चित करी। इ सबइ काम क पाछे हारून यहोवा क
लगे जिअत बोकरा क लिआई। 21हारून आपन दुइनउँ
हाथन क जिअत बोकरा क मूँड़े पइ धरी। तब हारून बोकरा
क ऊपर इस्राएल क लोगन क अपराध अउ पाप क
कबूली। इ तरह हारून लोगन क पापन क बोकरा क मूँड़े
पइ डाइ। तब उ बोकरा क दूर रेगिस्तान मैं पठइ। एक मनई
बगल मैं बोकरा क लइ जाइके बरे खड़ा होइ। 22इ तरह
बोकरा सबहिं लोगन क पाप अपने ऊपर सूना रेगिस्तान मैं
लइ जाइ। जउन मनई बोकरा क लइ जाइ उ रेगिस्तान मैं
ओका खुला छोड़ि देइ।
23"तब हारून मिलापवाला तम्बू मैं जाई। उ सन क ओन
उत्तिम ओढ़नन क पहिरिही जेनका उ महा पवित्तर स्थान मैं
जात समइ पहिरे रहा। ओका ओन ओढ़नन क हुअँइ तजइ
चाही। 24उ आपन पूरा सरीर क एक पवित्तर जगह मैं पानी
स धोई। तब उ आपन दूसर खास ओढ़नन क पहिरी। उ
बाहेर आइ अउर आपन होमबलि अउर लोगन क होमबलि
चढ़ाइ। उ आपन क अउ लोगन क पाप बरे प्रायस्चित
करी। 25तब उ वेदी पइ पापबलि क चर्बी क चढ़ाइ।
26"जउन मनई बोकरा क अजाजेल क लगे लइ जाइ, उ
आपन ओढ़ना अउ आपन पूरा सरीर क पानी स धोवइ चाही।
ओकरे पाछे उ मनई सिबिर मैं वापिस आइ सकत ह।
27"पापबलि क बछवा अउर बोकरा क सिबिर स जरूर
बाहेर लइ जाइ चाही। (उ पसुअन क रकत पवित्तर ठउरे मैं
पवित्तर चीजन बरे प्रायस्चित करइ बरे लिआवा ग रहा।)
याजक ओन पसुअन क चाम, सरीर अउ सरीरे क मल
आगी मैं बारी। 28तब ओन चीजन क बारइवाला मनई क
आपन ओढ़ना अउ पूरा सरीर क पानी डाइके धोवइ चाही।
ओकरे पाछे उ मनई डेरा मैं आइ सकत ह।
29"इ नेम तोहरे बरे सदा रही। सतएँ महीना क दसवें दिन
तू पचन क जरूर उपवास करइ चाही। तू पचन क कउनो
काम नाहीं करइ चाही। तोहरे संग रहइवाला नागरिक या
विदेसी भी कउनो काम नाहीं कइ सकिहीं। 30काहेकि उ दिन
याजक तोहका सुद्ध किहेस ह अउ तोहरे पापन्क बरे
प्रायस्चित किहेस ह। तब तू पचे यहोवा बरे सुद्ध होब्या।
31इ दिन तोहरे बरे आराम करइ क बिसेस दिन अहइ।
तोहका सबन क इ दिन उपवास करइ चाही। इ नेम सदा बरे
होइ। 32तउ उ मनई जउन महा याजक बनइ बरे अभिसेक
किहेस ह इ चीजन सुद्ध करइ बरे प्रायस्चित करी। इ उहइ
मनई अहइ जेका ओकरे पिता क मउत क पाछे महा याजक
क रुप मैं सेवा बरे तय कीन्ह ग अहइ। उ याजक क सन
क पवित्तर ओढ़ना धारण करइ चाही। 33ओका पवित्तर स्थान,
मिलापवाला तम्बू अउ वेदी क सुद्ध करइ चाही अउ ओका
याजक अउ इस्राएल क सबहिं लोगन क सुद्ध करइ चाही।
34इस्राएल क लोगन क प्रायस्चित करइ क इ नेम सदा ही
रही। तोहका इ सबइ बरिस मैं एक दाईं जरूर करइ चाही।"
एह बरे उ पचे उहइ किहेन जउन करइ क यहोवा मूसा
क आदेस दिहे रहा।

जनावरन क मारइ अउ खाइ क नेम

17 यहोवा मूसा स कहेस, 2"हारून, ओकरे पूतन अउ
इस्राएल क सबहिं मनइयन स कहा। ओनका कहा
कि यहोवा इ हुकुम दिहे अहइ: 3कउनो इस्राएली मनई
कउनो बर्धा या भेड़ी क बच्चा या बोकरा क डेरा मँ या डेरा
क बाहेर मारि सकत ह। 4उ व्यक्ति उ जनावरे क
मिलापवाले तम्बू क दुआरे पइ लिआइ। ओका उ जनावर क
एक हींसा यहोवा क भेंट क रुप मँ देइ चाही। उ व्यक्ति
रकत बहाएस ह। उ मारे बाटइ एह बरे ओका यहोवा क
पवित्तर तम्बू मँ भेंट लइ जाइ चाही। अगर उ जनावर क
हींसा यहोवा क लगे नाहीं लइ जात तउ ओका आपन
लोगन स अलग कइ देइ चाही। 5इ नेम एह बरे अहइ कि
लोग मेलबलि यहोवा क अर्पण करइँ। इस्राएल क लोगन
क ओन जनावरन क जरूर लावइ चाही जेनका उ पचे मैदान
मँ मारत ह। ओनका ओन जनावरन क मिलापवाला तम्बू क
दुआर पइ लावइ चाही। ओनका ओन जनावरन क याजक क
लगे लिआवइ चाही। 6तब याजक ओन जनावरन क रकत
मिलापवाला तम्बू क दुआरे क लगे यहोवा क वेदी तलक
फेंकइ। याजक ओन जनावरन क चर्बी क वेदी पइ बारी। इ
यहोवा बरे महकउआ सुगन्ध होइ। 7ओनका कउनो भेंट
'बोकरन क मूर्तियन' क अगवा नाहीं चढ़ावइ चाही, जउन उ
पचन क वेस्यावृति क नाईं बदलत हीं। इ सबइ नेम हमेसा
रइहइँ।

8"लोगन स कहा: इस्राएल क कउनो नागरिक या कउनो
बिदेसी जउन तू पचन क बीच बसत ह मँ स कउनो जउन
मेलबलि अउ होमबलि चढ़ावत ह 9ओका आपन बलि क
मिलापवाला तम्बू क दुआर पइ लइ चाही अउ ओका यहोवा
क चढ़ावइ चाही। अगर उ मनई अइसा नाहीं करत तउ
ओका आपन लोगन स अलग कइ देइ चाही।

10"मइँ हर अइसे मनई क खिलाफ होब जउन रकत
खात ह। चाहे उ इस्राएल क नागरिक होइ या उ तोहरे बीच
रहइवाला कउनो विदेसी होइ। मइँ ओका ओकरे लोगन स
अलग कइ देब। 11काहेकि प्राणी क जीवन रकत मँ बाटइ।
मइँ तू पचन क उ रकत वेदी पइ डावइ क नेम दिहेउँ ह। इ
तोहार आपन प्रायस्चित करइ बरे अहइ। कहेकि रकत मँ
जान बाटइ, इ तोहार प्रायस्चित करी। 12एह बरे मइँ इस्राएल
क लोगन स कहत हउँ: तू पचन मँ स कउनो अउर न ही
तू पचन क बीच रहइवाला कउनो बिदेसी रकत खाइ सकत
ह। 13अगर कउनो मनई कउनो जंगली जनावर या पंछी क
धरत ह जेका खावा जाइ सकइ तउ उ मनई क रकत भुइँया
पइ जरूर बहाइ देइ चाही अउ माटी स ओका मूँद देइ
चाही। चाहे उ मनई इस्राएल क नागरिक होइ या तू पचन
क बीच रहइवाला बिदेसी ओका इ जरूर करइ चाही। 14तू
पचन क इ काहे करइ चाही? काहेकि अगर रकत गोसे मँ
बाटइ तउ उ जनावर क प्राण भी गोसे मँ बाटइ। एह बरे
मइँ इस्राएल क लोगन क हुकुम देत अहउँ: उ गोस क
जिन खा जेहमाँ रकत होइ। कउनो भी मनई जउन रकत
खात ह आपन लोगन स अलगाइ दीन्ह जाइ।

15"अगर कउनो मनई खुद स मरा भवा जनावर या
कउनो दूसर जनावर क जरिये मारा भवा जनावर क खात ह।
उ साँझ तलक असुद्ध रही। तउ उ मनई क आपन ओढ़ना
अउ आपन पूरा सरीर पानी स धोवइ चाही। चाहे उ मनई
इस्राएल क नागरिक हो या तू पचन क बीच रहइवाल
बिदेसी। ओका इ जरूर करइ चाही। 16अगर उ मनई आपन
ओढ़नन क नाहीं धोवत अउ न ही नहात ह तउ उ पाप
करइ क अपराधी होइ।"

यौन सम्बंध क बारे मँ नेम

18 यहोवा मूसा स कहेस, 2"इस्राएल क लोगन स
कहा: मइँ यहोवा तू पचन क परमेस्सर अहउँ।
3हिआँ आवइ क पहिले तू लोग मिस्र मँ रह्या। तू पचन क
उ नाहीं करइ चाही जउन हुआँ होत भवा रहा। मइँ तू लोगन
क कनान लइ जात अहउँ। तू लोगन क उ नाही करब
अहइ जउन उ देस मँ कीन्ह जात ह। 4तू पचन क मोरे
नेमन क जरूर पालन करइ चाही। इ नेमन क पालन मँ
होसियार रहा। काहेकि मइँ यहोवा तू पचन क परमेस्सर
अहउँ। 5एह बरे तू पचन क मोरे सबइ नेमन अउ कानून क
पालन जरूर करइ चाही। अगर कउनो मनई मोर सबइ नेमन
अउ हुकुमन क पालन करत ह तउ उ जिअत रही। मइँ
यहोवा अहउँ।

6"तोहका सबन्क निचके क रिस्तेदारन स कबहुँ यौन
सम्बंध नाहीं करइ चाही। मइँ यहोवा अहउँ!

7"तू पचन्क आपन पिता क अपमान नाहीं करइ चाही
अरथ अहइ तू पचन्क आपन महतारी क संग यौन सम्बंध
नाहीं करइ चाही। 8तू पचन्क आपन बाप क मेहरारु स भी
यौन सम्बंध नाहीं करइ चाही चाहे उ तोहार महतारी भले ही
न होइ। पिता क स्त्री स यौन सम्बंध सिरिफ तोहरे पिता बरे
अहइ।

9"तू पचन्क आपन पिता या महतारी क बिटिया अर्थात
आपन बहिन स यौन सम्बंध नाहीं करइ चाही। एहसे फरक
नाहीं पड़त कि तोहरी उ बहिन क पालन पोसण तोहरे घरे मँ
भवा या कउनो दूसर जगह।

10"तोहका सबन्क आपन नाती पोतन स यौन सम्बंध नाहीं
करइ चाही। उ पचे तोहार अंग* अहइँ।

11"अगर तोहरे पिता अउ ओकर पत्नी* क कउनो
बिटिया अहइ तउ तोहरा बहिन अहइ। तू सबन्क ओनकइ
संग यौन सम्बंध नाहीं करइ चाही।

12"आपन पिता क बहिन क संग तोहार यौन सम्बंध नाहीं
होइ चाही। उ तोहरे पिता क गोत क अहइ। 13तू पचन्क
आपन महतारी क बहिन क संग यौन सम्बंध नाहीं करइ
चाही। उ तोहरे महतारी क गोत क अहइ। 14तू पचन्क
आपन पिता क भाई क पत्नी क संग यौन सम्बंध नाहीं
करइ चाही। तू पचन्क आपन चाचा क पत्नी क निअरे
तलक नाहीं जाइ चाही। उ तोहार काकी अहइ।

15"तोहका पचन्क आपन पतोहू क संग यौन सम्बंध नाहीं
करइ चाही। उ तोहरे बेटवा क पत्नी अहइ। तोहका ओकरे
संग यौन सम्बंध नाहीं करइ चाही।

तोहार अंग ओनकर नंगा होब तोहार नंगा होब अहइ।

ओकर पत्नी साइद एकर अरथ "तोहार सौतेली महतारी।"

16"तू पचन्क आपन भाई क पत्नी क संग यौन सम्बंध
नाहीं करइ चाही। इ आपन भाई क संग यौन सम्बंध राखब
जइसा होइ। सिरिफ तोहार भाई आपन पत्नी क संग यौन
सम्बंध रख सकत ह।*
17"तोहका सबन्क कउनो महतारी अउ ओकरी बिटिया स
यौन सम्बंध नाहीं रखइ चाही अउ तोहका इ स्त्री क नातिन
स यौन सम्बंध नाहीं रखइ चाही। एहसे इ फरक नाहीं पड़त
कि उ नातिन उ स्त्री क पूत या बिटिया क बिटिया बाटइ।
ओकर पोतिन ओकरे नजदिकी गोत क बाटिन। ओनकइ
संग यौन सम्बंध करब गलत अहइ।
18"जब ताईं तोहार स्त्री जिअत बाटइ, तू सबन्क ओकरी
बहिन क दूसर स्त्री नाहीं बनावइ चाही। इ बहिनियन क
आपसी दुस्मन बनाइ देइ। तोहका सबन्क आपन स्त्री क
बहिन स यौन सम्बंध नाहीं करइ चाही।
19"तोहका सबन्क कउनो स्त्री क लगे ओकरे मासिक
धर्म क समइ यौन सम्बंध बरे नाहीं जाइ चाही। उ इ समइ
असुद्ध अहइ।
20"तोहे सबन्क आपन पड़ोसी क स्त्री स यौन सम्बंध
नाहीं करइ चाही। इ तू सबन्क असुद्ध बनाइ।
21"तू सबन्क आपन कउनो गदेला क आगी क जरिये
मोलेक क भेंट नाहीं चढ़ावइ चाही। अगर तू पचे अइसा
करत अहा तउ तू पचे आपन यहोवा क नाउँ क अपमान
किहस ह। मइँ यहोवा अहउँ।
22"तू सबन्क कउनो मनसेधू क संग यौन सम्बंध नाहीं
करइ चाही जइसा कउनो स्त्री क साथ कीन्ह जात ह। इ
भयंकर पाप अहइ।
23"कउनो जनावर क संग तोहार यौन सम्बंध नाहीं होइ
चाही। इ सिरिफ तोहका घिनौना बनाइ देइ। स्त्री क भी
कउनो जनावर क संग यौन सम्बंध नाहीं करइ चाही। इ
प्रकृति क खिलाफ अहइ।
24"इ सबइ अनुचित कामन स आपन क असुद्ध जिन
करा। मइँ ओन रास्ट्रन क ओकर देस स बाहेर करत हउँ
अउर मइँ ओनकी धरती तू सबन्क देत अहउँ। काहेकि उ
पचे लोग वइसेन भयंकर पाप करत हीं। 25एह बरे उ देस
असुद्ध होइ ग बाटइ। एह बरे मइँ ओन लोगन स ओनकइ
पापन बरे भरपाई कराउब। उ देस आपन निवासियन बाहेर
अलगइ देत ह।
26"एह बरे तू पचे मोरे सबइ नेमन अउ कानूनन क
पालन जरूर करब्या। तू पचन्क ओनमाँ स कउनो भयंकर
पाप नाहीं करइ चाही। इ सबइ नेमन इस्राएल क सबहिं
नागरिक अउर तोहरे बीच रहइवाला सबहिं बिदेसियन बरे
बाटइ। 27जउन लोग तू सबन्स पहिले हुआँ रहेन उ पचे उ
सबइ भयंकर पापन किहेन। जेहसे उ धरती असुद्ध होइ
गवा। 28अगर तू पचे भी उहइ काम करब्या तउ तू पचे इ
धरती क गन्दा बनउब्या। इ तू लोगन्क वइसेन ही बाहेर
निकारि देइ, जइसेन तू पचेन स पहिले बसइवाली जातियन क
संग कीन्ह गवा रहा। 29अगर कउनो मनई ओन भयंकर
पापन मँ कउनो पाप करत ह, तउ उ आपन लोगन स
अलग कइ दीन्ह जाइ। 30दूसर लोग उ ओन भयंकर पापन
क किहेन ह। मुला मोरे नेमन क पालन करइ चाही। तोहका
पचन्क ओन भयंकर पापन मँ स कउनो भी नाहीं करइ
चाही। ओन भयंकर पापन स आपन क असुद्ध जिन बनावा।
मइँ तोहार सबन्क परमेस्सर यहोवा अहउँ।"

इस्राएल परमेस्सर क अहइ

19 यहोवा मूसा स कहेस, 2"इस्राएल क सबहिं लोगन
स कहा: कि मइँ तोहार परमेस्सर अहउँ मइँ पवित्तर
हउँ! एह बरे तू सबन्क पवित्तर होइ चाही!
3"तू पचन मँ स हर एक मनई क आपन महतारी बाप क
सम्मान करइ चाही अउ मोर बिस्राम क खास दिनन क
मनावइ चाही। मइँ तोहार पवित्तर परमेस्सर अहउँ!
4"मूतिर्यन क उपासना जिन करा। आपन बरे देवतन क
मूतिर्यन क धातु गलाइके जिन बनावा। मइँ तू लोगन क
परमेस्सर यहोवा अहउँ।
5"जबहिं तू यहोवा क मेलबलि चढ़ावा तउ तू पचे ओका
अइसे ठीक तरीका स चढ़ावा कि यहोवा तोहार बलि क
स्वीकार कइ लेइ। 6जउने दिन चढ़उब्या तू ऍका खाइ
सकब्या अउ दूसरे दिना भी। मुला अगर बलि क कछू हींसा
तीसर दिन भी बचि जाइ तउ ओका तू पचन क आगी मँ
बारि देइ चाही। 7कउनो भी बलि क तीसर दिन नाहीं खाइ
चाही। इ असुद्ध बाटइ। इ अंगीकार नाहीं होइ। 8अगर
कउनो मनई अइसा कामन करत ह तउ उ दोखी होइ।
काहेकि उ यहोवा क पवित्तर चीजन क दूसित किहेस। उ
मनई क ओकर लोगन स अलग कइ दीन्ह जाई।
9"जबहिं तू कटनी क समइ आपन फसल काट्या तउ तू
पचे सब कइँती स खेत क कोनन ताईं जिन काट्या अउर
अगर अन्न जमीन पइ गिरि जात ह तउ तू पचन्क ओका
बटोरइ नाहीं चाही। 10आपन अंगूरे क बगिया क सारा अंगूर
जिन तोड़्या। जउन अंगूर भुइँया पइ गिरि जाइँ ओनका जिन
उठावा। काहेकि तू पचन्क उ सबइ चीजन गरीब लोगन
अउर जउन तोहार बीच रहइवाला बिदेसियन बाटइ ओनके
बरे छोड़इ चाही। मइँ यहोवा तोहार परमेस्सर अहउँ!
11"तू पचन्क चोरी नाहीं करइ चाही। तू पचन्क लोगन्क
ठगी नाहीं करइ चाही। तू पचन्क आपुस मँ झूठ नाहीं बोलइ
चाही। 12तू पचन्क मोरे नाउँ पइ झूठा बचन नाहीं देइ चाही।
अगर तू पचे अइसा करत ह्या तउ तू पचे आपन परमेस्सर
क नाउँ क अपमान करत ह। मइँ यहोवा तोहार परमेस्सर
अहउँ!
13"तू पचन्क आपन पड़ोसी क धोखा नाहीं देइ चाही। तू
पचन्क ओकर चोरी नाहीं करइ चाही। तू पचन्क मजदूर क
मजदूरी पूरी रात, भिन्सारे तलक नाहीं रोकइ चाही।*
14"तू पचन्क कउनो बहिरे मनई क सरापइ नाहीं चाही। तू
पचन्क कउनो आँधर क भहरावइ बरे ओकरे अगवा कउनो
चीज नाहीं रखइ चाही। मुला तू पचन्क आपन परमेस्सर
यहोवा क सम्मान करइ चाही। मइँ यहोवा अहउँ!

सिरिफ ... सकत ह "उ तोहरे भाई क नंगापन अहइ।"

तू पचन्क ... रोकइ चाही एहसे इ पता लागत ह कि मजदूरी पइ धरा गए मजदूर क उहइ दिन कीन्ह गए कामे क मजदूरी उहइ दिन दीन्ह जात रही। लखइँ मत्ती 20:1-16

15"तू पचन्क क निआव करइ मँ ईमानदार होइ चाही। न
तउ तू पचन्क गरीबन क संग खास पच्छपात करइ चाही
अउ न ही बड़कन अउ धनी मनइयन बरे कउनो आदर
देखावइ चाही। तू पचन्क आपन पड़ोसी क संग निआव करत
समइ ईमानदार होइ चाही। 16तू पचन्क दूसर लोगन्क
खिलाफ चारिहुँ कइँती अफवाह सँचरावत भए नाहीं चलइ
चाही। अइसा कछू जिन करा जउन तू पचन्क पड़ोसी क
खतरा मँ डाइ देइ। मइँ यहोवा अहउँ!
17"तू पचन्क आपन हिरदइ मँ आपन भाइयन स घिना
नाहीं करइ चाही। अगर तोहार पड़ोसी कछू बुरा करत ह तउ
एकरे बारे मँ ओका समझावा। मुला ओका छिमा करा!
18लोग, जउन तोहार बुरा करइँ, ओका बिसरि जा। ओसे
बदला लेइ क कोसिस जिन करा। आपन पड़ोसी स वइसेन
ही पिरेम करा जइसे अपने आप स करत ह्या। मइँ यहोवा
अहउँ!
19"तू पचन्क मोरे नेमन क पालन जरूर करा। दुइ जाति
क जनावरन क प्रजनन बरे आपुस मँ जिन मिलावा। तू पचन
क खेते मँ दुइ तरह क बिआ नाहीं मिलावइ चाही। तू
पचन्क दुइ तरह क मिलावट स बना ओढ़ना क नाहीं पहिरइ
चाही।
20"इ होइ सकत ह कि कउनो दूसर मनई क दासी स
कउनो मनई क यौन संबंध होइ। अगर इ दासी न तउ
खरीदी गइ अहइ अउर न ही अजाद कराई गइ अहइ तउ
ओनका जरूर दण्ड दीन्ह जाइ चाही। मुला उ पचे मउत न
पइहीं। काहेकि स्त्री अजाद नाहीं रही। 21उ मनई क आपन
अपराध बरे मिलापवाला तम्बू क दुआरे पइ यहोवा बरे जरूर
दोखबलि चढ़ावइ चाही। मनई क एक ठु भेड़ा दोखबलि क
रूप मँ लावइ चाही।
22"याजक उ मनई बरे जउन पाप किहेस ह क प्रायस्चित
करी। याजक यहोवा क दोखबलि क रुप मँ भेड़ा क चढ़ाइ।
इ मनई क कीन्ह गए पापन बरे भेंट होइ। तब मनई आपन
कीन्ह गए पापन बरे छिमा पाइहीं।
23"भविस्स मँ तू पचे आपन प्रदेस मँ प्रवेस करब्या। उ
समइ भोजन बरे तू पचे किसिम किसिम क बृच्छ लगउब्या।
पौधा लगावइ क पाछे बृच्छ क कउनो फले क प्रयोग करइ
बरे तोहका तीन बरिस तलक जोहइ चाही। तू पचन क ओसे
पहिले क फल क प्रयोग नाहीं करइ चाही।
24"चउथे बरिस उ बृच्छ क फले यहोवा क होइहीं। इ
यहोवा क स्तुति बरे पवित्तर भेंट होइ। 25तब, पँचवें बरिस तू
सब उ बृच्छ क फल चखि सकत ह अउ बृच्छ तोहरे बरे
जियादा स जियादा फल पइदा करी। मइँ तोहार परमेस्सर
यहोवा अहउँ।
26"तू सबन्क क कउनो गोस जेहमा रकत बाटइ नाही
खाइ चाही। तू पचन्क भविस्सबाणी करइ बरे जादू या कउनो
दूसर चीजियन क प्रयोग नाहीं करइ चाही।
27"तू पचन्क आपन मूँड़े क बगल क बाढ़ भवा बार
कटवावइ नाहीं चाही या तोहका आपन दाढ़ी क छटवावइ
नाही चाही। 28कउनो मरे मनई क सुमिरन बनए रहइ बरे
आपन तन क काटइ नाहीं चाही। तू पचन्क आपन सरीर प
गोदना गोदवावइ नाहीं चाही। मइँ यहोवा अहउँ!
29"तू पचे आपन बिटिया क बेस्या जिन बनइ द्या। एहसे
सिरिफ इ पता लागत ह कि तू ओकर इज्जत नाहीं करत
ह्या। तू पचे आपन देस मँ स्त्रियन क बेस्या जिन बनइ द्या।
तू पचे आपन देस क इ तरह क पापन स जिन भर जाइ
द्या।
30"तू पचन्क मोरे बिस्त्राम क बिसेस दिनन मँ काम नाहीं
करइ चाही। तू पचन्क मोरे पवित्तर ठउर क सम्मान जरूर
करइ चाही। मइँ यहोवा अहउँ!
31"ओझा लोगन अउ भूत सिद्ध लोगन लगे सलाह बरे
जिन जा। उ पचे सिरिफ तोहका असुद्ध बनइहीं। मइँ तोहार
परमेस्सर यहोवा अहउँ।
32"बुढ़वा मनइयन क सम्मान करा। जब उ पचे कमरा मँ
आवइँ तउ खड़ा होइ जा। आपन परमेस्सर क सम्मान करा।
मइँ यहोवा अहउँ।
33"आपन देस मँ बिदेसी लोगन क संग बुरा बेउहार जिन
करा! 34तू पचन्क बिदेसी लोगन क संग वइसा ही बेउहार
ही करइ चाही जइसा तू पचे आपन नागरिकन क संग करत
ह्या। तू बिदेसियन स वइसेन पियार करा जइसा आपन स
करत ह्या। काहेकि तू पचे भी एक समइ मिस्त्र मँ बिदेसी
रह्या। मइँ तोहार परमेस्सर यहोवा अहउँ!
35"तू पचन्क निआव करत समइ लोगन बरे ईमानदार होइ
चाही। तू पचन्क चीजन क जोखइ अउ तउलइ मँ ईमानदार
होइ चाही। 36तोहार झउअन ठीक नाप क होइ चाही। तोहरे
नाप करइ क बासन मँ द्रव क ठीक मात्रा आवइ चाही।
तोहरे तराजू अउ बटखरा चीजन्क ठीक तउलइवाला होइ
चाही। मइँ तोहार परमेस्सर यहोवा अहउँ। मइँ तू पचन्क
मिस्त्र देस स बाहेर लिआएउँ!
37"तोहका पचन्क सबहिं नेम अउ निर्णयन क सुमिरिके
रखइ चाही अउ तू सबन्क ओनका पालन करइ चाही। मइँ
यहोवा अहउँ!"

मूर्ति पूजा क खिलाफ चिताउनी

20 यहोवा मूसा स कहेस, 2"तोहका इस्त्राएल क
लोगन स इ भी कहइ चाही: तोहरे देस मँ कउनो
मनई आपन गदेलन मँ स कउनो क लबार देवता मोलेक क
दइ सकत ह। उ मनई क जरूर मार डावइ चाही। एहसे
फरक नाहीं पड़त कि उ इस्त्राएल क नागरिक अहइ या
इस्त्राएल मँ बसइया कउनो बिदेसी। तू पचन क ओका पाथर
लोकाइ लोकाइके मारि डावइ चाही। 3मइँ उ मनई क
खिलाफ होब। मइँ ओका ओकरे लोगन स अलग कइ देब।
काहेकि उ आपन गदेलन क मोलेक क दिहस। उ मोरे
पवित्तर नाउँ क अपमान किहेस। उ मोरे पवित्तर ठउरे क
असुद्ध किहस। 4होइ सकत ह कि साधारिन लोग उ मनई
क उपेच्छा करइ। होइ सकत ह कि उ मनई क न मारइ
जउन गदेलन क मोलेक क दिहस ह। 5मुला मइँ उ व्यक्ति
अउ ओकरे परिवार क खिलाफ होब। मइँ ओका ओकरे
लोगन स अलग करब। मइँ कउनो भी अइसे व्यक्ति क
ओकरे लोगन स अलग करब, जउन मोलेक क पाछे वेस्या
क तरह करत ह।

6"मइँ उ मनई क खिलाफ होब जउन कउनो ओझा या
भूतसिद्ध क लगे सलाह लेइ बरे जात ह। अइसा करइके उ
मोहे स अबिस्सासी होइ जात ह। एह बरे मइँ उ मनई क
ओकरे लोगन स अलग करब।
7"बिसेस बना। आपन क पवित्तर बनावा। काहेकि मइँ
यहोवा तोहार परमेस्सर अहउँ। 8मोर सबइ आग्या क पालन
करा अउ ओनका सुमिरा। मइँ यहोवा अहउँ अउर मइँ तू
लोगन क आपन बिसेस लोग बनाएउँ ह।
9"अगर कउनो मनई आपन महतारी-बाप क सराप देत ह
तउ उ मनई क मारि डावइ चाही। उ आपन पिता या महतारी
क सराप देत ह, एह बरे उ आपन मउत क खुद जिम्मेदार
होइ।

यौन पापन्क दण्ड

10"अगर कउनो मनई आपन पड़ोसी क पत्नी क संग
यौन सम्बंध रखत ह तउ स्त्री अउ मनसेधू दुइनउँ व्यभिचारी
क अपराधी अहइँ। एह बरे दुइनउँ क जरूर मारि डावइ
चाही। 11अगर कउनो मनई आपन सौतेली महतारी स यौन
सम्बंध करत ह तउ उ मनई क मारि डावइ चाही। उ मनई
क अउ ओकर सौतेली महतारी दुइनउँ क मार डावइ चाही।*
उ मनई आपन पिता क खिलाफ खुद पाप किहेस ह।
12"अगर कउनो मनई आपन पतोहू क संग यौन सम्बंध
करत ह तउ दुइनउँ क मारि डावइ चाही। उ पचे बहोत बुरा
यौन पाप किहेन ह। ओनका दण्ड जरुर मिलइ चाही।
13"अगर कउनो मनई कउनो मनई क संग मेहरारु जइसा
यौन सम्बंध करत ह तउ दुइनउँ क मारि डावइ चाही। उ पचे
बहोत बुरा पाप किहन ह। ओनका दण्ड जरुर मिलइ चाही।
14"अगर कउनो मनई कउनो मेहरारु अउ ओकरी
महतारी क संग यौन सम्बंध करत ह तउ इ यौन पाप अहइ।
लोगन्क उ मनई अउ दुइनउँ मेहररुअन क आगी मँ बारि
देइ चाही। इ यौन पाप क आपन लोगन मँ जिन होइ द्या।
15"अगर कउनो मनई कउनो गोरु स यौन सम्बंध करइ
तउ उ मनई क मारि डावइ चाही अउ तोहका उ गोरु क
मारि डावइ चाही। 16अगर कउनो मेहरारु कउनो गोरु स
यौन सम्बंध करत ह तउ तू पचन क उ मेहरारु अउ उ
गोरु क मारि डावइ चाही। ओनका जरुर मारि डावइ चाही।
17"इ एक भाई अउ ओकरी बहिन या सोतेली बहिन बरे
लज्जा क बात अहइ कि उ पचे आपुस मँ यौन सम्बंध
करइँ। ओनका समाज कइँती स दण्ड मिलइ चाही। उ पचन
क आपन लोगन स अलगाइ देइ चाही। उ मनई जउन
आपन बहिन क संग यौन सम्बंध किहस ह, आपन पाप बरे
जरूर दण्ड पाइ।
18"अगर कउनो मनई कउनो मेहरारु क संग मासिक धर्म
क रकत बहइ क समइ यौन सम्बंध करी, तउ दुइनउँ क
आपन लोगन स अलगाइ देइ जाई। उ पचे पाप किहन क
काहेकि उ पचे रकत क स्रोत क उघारेन ह।
19"तू सबन्क आपन महतारी क बहिन या पिता क बहिन
क संग यौन सम्बंध नाहीं करइ चाही। इ आपन नगीचे क
रिस्तेदार क नंगापन क उघारेन ह। ऍह बरे दुइनउँ क
ओनके पाप बरे जरूर दण्ड मिली चाही।
20"कउनो मनई क आपन चाचा-मामा क पत्नी क संग
नाहीं सोवइ चाही। इ मनई अउ ओकर चाची अउ मामी क
ओनके पापन बरे दण्ड मिली। उ पचे बगैर कउनो सन्तान
क मरिहीं। 21कउनो मनई क बरे इ बुरा अहइ कि उ आपन
भाई क स्त्री क संग यौन सम्बंध करइ। उ मनई आपन भाई
क खिलाफ पाप किहे बाटइ। ओकर कउनो सन्तान नाहीं
होइ।
22"तू पचन क मोर सारे नेम अउ निर्णय क सुमिरइ चाही
अउ तोहका ओनकर पालन जरुर करइ चाही। मइँ तू पचन
क तोहरे प्रदेस लइ जात अहउँ। तू लोग उ प्रदेस मँ रहब्या।
अगर तू लोग मोर नेमन अउ सबइ निर्णय क मानत रहब्या
तउ उ प्रदेस तू लोगन क निकारिके बाहेर न करी। 23मइँ
दूसर लोगन क उ प्रदेस क तजइ क मजबूर करत हउँ।
काहेकि ओन लोगन उ सबइ पाप किहेन। मइँ ओन पापन
स घिना करत हउँ। एह बरे तू पचन्क ओकरे जीवन-सैली
क नकल नाहीं करइ चाही।
24"मइँ कहेउँ ह कि तू पचे ओनकर प्रदेस पउब्या। मइँ
ओनकर प्रदेस तू पचन क देबउँ। उ तोहार प्रदेस होइ। उ
प्रदेस दूध अउ सहद क नदियन बहत हीं। मइँ तोहार
परमेस्सर यहोवा अहउँ!
"मइँ तू पचन्क खास बनाएउँ ह। मइँ तोहरे संग दूसर
रास्ट्रन स अलग बेउहार किहेउँ ह। 25एह बरे तू पचन क
सुद्ध जनावरन क संग असुद्ध जनावरन स जरूर अलग
बेउहार करइ चाही। तू पचन क सुद्ध पंछियन क संग
असुद्ध पंछियन स जरूर अलग बेउहार करइ चाही। ओनमाँ
स कउनो भी असुद्ध पंछी, जनावरन अउ कीड़ा-पतंगा क
जिन खा जउन भुइयाँ प रेंगत हीं। मइँ ओन चीजन क
असुद्ध बनएउँ ह। 26तू पचन क मोरे बरे पवित्तर होइ चाही।
काहेकि मइँ यहोवा अहउँ अउ मइँ पवित्तर हउँ। मइँ तोहका
दूसर रास्ट्रन स अलग कइ दिहे हउँ तोहका बिसेस लोग
बनावई बरे जउन कि मोर अहइ।
27"अगर कउनो मनसेधू या मेहरारु ओझा होइ या कउनो
जादूगर होइ, ओनका निहचय ही मार दीन्ह जाइ। लोगन क
चाही कि उ पचे पाथर मारि मारिके मार देइँ। उ आपन मउत
क खुद ही कसूरवार होइ।"

याजकन बरे नेम

21 यहोवा मूसा स कहेस, "इ सबइ बातन हारून क
याजक पूतन स कहा: कउनो मरे भए मनई क
छुइके याजक आपन क असुद्ध न करइ। 2मुला अगर मरा
भवा मनई ओकरे निजके रिस्तेदारन मँ स कउनो अहइ तउ
उ मरे भए क ल्हास क छुइ सकत ह। याजक आपन क
असुद्ध कइ सकत ह अगर मरा मनई ओकर महतारी, बाप,
ओकर पूत, या बिटिया, ओकर भाई, 3ओकर बिन बियाही
बहिन अहइ। (इ बहन ओकर निचके क रिस्तेदार अहइ
काहेकि ओकर भतार नाहीं अहइ।) एह बरे याजक आपन क
असुद्ध कइ सकत ह, अगर उ मरत ह। 4मुला याजक

उ मनई ... डावइ चाही सब्द क अरथ "आपन मउत उ पचे
खुद बोलाएन ह।"

आपन क असुद्ध नाहीं करइ चाही, अगर मरा भवा व्यक्ति बियाहे क कारण ओकर रिस्तेदार होइ।*

5"याजकन क आपन मूँड़े क मूडन नाहीं करावइ चाही। याजकन क आपन दाढ़ी क सिरा नाहीं कटवावइ चाही। याजकन क आपन चाम पइ कहूँ भी काटइ नाहीं चाही। 6याजकन क आपन परमेस्सर बरे पवित्तर होइ चाही। उ पचे आपन परमेस्सर क नाउँ क दूसित नाहीं करइ चाही। काहेकि उ पचे आपन भोजन अउ भेंट यहोवा क चढ़ावत ह एह बरे ओनका पवित्तर होइ चाही।

7"याजक परमेस्सर बरे पवित्तर अहइ। एह बरे याजक क अइसी मेहरारु स बियाह नाहीं करइ चाही जउन कउनो क संग यौन सम्बंध किहे होइ। याजक क कउनो पतुरिया, या तलाक दीन्ह गइ मेहरारु स बियाह नाहीं करइ चाही। 8याजक परमेस्सर बरे पवित्तर अहइ। एह बरे तू पचन क ओकरे साथे खास तरह स बेउहार करइ चाही। काहेकि उ पवित्तर चीजन क लइ चलत बाटइ। उ पवित्तर रोटी परमेस्सर क चढ़ावत ह अउर मइँ पवित्तर अहउँ। मइँ यहोवा अहउँ, अउर मइँ तू पचन क पवित्तर बनावत अहँउ।

9"अगर याजक क बिटिया पतुरिया बन जात ह तउ उ आपन इज्जत बरबाद करत ह अउ अपने भतारे पइ कलंक लगावत ह। एह बरे ओका बारि देइ चाही।

10"महा याजक आपन भाइयन मँ स चुना जात रहा। अभिसेक क तेल ओकरे मूँड़े पइ नावा जात रहा। इ तरह उ महा याजक क बिसेस कर्तव्य बरे तैनात कीन्ह जात रहा। ओका महा याजक क खास ओढ़ना पहिरइ बरे चुना जात रहा। ओका आपन बार जंगली ढंग स नाहीं बिखेरइ चाही। ओका आपन ओढ़ना बढ़ाइ देइ नाही चाही। 11ओका मुर्दा क छुइके आपन क असुद्ध नाहीं बनावइ चाही। ओका कउनो मुर्दा क लगे नाहीं जाइ चाही। चाहे उ ओकर महतारी-बाप का ही काहे न होइ। 12महा याजक क परमेस्सर क पवित्तर ठउर क बाहेर नाहीं जाइ चाही। अगर उ अइसा किहस तउ उ असुद्ध होइ जाइ अउ उ परमेस्सर क पवित्तर ठउर क भी अपमान कइ देइ। अभिसेक क तेल महा याजक क मूँड़े पइ नावइ चाही। मइँ यहोवा अहउँ।

13"महा याजक क सिरिफ ओकर संग बियाह करइ चाही जउन कुवाँरी होइ। 14महा याजक क अइसी मेहरारु स बियाह नाहीं करइ चाही जउन कउनो दूसर मनई क संग यौन सम्बंध रख चुकी होइ। महा याजक क कउनो रण्डी, तलाक दीन्ह गइ मेहरारु या राँड़ मेहरारु स बियाह नाहीं करइ चाही। महा याजक क आपन लोगन मँ स एक कुवाँरी स बियाह करइ चाही। 15ओका आपन गदेलन क अपवित्तर नाही करइ चाही। मइँ, यहोवा, याजक क ओकरे खास कामे बरे पवित्तर बनाएउँ ह।"

16यहोवा मूसा स कहेस, 17"हारून स कहा: अगर तोहरे बंस मँ जन्मइवालन क सन्तानन मँ स कउनो आपन मँ कउनो दोख पावइ तउ ओनका खास रोटी परमेस्सर तलक नाहीं लइ जाइ चाही। 18कउनो मनई, जेहमाँ कउनो दोख होइ, याजकन क काम न कइ सकत ह। उ मोरे लगे भेंट नाहीं लिआइ सकत ह। इ सबइ लोग याजक क रुप मँ सेवा नाहीं कइ सकतेन।

आँधर मनई, लँगड़ा मनई, भयंकर चेहरा वाला मनई, बहोत जियादा लम्बी बाँह अउर टाँगवाला मनई।

19टूटा गोड़ या हाथवाला मनई,

20कुबड़ा मनई, बौना, आँखी मँ दोखवाला मनई, खजुरी अउ चरम रोग क मनई, बधिया कीन्ह गवा मनई।

21अगर हारून क कउनो बंसे मँ कछु दोख अहइ। अहइ तउ उ यहोवा क होमबलि नाहीं चढ़ाइ सकत अउर उ खास रोटी परमेस्सर क लगे नाहीं लइ जाइ सकत ह। 22बहरहाल उ पवित्तर रोटी खाइ सकत ह। उ सबन त पवित्तर रोटी भी खाइ सकत ह। 23मुला उ सबन त जियादा पवित्तर ठउरे मँ पर्दा स होइके नाहीं जाइ सकत अउर न ही उ वेदी क लगे जाइ सकत ह। काहेकि ओहमाँ कछू दोख अहइ। ओका मोरे पवित्तर ठउर क अपवित्तर नाहीं बनावइ चाही। मइँ यहोवा ओन ठउरन क पवित्तर बनवत हउँ।"

24एह बरे मूसा इ सबइ बातन हारून स, हारून क पूतन अउ इस्राएल क सबहिं लोगन स कहेस।

22 यहोवा परमेस्सर मूसा स कहेस, 2"हारून अउ ओकरे पूतन स कहा: इस्राएल क लोग जउन चिजियन मोका देइहीं, उ सबइ पवित्तर होइ जइहीं। उ सबइ मोर अहइँ। एह बरे तू सबइ याजकन क उ सबइ चीजन नाहीं लेइ चाही। तोहका उ सबइ पवित्तर चिजियन क नाहीं लेइ चाही। ऍह बरे तू मोर नाउँ क अपमान नाहीं करब्या। मइँ यहोवा अहउँ। 3अगर तोहरे बंसे मँ जन्मइवालन मँ स कउनो व्यक्ति जउन असुद्ध अहइ। ओन चीजन क छुई। तउ उ व्यक्ति क मोसे अलग कइ दीन्ह जाइ। इस्राएल क लोग उ सबइ चीजन क मोका दिहन। मइँ यहोवा अहउँ!

4"अगर हारुन क कउनो बंसे जन्मइ वालन मँ क बुरा चरम रोगन मँ स कउनो रोग होइ या ओका धात स्राव होइ तउ ओका तबहिं तलक कउनो पवित्तर खाना नाहीं खाइ चाही जब तलक उ सुद्ध न होइ जाइ। इ नेम उ सबइ याजक क बरे अहइ जउन असुद्ध होइ। उ याजक कउनो ल्हासे क छुइके या आपन वीर्य क गिरइ स असुद्ध होइ सकत ह। 5उ तब असुद्ध होइ सकत ह। जब उ कउनो रेगंइवाला जनावर क छुअइ। उ तब असुद्ध होइ सकत ह जब उ कउनो असुद्ध मनई क छुअइ। एकर कउनो महत्व नाहीं कि उ मनई क कउन चीज असुद्ध किहे अहइ। 6अगर कउनो मनई ओन चीजन क छुई तउ उ साँझ तलक असुद्ध रही। उ मनई क पवित्तर भोजन मँ स कछु भी नाहीं खाइ चाही! पानी डाइके बगैर नहाए भए उ पवित्तर भोजन नाहीं कइ सकत ह। 7उ सूरज क बूड़इ प इ सुद्ध होइ। तबहुँ उ पवित्तर भोजन कइ सकत ह। काहेकि भोजन ओकर अहइ।

8"अगर याजक क कउनो अइसा जनावर मिलत ह जउन खुद मरि गवा होइ या कउनो जनावर क जरिये मारि दीन्ह ग होइ तउ ओका मरे भए जनावर क नाहीं खाइ चाही। अगर उ मनई जनावर क खाइ लेत ह तउ उ असुद्ध होइ। मइँ यहोवा अहउँ!

मुला याजक ... **रिस्तेदार होइ** सब्द क अरथ "मुला सुआमी क आपन लोगन बरे असुद्ध नाहीं होइ चाही।"

9"याजक लोगन क उ काम करइ बरे सावधान होइ
चाही जउन मइँ ओका दिहेस ह। ओनका सावधान रहइ क
होइ कि उ पचे पवित्तर चिजियन क अपवित्तर न बनावइ।
अगर उ पचे सावधान रइहीं तउ मरिहीं नाहीं। मइँ यहोवा
ओनका इ खास काम बरे दूसर लोगन स अलगाएउँ ह।
10सिरिफ याजक लोगन क परिवार क मनई ही पवित्तर
भोजन खाइ सकत हीं। याजक क संग ठहरइवाला अतिथि
या मज़दूर पवित्तर भोजन मेँ स कछू भी नाहीं खाइ। 11मुला
अगर याजक आपन धन स कउनो दास क बेसहत ह तउ उ
पवित्तर चीजन मेँ स कछू क खाइ सकत ह अउ याजक क
घरे मेँ पइदा भवा दास भी उ पवित्तर भोजन मेँ स कछू खाइ
सकत ह। 12कउनो याजक क बिटिया अइसे मनई स बियाह
कइ सकत ह जउन याजक न होइ। अगर उ अइसा करत ह
तउ पवित्तर भेंट मेँ स कछू नाहीं खाइ सकत। 13कउनो
याजक क बिटिया विधवा होइ सकत ह, या ओका तलाक
दीन्ह जाइ सकत ह। अगर ओकरे भरण पोसण बरे ओकरे
लरिकन नाहीं बाटेन अउर उ आपन पिता क हिआँ लउटत
ह, जहाँ उ बचपन मेँ रही ह तउ उ पिता क भोज़न मेँ स
कछू खाइ सकत ह। मुला सिरिफ याजक क परिवार क
मनइयन ही इ भोजन क खाइ सकत हीं।

14"कउनो मनई भूलिके कछू पवित्तर भोजन खाइ सकत
ह। उ मनई क उ पवित्तर भोजन याजक क देइ चाही अउ
ओकरे अलावा उ भोजन क दाम क पाँचवाँ हींसा ओका
अउर देइ क होइ। 15इस्राएल क लोग यहोवा क भेंट
चढ़इहीं। उ सबइ भेंटन पवित्तर होइ जात हीं। एह बरे याजक
क ओन पवित्तर चीजन क अपवित्तर नाहीं बनावइ चाही।
16अगर याजक ओन चीजन क अपवित्तर समझत हीं तउ उ
पचे तबहिं आपन पाप क बढ़इहीं जब पवित्तर भोजन क
खइहीं। मइँ, यहोवा, ओनका पवित्तर बनावत हउँ।"

17यहोवा परमेस्सर मूसा स कहेस, 18"हारून अउ ओकरे
पूतन, अउर इस्राएल क सबहिं लोगन स कहा: होइ सकत
ह कि इस्राएल क कउनो नागरिक या कउनो बिदेसी कउनो
भेंट लावइ चाहइ। होइ सकत ह उ कउनो बिसेस बचन दिहे
होइ, अउ इ ओकरे बरे होइ। या होइ सकत ह इ उ बिसेस
भेंट होइ जेका उ व्यक्ति अर्पित करइ चाहइ। 19-20इ सबइ
अइसी भेंटन अहइँ जेनका लोग एह बरे लिआवत हीं कि उ
पचे यहोवा क भेंट चढ़ावइ चाहत हीं। तोहका सबन्क अइसी
भेंट नाहीं कबूल करइ चाही जेहमाँ कउनो दोख होइ। मइँ उ
भेंट स खुस नाहीं होब। अगर भेंट एक ठु साँड़ अहइ, या
एक ठु भेड़ी अहइ, या एक बोकरा अहइ तउ उ नर होइ
चाही अउ एहमाँ कउनो दोख नाहीं होइ चाही।

21"कउनो मनई यहोवा क मेलबलि चढ़ाइ सकत ह। उ
मेलबलि उ व्यक्ति क जरिये दीन्ह गए बचन बरे होइ सकत
ह या इ कउनो खुद प्रेरित भेंट होइ सकत ह। इ बर्धा या
भेड़ी होइ सकत ह। मुला ओका तन्दुरुस्त अउ दोख रहित
होइ चाही। 22तोहका यहोवा क अइसा कउनो गोरु भेंट नाहीं
करइ चाही जउन आँधर होइ या जेकर हाड़ टूटा होइ, या
जउन लंगड़ा होइ, या जेकर घाव बहत होइ, या चरम रोग
वाला होइ। तोहका यहोवा बरे वेदी प कउनो बीमार गोरु क
भेंट नाहीं चढ़ावइ चाही।

23"कबहुँ कबहुँ कउनो बर्धा या मेमना क गोड़ बहोत
जियादा लम्बा होइ सकत हीं या अइसेन गोड़ होइ सकत हीं
जेनकर विकास ठीक स न भवा होइ। अगर कउनो मनई
अइसे गोरु क यहोवा क खास भेंट क रुप मेँ चढ़ावत ह
तउ उ स्वीकार कीन्ह जाइ। मुला एका कउनो व्यक्ति क
जरिये दीन्ह गए बचन बरे स्वीकार नाहीं कीन्ह जाइ।

24"अगर कउनो गोरु क अण्ड कोस जख्मी, घाउवाला,
फाड़ा भवा या कटा भवा होइँ तउ तोहका उ गोरु क भेंट
यहोवा क नाहीं चढ़ावइ चाही। तोहका अइसा गोरुअन आपन
भुइँया पइ बलि नाहीं देइ चाही।

25"तोहका बिदेसियन स बलि बरे अइसे गोरुअन क नाहीं
लेइ चाही। काहेकि इ सबइ गोरु कउनो तरह चोट खाए
अहइँ। ओनमाँ कछू दोख अहइ। इ सबइ स्वीकार नाहीं
कीन्ह जइहीं!"

26यहोवा मूसा स कहेस, 27"जब कउनो बछवा, या भेड़ी,
या बोकरी जउन नवा पइदा होइ तउ आपन महतारी क संग
ओका सात दिन रहइ देइ चाही। तब अठएँ दिन अउ ओकरे
पाछे इ यहोवा क दीन्ह जाइवाली बलि क रुप मेँ स्वीकार
कीन्ह जइहीं। 28मुला तोहका सबन्क उही दिन उ गोरु अउ
ओकरी बच्चन क नाहीं मारइ चाही। इहइ नेम गइया अउ
भेड़न बरे अहइ।

29"अगर तू पचन्क यहोवा बरे कउनो खास कृतग्यता
बलि चढ़ावइ क होइ तउ तू पचे उ भेंट क चढ़ावइ मेँ
अजाद अहा। मुला इ इ तरह करा कि परमेस्सर क खुस
करा। 30तू पचन्क पूरा गोरु उहइ दिन खाइ लेइ चाही। तू
पचन्क अगले भिन्सारे बरे कछू भी गोस नाहीं छोड़इ चाही।
मइँ यहोवा अहउँ!

31"मोरे आदेसन क याद राखा अउ ओनकइ पालन करा।
मइँ यहोवा अहउँ। 32मोरे पवित्तर नाउँ क अपमान जिन करा।
मोका इस्राएल क लोगन बरे बहोत खास होइ चाही। मइँ,
यहोवा तू पचन्क आपन बिसेस लोग बनाएउँ ह। 33मइँ तू
पचन्क मिस्र स लाएउँ। मइँ तोहार परमेस्सर बनेउँ। मइँ
यहोवा अहउँ!"

खास पवित्तर दिन

23 यहोवा मूसा स कहेस, 2"इस्राएल क लोगन स
कहा: तू पचे यहोवा क निहचित पर्वन क पवित्तर
एलान करा। इ सबइ मोर पवित्तर दिन अहइँ:

सबित

3"छ: दिन काम करा। मुला सतवाँ दिन, आराम क एक
खास दिन या पवित्तर मिलन क दिन होइ। उ दिन तू पचन
क कउनो काम नाहीं करइ चाही। इ तोहरे सबहिं घरन मेँ
यहोवा क सबित अहइ।

फसह त्यौहार

4"इ सबइ यहोवा क चुने भए पवित्तर दिन अहइँ। ओनके
बरे निहचित समइ पइ तू पचे पवित्तर सभा क घोसणा
करब्या। 5यहोवा क फ़सह त्यौहार पहिले महीना क चउदह
तारीख क साँझ बेला मेँ अहइ।

अखमीरी रोटी क त्यौहार

6"उहइ महीना क पन्द्रह तारीख क बे खमीरी मैदा क
फुलकन क त्यौहार होइ। तू पचे सात दिना तलक बे खमीरी
मैदा क फुलकन खाब्या। 7इ त्यौहार क पहिले दिन तू पचे
एक पवित्तर सभा करब्या। उ दिन तोहका कउनो काम नाहीं
करइ चाही। 8सात दिन तलक तू पचे यहोवा बरे भेंट
चढ़उब्या। सतएँ दिन एक पवित्तर सभा होइ। उ दिन तू पचन
क कउनो काम नाहीं करइ चाही।"

पहिली फसल क त्यौहार

9यहोवा मूसा स कहेस, 10"इस्राएल क लोगन स कहा:
तू पचे उ धरती पइ जाब्या जेका मइँ तोहका देब। तू पचे उ
समइ ओकर फसल कटब्या। उ समइ तू पचन क आपन
फसल क पहिली पूली याजक क लगे लइ आवइ चाही।
11याजक पूली क यहोवा क समन्वा लहराइ। तब उ तोहरे
पचन्क बरे स्वीकार कइ लीन्ह जाइ। याजक पूली क रविवार
क भिन्सारे लहराइ।

12"जउने दिन तू पचे पूली क लहरउब्या, उ दिन तू पचे
एक बरिस क एक ठु नर भेड़ी क बच्चा बलि चढ़उब्या। उ
भेड़ी क बच्चा मैं कउनो दोख नाहीं होइ चाही। इ भेड़ी क
बच्चा यहोवा क होमबलि होइ। 13तू पचन क एपा क दुइ
दसवाँ हींसा जइतून क तेल स सना आटा क अन्नबलि देइ
चाही। तू पचन क हीन क चौथाई हींसा दाखरस भी देइ
चाही। इ भेंट यहोवा क खुस करइवाली सुगन्धि होइ। 14जब
तलक तू पचे आपन परमेस्सर क भेंट नहीं चढ़उत्या, तब
तलक तू पचे कउनो नवा अनाज, या फल या नवा अनाज स
बनी भइ रोटी नाहीं खाइ चाही। इ नेम तू पचे जहाँ भी
रहब्या, तोहरी पीढ़ी दर पीढ़ी चलत रही।

हफ्तन क त्यौहार

15"उ रविवार क भिन्सोर स ही उ दिन जब तू पचे पूली
उत्तोलन बलि बरे लिआवत ह, सात हफ्ता गिना। 16सतएँ
हफ्ता क पाछे रविवार क (अर्थात पचास दिन क पाछे) तू
पचे यहोवा बरे नवा अन्नबलि लउब्या। 17उ दिन तू पचे
आपन निवास स्थान स दुइ-दुइ रोटी लिआवा। इ सबइ
उत्तोलन भेंट होइ। खमीर क प्रयोग करा अउ चार क्वार्ट
आटा क रोटी बनावा। उ तोहरी पहली फसल स यहोवा क
भेंट होइ।

18"लोगन स अन्नबलि क साथ मैं एक ठु बछवा, दुइ
भेड़ा अउर एक-एक बरिस क सात नर मेमना भेंट कीन्ह
जइहीं। इ गोरुअन मैं कउनो दोख नाहीं होइ चाही। इ सबइ
भेंट क रूप मैं यहोवा क खुस करइ बरे सुगन्धित होमबलि
होइहीं। 19तू पचे भी पापबलि क रुप मैं एक ठु नर बोकरा
अउ एक बरिस क दुइ भेड़ी क बच्चन मेलबलि क रुप मैं
चढ़उब्या।

20"याजक यहोवा क समन्वा उत्तोलन बलि क रूप मैं दुइ
भेड़ी क बच्चन क पहिली फसल क रोटी क संग
लहरउब्या। उ सबइ यहोवा बरे पवित्तर अहइँ। इ सबइ
याजक क होइहीं। 21उहइ दिन, तू पचे एक ठु पवित्तर सभा
बोलउब्या। तू पचे कउनो काम नाहीं करब्या। इ नेम तोहरे
सबहिं घरन मैं हमेसा ही चली।

22"जब तू पचे आपन खेतन क फसल कटब्या तउ खेतन
क कोनन सारी फसल जिन काट्या। जउन अन्न भुइँया पइ
गिरइ, ओका जिन उठावा। ओका तू पचे गरीब लोगन क
अउ तोहरे सबन्क देस मैं जात्रा करइवाले बिदेसियन बरे छोड़
द्या। मइँ यहोवा तोहार परमेस्सर अहउँ।"

तुरहियन क त्यौहार

23यहोवा मूसा स फिन कहेस, 24"इस्राएल क लोगन स
कहा: सतएँ महीना क पहिले दिन तोहका पचन्क आराम क
खास दिन मानइ चाही। उ दिन एक पवित्तर सभा होइ। इ
दिना (यहोवा क) याद रखइ अउर तुरही क बजावइ बरे
अहइ। 25तोहका कउनो काम नाहीं करइ चाही। तू पचे
यहोवा क भेंट चढ़ावइ बरे बलि ले अउब्या।"

प्रायस्चित क दिन

26यहोवा मूसा स कहेस, 27"सतएँ महीना क दसवें दिन
प्रायस्चित क दिन* होइ। उ दिन क पवित्तर सभा होइ। तू
पचे भोजन नाहीं करब्या । अउर तू पचे यहोवा क भेंट
चढ़उब्या। 28तू पचे ओह दिन कउनो काम नाहीं करब्या।
काहेकि इ प्रायस्चित क दिन अहइ। उ दिन याजकन यहोवा
क समन्वा जाइ अउ उ तोहार बरे प्रायस्चित करइहीं।

29"अगर कउनो मनई उपवास करइ स मना करत ह तउ
ओका आपन लोगन स अलगाइ दीन्ह जाइ। 30अगर कउनो
मनई उ दिन काम करी तउ मइँ ओका ओकरे लोगन मैं स
बारबाद करइ देब। 31तोहका कउनो भी काम नाहीं करइ
चाही। इ नेम तू पचे जहाँ कहूँ भी रहब्या, सदा ही रही। 32इ
तोहरे सबन्क आराम क खास दिन होइ। तू पचन क भोजन
नाहीं करइ चाही। तू पचे आराम क इ खास दिन क महीना
क नवाँ दिन साँझ* स सुरु करब्या। इ आराम क खास दिन
उ साँझ स सुरु कइके अगली साँझ तलक रहत ह।"

कटीर क त्यौहार

33यहोवा मूसा स फुन कहेस, 34"इस्राएल क लोगन स
कहा: सतएँ महीना क पन्द्रहवें दिन कटीर क त्यौहार होइ।
यहोवा बरे इ पवित्तर त्यौहार सात दिन तक चली। 35पहिले
दिन एक धरम सभा होइ। तू पचन्क तब कउनो काम नाहीं
करइ चाही। 36तू पचे सात दिना तलक यहोवा बरे भेंट
चढ़उब्या। अठएँ दिन तू पचे दूसर धरम सभा करब्या। तू पचे
यहोवा क भेंट चढ़उब्या। इ एक भेंट सभा होइ। तू पचन्क
तब कउनो काम नाहीं करइ चाही।

प्रायस्चित क दिन ऍका "युम कुप्पुर" भी कहा गवा बाटइ। इ यहूदियन क एक बहोत महत्व क पवित्तर दिन अहइ। इ दिन महा याजक परमपवित्तर ठउर मैं जात रहा अउ ओन कामे क करत रहा जेहसे लोगन क पापन क प्रायस्चित होत रहा।

नवाँ दिन साँझ यहूदी लोगन क दिन क आरम्भ साँझ स होत रहा।

37"इ सबइ यहोवा क खास पवित्तर दिन अहइँ। ओन दिन
पवित्तर सभा होइ। तू पचे यहोवा क होम बलि, अन्नबलि,
जनावरन क बलि पेयबलि भेंट क रूप मँ चढ़उब्या। तू पचे
उ सबइ भेंटन क ठीक समइ पइ लइ अउब्या। 38तू पचे
यहोवा क सबित दिनन क सुमिरइ क अलावा ओन पवित्तर
दिनन क त्यौहार मनउब्या। तू पचे ओन बलियन क यहोवा
क आपन अन्नबलि क अलावा देब्या। तू पचे बिसेस दीन्ह
गए बचन क पूरा करइ क रुप मँ दीन्ह गइ कउनो भेंट क
अलावा ओन चिजियन क देब्या। उ सबइ ओन बिसेस भेंटन
क अलावा होइहीं जेनका तू पचे यहोवा क देइ चाहत अहा।
39"सताएँ महीना क पन्द्रहवें दिन, जब तू पचे आपन खेतन
स फसल लिआइ चुकब्या, सात दिन तलक यहोवा क
त्यौहार मनउब्या। पहिले अउ अठएँ दिन भी आराम क खास
दिन होइ चाही। 40पहिले दिन तू पचे फलदार पेड़न स नीक
फल लिअउब्या अउ तू पचे खजूर क बृच्छ क डारी, चीड़
अउ बेंते क बृच्छन स डारि लिअउब्या। तू पचे आपन
परमेस्सर यहोवा क समन्वा सात दिना तलक त्यौहार मनउब्या।
41तू पचे इ पवित्तर दिन क हर साल यहोवा बरे सात दिना
तलक मनउब्या। इ नेम सदा ही रही। तू पचे इ पवित्तर दिन
क सतएँ महीना मँ मनउब्या। 42तू पचे सात दिना तलक
अस्थायी आस्त्रयन मँ रहब्या। इस्राएल मँ पइदा भए सबहिं
लोग ओन आस्त्रयन मँ रइहीं। 43काहे? एहसे तोहरे सब
बंसज इ जनिहीं कि मइँ इस्राएल क लोगन क अस्थायी
आस्त्रयन मँ रहइवाला ओह समइ बनाएउँ जउने समइ मइँ
ओनका मिस्त्र स लिआएउँ। मइँ तोहार परमेस्सर यहोवा
अहउँ।"
44इ तरह मूसा इस्राएल क लोगन क यहोवा क खास
पवित्तर दिनन क बारे मँ बताएस।

डीबट अउ पवित्तर रोटी

24 यहोवा मूसा स कहेस, 2"इस्राएल क लोगन क
कुचला भवा जइतून स जइतून क तेल अपने लगे
लिआवइ क आदेस द्या। उ तेल दीपकन बरे अहइँ। इ
सबइ दीपक बेबुझे भए लगातार बरत रहइ चाही। 3हारून
यहोवा क मिलापवाला तम्बू मँ करार क सन्दूख क पर्दा क
आगे साँझ बेला स भिन्सारे तलक दीपकन क बारे राखी। इ
नेम सदा बरे अहइ।
4"हारून क सोना क डीबट पइ यहोवा क समन्वा
दीपकन क सदा बरत भवा रखइ चाही।
5"नीक महीन आटा ल्या अउ ओकर बारह रोटी बनावा।
हर एक रोटी बरे एपा क दुइ दसवाँ हींसा आटा क प्रयोग
करा। 6ओनका दुइ लाइन मँ सुनहरी मेजे पइ यहोवा क
समन्वा धरा। हर एक लाइन मँ छः रोटी होइहीं। 7हर एक
लाइन पइ सुद्ध लोहबान धरा। इ यहोवा बरे भेंट, भोजन क
स्मृति हींसा होइ। 8हर एक सबित दिवस क उ रोटियन क
यहोवा क समन्वा एक करार क रूप मँ क्रम मँ इस्राएल क
लोगन क संग हमेसा बरे राखि। 9उ रोटी हारून अउ
ओकरे पूतन क होइ। उ पचे रोटियन क पवित्तर ठउर मँ
खइहीं। काहेकि उ रोटी यहोवा क चढ़ाई गइ भेंटन मँ स
एक अहइ। उ रोटी सदा हारून का हींसा होइ।"

उ मनई जउन यहोवा क सराप दिहेस

10एक इस्राएली स्त्री क पूत रहा। ओकर बाप मिस्त्री रहा।
इस्राएली स्त्री क इ पूत इस्राएली रहा। उ इस्राएली लोगन
क बीच मँ घूमत रहा अउ उ डेरा मँ लड़ब सुरु किहस।
11इस्राएली मेहरारु क लरिका यहोवा क नाउँ क सरापेस ह।
एह बरे लोग उ लरिका क मूसा क समन्वा लिआएन।
(लरिका क महतारी क नाउँ सलोमीत रहा जउन दान क
परिवार समूह स दिब्री क बिटिया रही।) 12लोग लरिका क
कैदी क तरह धरे रहेन अउ तब तलक जोहत रहेन, जब
तलक यहोवा क हुकुम ओनका साफ़ तरीका स मालूम नाहीं
होइ गवा।
13तब यहोवा मूसा स कहेस, 14"उ मनई क डेरा स बाहेर
एक ठउरे पइ लिआवा, जउन सराप दिहस ह। तब ओन
सबहिं लोगन क एक संग बोलावा जउन ओका सराप देत
सुनेन ह। उ पचे लोग आपन हाथ ओकरे मूँड़े प धरिहीं।*
अउर तब सब लोग ओह पइ पाथर स मरिहीं अउ ओका
मार डइहीं। 15तोहका पचन्क इस्राएल क लोगन स कहइ
चाही: अगर कउनो मनई आपन परमेस्सर क सरापत ह तउ
उ मनई क सजा मिलइ चाही। 16कउनो मनई, जउन यहोवा
क नाउँ क सरापत ह, जरुर मार दीन्ह जाइ चाही। सब
लोगन क ओका पाथर स मारइ चाही। बिदेसी क वइसे भी
ही सजा मिलइ चाही जइसे इस्राएल मँ जन्म लेइवाला मनई
क मिलत ह। अगर कउनो मनई यहोवा क नाउँ क सरापत
ह तउ ओका जरुर मार देइ चाही।
17"अउर अगर कउनो मनई कउनो दूसर क मार डावत
ह तउ ओका जरुर मार डावइ चाही। 18अगर कउनो मनई
कउनो मनई क गोरु क मार डावत ह तउ ओकरे बदले मँ
ओका दूसर गोरु देइ चाही।*
19"अगर कउनो मनई अपने पड़ोस मँ कउनो क चोट
पहुँचावत ह तउ उ मनई क उहइ तरह क चोट उ मनई क
पहुँचावइ चाही।* 20एक टूटी हड्डी बरे एक टूटी हड्डी,
एक आँखी बरे एक ठु आँखी, अउर एक दाँत बरे एक ठु
दाँत। उहइ तरह क चोट उ मनई क पहुँचावइ चाही, जइसा
उ दूसर क पहुँचाएस ह। 21एह बरे जउन मनई कउनो दूसर
मनई क गोरु क मारइ तउ एकरे बदले मँ ओका दूसर गोरु
देइ चाही। मुला जउन मनई कउनो दूसर मनई क मार डावत
ह उ जरुर मार डावा जाइ चाही।
22"इहइ नेम तू सबइ लोगन बरे लागू होइः इ तोहार
बीच मँ रहइवालन बिदेसी अउ तोहरे आपन देसबासियन बरे
समान होइ। काहेकि मइँ तोहर परमेस्सर अहउँ!"
23तब मूसा इस्राएल क लोगन स बात किहस अउर उ
पचे उ मनई क डेरा क बाहेर एक ठउर पर लिआएन, जउन
सराप दिहे रहा। तब उ पचे ओका पाथर स मार डाएन। इ

हाथ ओकरे मूँड़े प धरिहीं एहसे पता चलत ह कि उ पचे सब लोग लरिका क सजा देइ मँ हाथ बटावत रहेन।

दूसर गोरु देइ चाही सब्द क अरथ एकरे बरे भुगतान करा "जीवन बरे जीवन।"

अगर ... चाही इ नेम समाज बरे अपराधन क निहचित करइ बरे एक दिसा निर्दोस अहइ। निजी तरीका स बदला लेइ क बजाय अपराध क मुताबिक सजा समाज क निहचित करब अहइ।

तरह इस्राएल क लोग उहइ किहन जउन यहोवा मूसा क हुकुम दिहे रहा।

भुइयाँ बरे आराम क समइ

25 यहोवा मूसा स सिनाई पहाड़े प कहेस। यहोवा कहेस, 2"इस्राएल क लोगन स कहा: तू लोग उ भुइँया प जाब्या जेका मइँ तू पचन्क देत अहउँ। उ समइ तू पचन्क भुइँया क आराम क समइ जरूर देइ चाही। इ यहोवा क सम्मान देइ बरे भुइँया क आराम क खास समइ होइ। 3तू पचे छ: बरिस तलक आपने खेतन मँ बिआ बोउब्या। तू पचे आपन अंगूर क बागन मँ छ: बरिस तलक कटनी करब्या अउ ओकर फल स खूब आनन्द लेउब्या। 4मुला सतएँ बरिस तू पचे उ भुइँया क आराम करइ देब्या। इ यहोवा क सम्मान देइ बरे आराम क खास समइ होइ। तोहका पचन्क आपन खेतन मँ बिआ नाहीं बोवइ चाही अउ अंगूर क बागन मँ बेलन क कटनी नाहीं करइ चाही। 5तू पचन्क ओन फसलन क कटनी नाहीं करइ चाही जउन फसल कटइ क पाछे अपने आप उगत ह। तू पचन्क आपन ओन अंगूर क बेलन स अंगूर नाहीं उतारइ चाही जेनकइ तू पचे कटनी नाहीं किहे अहा। इ भुइँया क आराम क खास समइ होइ।

6"इ (जउन चीज सतएँ बरिस मँ अपने आप उगत ह) तोहरे बरे भोजन होइ। तोहार मनसेधू अउ मेहरारू दास लोगन बरे मजदूरी प रखा गएन तोहरे मजदूर अउ तोहरे देस मँ रहइवाले बिदेसियन बरे प्रयाप्त भोजन होइ। भोजन रही। 7तोहरे गोरुअन अउ दूसर जनावरन क खाइ बरे ढेर चारा होइ।

जुबली मुक्ति बरिस

8"तू पचे सात बरिस तलक सात समूहन क गनब्या। इ सबइ उन्नचास बरिस होइहीं। इ समइ क भितरे भुइँया बरे सात बरिस आराम क होइहीं। 9प्रायस्चित क दिन तू सबन्क भेड़ा क सींग बजावइ चाही। उ सतएँ महीना क दसवाँ दिन होइ। तू सबन्क पूरा देस मँ भेड़ा क सींग बजावइ चाही। 10तू पचे पचासवें बरिस क बिसेस त्यौहार मनउब्या। तू पचे आपन देस मँ रहइवाले सबहिं लोगन क स्वतंत्र घोषित करब्या। इ समइ क "जुबली" कहा जाइ। तू पचन मँ स हर एक आपन भुइँया मँ लउटि जाइ। अउर तू पचन मँ स हर एक आपन परिवार मँ लउटि जाइ। 11पचासवाँ बरिस तोहरे पचन्क बरे खास उत्सव क बरिस होइ। उ बरिस तू पचे बिआ जिन बोआ। अपने आप उगी भइ फसल क जिन काटा। अंगूरे क ओन बेलन स अंगूर जिन ल्या। 12उ जुबली बरिस अहइ। इ तोहरे पचन बरे पवित्तर बरिस होइ। तू पचे उ पैदावार क खाब्या जउन तोहरे खेतन स आवति अहइ। 13जुबली बरिस मँ हर एक मनई क ओकर धरती वापस होइ जाइ।

14"दूसर मनई क आपन भुइँया बेंचइ या खरीदइ मँ जिन ठगा। 15अगर तू पचे कउनो क भुइँया बेसहइ चाह्या तउ पिछले जुबली स काल क गिना करा अउ उ गणना क प्रयोग धरती क ठीक दाम तय करइ बरे करा। अगर तू पचे भुइँया क बेंचत ह, तउ फसलन क कटनी क सबइ बरिस क गना अउ बरिसन क गणना क उपयोग ठीक दाम तय करे बरे करा। 16अगर जियादा बरिस अहइँ तउ दाम ऊँच होइ। अगर थोड़ा बरिस अहइँ तउ दाम कमती करा। काहेकि उ मनई तू पचन्क सचमुच कुछ बरिस क फसल बेंचत अहइ। अगली जुबली पइ भुइँया ओकरे परिवार क होइ जाइ। 17तू सबन्क एक दूसर क ठगइ नाहीं चाही। तू सबन्क आपन परमेस्सर क सम्मान करइ चाही। मइँ यहोवा तोहार परमेस्सर अहउँ।

18"मोरे नेमन अउ निर्णयन क सुमिरा। ओनकइ पालन करा। तबहिं तू पचे अपने देस मँ सुरच्छित रहब्या। 19भुइँया तोहरे बरे उत्तिम फसल पइदा करी। तब तोहरे लगे बहोत जियादा भोजन होइ अउर तू पचे आपन देस मँ सुरच्छित रहब्या।

20"मुला साइद तू पचे इ कहा, 'अगर हम बिआ न बोई या आपन फसल न बटोरी तउ सतएँ बरिस हम लोगन बरे कछु खाइ क तनिकउ भी न रही।' 21चिन्ता जिन करा। मइँ छठवें बरिस मँ आपन आसीस क तोहरे सबन्क लगे आवइ क हुकुम देब। भुइयाँ तीन बरिस तलक फसल पइदा करत रही। 22जब अठएँ बरिस तू पचे बोउब्या तब तलक फसल पइदा करत रही। तू पचे पुरान पैदावार क नवएँ बरिस तलक खात रहब्या जब अठएँ बरिस मँ बोइ भइ फसल घरन मँ आइ जाइ।

सम्पति क नेम

23"असल मँ भुइँया मोरि अहइ। एह बरे तू पचे ऐंका स्थायी रुप मँ नाहीं बेंच सकत्या। तू पचे मोरे संग मोर भुइँया पइ सिरिफ बिदेसी अउ निवासी क रुप मँ रहत बाट्या। 24कउनो मनई आपन भुइँया बेंच सकत ह, मुला ओकर परिवार हमेसा ही आपन भुइँया वापस पाइ। 25कउनो मनई तोहरे देस मँ बहोत गरीब होइ सकत ह। उ ऐंतना गरीब होइ सकता ह कि ओका आपन सम्पत्ति बेंचइ क पड़इ। अइसी हालत मँ ओकरे निचके क रिस्तेदारन क आगे आवइ चाही अउ आपन रिस्तेदार बरे उ उ सम्पत्ति वापस बेसहइ चाही। 26कउनो मनई क कउनो अइसा नजदीकी रिस्तेदार नाहीं। भी होइ सकत ह जउन ओकरे बरे सम्पत्ति वापस खरीदइ। मुला होइ सकत ह उ खुद भुइँया क वापस बेसहइ बरे ढेर क धन पाइ लेइ। 27तउ ओका जब स भुइँया बिकी रही तब स बरिसन क गनइ चाही। ओका उ गणना क उपयोग, भुइँया क दाम निहचित करइ बरे करइ चाही। तब ओका भुइँया क वापस बेसहइ चाही। तब भुइँया फुन ओकर होइ जाइ। 28मुला अगर उ मनई आपन बरे भुइँया क वापस बेसहइ बरे ढेर क धन नाहीं जुटाइ पावत तउ जउन कछू उ बेंचेस ह उ उ मनई क हाथे मँ जउन ओका बेसहेस ह, जुबली क त्यौहार क आवइ तलक रही। तब उ खास उत्सव क समइ भुइँया पहिले भू स्वामी क परिवार क होइ जाइ। इ तरह सम्पत्ति फुन मूल आधिकारी परिवार क ही होइ जाइ।

29"अगर कउनो मनई नगर परकोटा क भीतर आपन बेंचत ह तउ घरे क बेंचा जाइ क पाछे एक बरिस तलक ओका वापस लेइ क अधिकार होइ। घर क वापस लेइ क

ओकर अधिकार एक बरिस तलक रही। 30मुला अगर घरे क मालिक एक पूरा बरिस बीत जाइ क पहिले आपन घर वापस नाहीं बेसहत तउ नगर परकोटा क भीतर क घर जउन मनई बेसहत ह ओकर अउ ओकरे बसजन क होइ जात ह। जुबली क समइ पहिल गृह स्वामी क वापस नाहीं होइ। 31बगैर परकोटा वाला नगर खुला मैदान माना जइहीं। एह बरे ओन छोटे नगरन मँ बने भए घर जुबली क त्यौहार क समइ पहिले गृह स्वामी क वापस होइहीं।

32"मुला लेवियन क नगर क बारे मँ: जउर सहरन लेवियन क आपन अहइँ, ओनमाँ उ सबइ आपन घरन क कउनो भी समइ वापस खरीद सकत हीं। 33अगर कउनो मनई लेवी स कउनो घर खरीदइ तउ लेवियन क उ घर फुन जुबली क अवसर मँ लउटइ जाइ। काहेकि उ घर उ लेवियन क अउ ओकरे परिवारे क अहइ जउन इस्राएली लोगन क बीच रहत ह। 34लेवी नगरन क चारिहुँ कइँती क खेत अउर चरागाह बेंचा नाहीं जाइ सकतेन। उ सबइ खेत सदा लेवियन क अहइँ।

दासन क सुआमियन क नेम

35"साइद तोहरे देस क मनई ऍतना गरीब होइ जाइ कि आपन भरण पोषण न कइ सकइ। तू पचे ओका कउनो दूसर नागरिक या बिदेसी निवासी क तरह तोहारे संग जरूर रहइ देइ चाही। 36ओका दीन्ह गए आपन कर्जा पइ कउनो सूद जिन ल्या। आपन परमेस्सर क सम्मान करा अउ आपन भाई क अपने साथे रहइ द्या। 37ओका सूद पइ पइसा उधार जिन द्या। जउन भोजन उ करइ, ओह पइ कउनो फायदा लेइ क कोसिस जिन करा। 38मइँ तोहार परमेस्सर यहोवा अहउँ। मइँ तू पचन्क मिस्र देस स कनान प्रदेस देइ अउ तोहार परमेस्सर बनइ बरे बाहेर लाएउँ।

39"इ होइ सकत ह कि तोहार कउनो भाई ऍतना गरीब होइ जाइ कि उ दास क रुप मँ तू पचन्क अपने क बेंच देइ। तोहका ओसे दास क तरह काम नाही लेइ चाही। 40उ जुबली बरिस तलक मजदूर अउ एक अतिथि क तरह तोहरे संग रही। 41तब उ तू सबन्क छोड़ सकत ह। उ आपन बच्चन क अपने संग लइ जाइ सकत ह अउ आपन परिवार मँ लउट सकत ह। उ आपन पुरखन क सम्पत्ति क लउटाइ सकत ह। 42काहेकि उ पचे मोर सेवक अहइँ। मइँ ओनका मिस्र क गुलामी स अजाद किहेउँ ह। ओनका फुन स दास नाहीं होइ चाही। 43तोहका सबन्क अइसे लोगन पइ क्रूर होइके सासन नाहीं करइ चाही। तोहका पचन्क अपने परमेस्सर क सम्मान जरूर करइ चाही।

44"तोहरे दास दासियन क बारे मँ: तू पचे आपन चारिहुँ कइँती क रास्ट्रन स दास अउ दासियन क लइ सकत ह। 45अगर तोहरे देस मँ रहइवाले बिदेसियन क परिवारन क बच्चन तोहरे लगे आवत हीं तउ तू पचे ओनका भी दास रख सकत ह। उ सबइ बच्चन तोहार दास होइहीं। 46तू सबइ इ बिदेसी दासन क आपन बच्चन क भी दइ सकत ह जउन तोहरे मरइ क पाछे तोहरे बच्चन क होइहीं। उ पचे सदा तोहार दास रइहीं। तू पचे इ बिदेसियन क गुलाम बनाइ सकत ह। मुला तू पचन्क आपन भाइयन, इस्राएल क लोगन पइ क्रूर होइके सासन नाहीं करइ चाही।

47"होइ सकत ह कि कउनो बिदेसी या अस्थाई निवासी तोहरे बीच धनी होइ जाइ। सम्भव अहइ कि तोहरे देस क कउनो मनई ऍतना गरीब होइ जाइ कि उ आपन क तोहरे बीच रहइवाले धनी बिदेसी क हाथ या बिदेसी परिवार क कउनो सदस्य क हाथ दास क रूप मँ बेंचइ। 48उ मनई वापस खरीदा जाइ अउ अजाद होइ क अधिकारी होइ। ओकरे भाइयन मँ स कउनो भी ओका वापस बेसहि सकत ह 49या ओकर चाचा, मामा व चचेरा, ममेरा भाई ओका वापस बेसहि सकत हीं या ओकरे निचके क रिस्तेदारन मँ स ओका कउनो खरीद सकत ह या अगर मनई ढेर क धन पावत ह तउ खुद धन दइके उ फुन अजाद होइ सकत ह।

50"तू पचे ओकर दाम कइसे निहचित करब्या? तू पचे बिदेसी क लगे जब स उ अपने क बेंचेस ह तब स अगली जुबली तलक क बरिसन क गनब्या, उ आपन क जुबली क बरिस तलक बेचेस ह। उ गणना क उपयोग दाम तय करइ मँ प्रयोग करा। काहेकि असल मँ उ मनई कछू बरिसन बरे ओका मजदूरी पइ राखेस। 51अगर जुबली क बरिस क पहिले कइउ बरिस होइ जाइँ तउ मनई क दाम क बड़का हींसा लउटावइ चाही। इ ओन बरिसन क गनती पइ टिका बाटइ। 52अगर जुबली क बरिस तलक कछू ही बरिस बाकी होइँ तउ मनई मूल कीमत क थोड़ा सा हींसा लउटावइ चाही। 53मुला उ मनई हर बरिस बिदेसी क हिआँ मजदूर क तरह रही, बिदेसी क उ मनई पइ क्रूर होइके सासन न करइ द्या।

54"उ मनई कउनो क जरिये वापस न बेसहा जाइ पइ भी अजाद होइ। जुबली क बरिस उ अउ ओकरे बच्चन अजाद होइ जइहीं। 55काहेकि इस्राएल क लोग मोर सेवक अहइँ। उ पचे मोर सेवक अहइँ जउन क मइँ मिस्र क गुलमी स अजाद किहेउँ। मइँ तोहार परमेस्सर यहोवा अहउँ।

परमेस्सर क आग्या मानइ क पुरस्कार

26 "अपने बरे मूर्तियन जिन बनावा। मूर्तियन या यादगार क पाथर क स्थापना जिन करा। आपन देस मँ उपासना करइ बरे पाथर क मूर्तियन क स्थापना जिन करा। काहेकि मइँ यहोवा तोहार परमेस्सर अहउँ।

2"मोरे आराम क खास दिनन क याद रखा अउ मोरे पवित्तर स्थान क सम्मान करा। मइँ यहोवा अहउँ!

3"मोर नेमन अउ आदेसन क याद राखा अउ ओनकर पालन करा। 4अगर तू पचे अइसा करब्या तउ मइँ जउने समइ बर्खा आवइ चाही, उहइ समइया मँ बर्खा कराउब। भुइँया फसलन क पइदा करिहीं अउर बृच्छ आपन फल देइहीं। 5तोहार अनाज निकारइ क काम तब तलक चली जब तलक अंगूर एकट्ठा करइ क समइ आइ अउ अंगूरे क बटोरब तब तलक चली जब तलक बोवाइ क समइ आइ जाइ। तब तोहरे लगे खाइ क बहोत होइ, अउर तू पचे आपन पहँटा मँ सुरच्छित रहब्या। 6मइँ तोहरे देस क सान्ति देब। तू पचे सान्ति स सोइ सकब्या। कउनो मनई डरावइ

नाहीं आइ। मइँ बिनास करइवाले जनावरन क तोहरे देस स बाहेर रखब। अउर फउज भी तोहरे देस स न गुजरिहीं।

7"तू पचे आपन दुस्मनन क पाछा कइके भगउब्या अउर ओनका हरउब्या। 8तू पचे ओनका आपन तरवार स मारि डउब्या। तोहरे पाँच मनई सौ मनईयन क पाछा कइके भगाइ देइहीं अउर सौ मनई दस हजार मनईयन क पाछा कइके भगाइ देइहीं। तू पचे आपन दुस्मनन क हरउब्या अउ ओनका तरवारे स मार डउब्या।

9"तब मइँ तोहरी कइँती मुड़बउँ। मइँ तू पचन्क बहोत स बच्चावाला बनउबउँ। मइँ तोहरे संग आपन वाचा क पालन करबउँ। 10तोहरे लग्गे एक बरिस स जियादा चलइवाली ढेर क पइदावार होइ। तू पचे नई फसल कटब्या। मुला तब तोहका पुरान पइदावार नई पइदावार बरे जगह बनवइ खातिर फेंक देइ क पड़ी। 11तू पचन क बीच मँ मइँ आपन पवित्तर तम्बू लगाउब। मइँ तू लोग्गन क नाहीं तजिबय। 12मइँ तोहरे संग चलब अउर तोहार परमेस्सर रहब। तू पचे मोर आपन लोग्ग रहब्या। 13मइँ तोहार परमेस्सर यहोवा अहउँ। तू पचे मिस्र मँ दास रह्या। मुला मइँ तू पचन्क बाहेर लिआएउँ। तू लोग्ग दास क रुप मँ भारी बोझा ढोवइ स निहुरा भए रह्या मुला मइँ तोहरे काँधे क जुए क तोड़ फेंकेउँ। मइँ तू पचन्क फुन गरब स चलइवाला बनाएँउ।

यहोवा क आग्या पालन न करइ बरे सजा

14"मुला अगर तू मोर आग्या क पालन नाहीं करब्या अउर मोर इ सबइ आदेस क नाहीं मनब्या तउ इ सबइ बुरी बात होइहीं। 15अगर तू मोर नेम अउ आदेसन क रद्द करब्या अउर ओनका पालन करइ मँ फेल होब्या। तउ तू पचे मोर करार क भंग कइ देब। 16अगर तू पचे अइसा करत अहा तउ मइँ अइसा करबउँ कि तोहार सबन्क भयंकर अनिस्ट होइ। मइँ तू पचन्क लाइलाज रोग अउ तेज बोखार लगाउब। उ सबइ तोहरी अँखियन क नस्ट करिहीं अउ तोहार जिन्नगी लइ लेइहीं। जब तू पचे आपन बिआ बोउब्या तउ तू पचन्क कामयाबी न मिली। तोहार पइदावार क तोहार दुस्मन लोग्ग खइहीं। 17मइँ तोहरे खिलाफ होब, तोहार दुस्मन तोहका हरइहीं। उ सबइ दुस्मन तोहसे घिना करिहीं अउ तोहरे ऊपर सासन करिहीं। तू पचे तब भी पराइ जाब्या, जब तोहार पाछा कउनो न करत रहा होइ।

18"अगर ऍकरे पाछे भी तू पचे मोर आग्या क नाहीं मानत अहा तउ मइँ तोहरे पापन बरे सात गुना जियादा सजा देब। 19मइँ ओन बड़के सहरन क भी नस्ट करब जउन तोहका घमण्डी बनावत हीं। आकास बर्खा न देइ अउ धरती पइदावार नाहीं उपजाइ।* 20तू पचे कठिन परिस्त्रम करब्या, मुला एहसे कछू भी न होइ। तोहरी भुइँया मँ कउनो पइदावार न होइ अउर तोहरे बृच्छन प फल नाहीं अइहीं।

21"अगर तब भी तू पचे मोरे खिलाफ जात ह्या अउर मोरी आग्या क मानब स्वीकार नाहीं करत ह्या तउ मइँ सात गुना कठोर होइके मारब। जेतॅना जियादा पाप करब्या ओतना जियादा सजा पउब्या। 22मइँ तोहरे सबन्क खिलाफ जंगली जनावर पठउब। उ सबइ तोहरे गदेलन क तोहसे छोर लइ जइहीं। उ पचे तोहरे गोरुअन क नास कइ देइहीं। उ पचे तोहार मनइयन क गनती बहोत कम कइ देइहीं। लोग्ग जात्रा करइ स डेराइ जइहीं, सड़क खाली होइ जइहीं।

23"अगर ओन चीजन क होइ प तू पचन्क सिच्छा नाहीं मिलत अउर तू पचे मोरे बिरुद्ध होइ जात ह्या, 24तउ मइँ तोहरे विरुद्ध होब। मइँ, हाँ, मइँ (यहोवा) तोहरे पापन बरे सात गुना सजा देब। 25तू पचे मोर वाचा तोड़्या ह, एह बरे मइँ तू सबन क दण्ड देब। मइँ तोहरे खिलाफ फउज क पठउब। तू पचे सुरच्छा बरे आपन सहरन मँ जाब्या। मुला मइँ अइसा करब कि तू लोग्गन मँ बेरामी सँचरइँ। तब तोहार दुस्मन तोहका हराइ देइहीं। 26मइँ उ सहर मँ छोड़े गए अन्न क एक हींसा तोहका देब। मुला खाइ बरे बहोत कम अनाज रही। दस मेहररुअन आपन सबहिं रोटियन एक चूल्हा मँ सेकं सकिहीं। उ पचे रोटी क हर एक टूका क नपिहीं। तू पचे खाब्या, मुला फुन भी भूखा रहब्या।

27"अगर तू पचे खतना पइ भी मोर बातन क सुनब अंगीकार नाहीं करत ह्या, अउर मोरे बिरुद्ध रहत ह, 28तउ मइँ असलियत मँ आपन किरोध परगट करब। मइँ, हाँ, मइँ (यहोवा), तू पचन्क तोहरे पापन बरे सात गुना दण्ड देब। 29तू पचे आपन पूत, बिटियन क तने क खाब्या। 30मइँ तोहरे ऊँचे ठउरन* क नस्ट करब। मइँ तोहार सुगन्धि वाली वेदियन क काट डाउब। मइँ तोहरे ल्हासन क तोहरे निर्जीव मूर्तियन क ल्हासन पइ डाउब। तू पचे मोका बहोत जियादा घिनौना लग्गब्या। 31मइँ तोहरे सहरन क नस्ट करब। मइँ तोहार पवित्तर ठउर क खाली कइ देब। मइँ तोहार महकउआ सुगन्धित भेंटन क अंगीकार नाही करब। 32मइँ तोहरे देस क एतना खाली कइ देब कि तोहरे दुस्मन तलक जउन एहमाँ रहइ अइहीं, उ पचे ऍह पइ चकित होइ जइहीं। 33अउर मइँ तू पचन क अलग अलग पहँटन मँ बिखराउब। मइँ आपन तरवार हींचब अउ तू सबन्क नास करब। तोहार भुइँया खाली होइ जाइ अउ तोहार नगर उजाड़ होइ जइहीं।

34"तू पचे आपन सत्रु क देसन मँ लइ जावा जाब्या। जब तोहार धरती क खाली कइ देइ जाइ उ समइ इ आपन सबित क बिस्त्राम मनाइ। 35जेका तू पचे ओका तब नाहीं दिहे रह्या जब तू पचे ओह पइ रहत रह्या। 36उत्तरजीवी आपन दुस्मनन क देस मँ हिम्मत खोइ देइहीं। उ हर चीज स डेरात होइहीं। उ पचे हवा क जरिये हिलइवाला पाती क आवाज़ स भी डेराइ जाइ अउर ओकरे कारण उ सबइ अइसेन परइहीं मान ल्या कउनो तरवार लिए भए ओनकर पाछा करत होइ। बिना केहू क पाछा कइ भए भी उ पचन्क गिरि जाब। 37उ पचे एक दूसरे पइ तब भी गिरिहीं, जब कउनो भी ओनकर पाछा नाहीं करत रहा होइ।

"तू पचे ऍतना सक्तीसाली नाहीं रहब्या कि आपन दुस्मनन क मुकाबला मँ खड़ा होइ सका। 38तू दूसर लोग्गन मँ बिलाइ जाब्या। तू पचे आपन दुस्मनन क देस मँ लुप्त होइ जाब्या। 39इ तरह तोहार सन्तानन तोहरे दुस्मनन क देस मँ आपन

आकास ... उपजाइ सब्द क अरथ, "तोहरे बरे आकास लोहा स होइ अउर भुइँया काँसे जइसी।"

ऊँचे ठउरन परमेस्सर या झूठे देवतन क उपासना क ठउर। इ सबइ ठउर अक्सर पहाड़ी अउ पर्वत प बनावा जात रहेन।

पापन मँ सड़िहीं। उ पचे आपन पापन मँ वइसे ही सड़िहीं जइसे ओनके पुरखन सड़ा रहेन।

आसा हमेसा रहत ह

40"इ होइ सकत ह कि लोग आपन पापन्क कबूल लेइँ अउर उ पचे आपन पुरखन क पापन्क स्वीकार करिहीं। होइ सकत ह कि उ पचे कबूलइँ कि उ पचे मोरे खिलाफ भएन ह। इ होइ सकत ह उ पचे इ कबूल लेइँ कि उ पचे मोरे खिलाफ पाप किहे अहइँ। 41इ होइ सकत ह कि उ पचे स्वीकार करइँ कि मइँ ओनके खिलाफ भएउँ अउ ओनका ओनके दुस्मनन क देस मँ लाएउँ। अगर उ पचे विनम्र होइ जाइँ अउ आपन पापन बरे सजा क कबूल लेइँ। 42तउ मइँ याकूब क संग क आपन वाचा क सुमिरब। इसहाक क संग क आपन वाचा क सुमिरब। इब्राहीम क संग कीन्ह गए वाचा क सुमिरब अउर मइँ उ भुइँया क सुमिरब।

43"भुइँया खाली रही। भुइँया आराम क समइ क आनन्द लेइ। तब तोहरे बचे भए लोग आपन पाप बरे सजा क कबूल लेइहीं। उ पचे सिखिहीं कि ओनका एह बरे सजा मिली कि उ पचे मोर व्यवस्था स घिना किहेन अउ नेमन क पालन करब स्वीकार नाहीं किहेन। 44उ पचे फुरे पाप किहेन। मुला अगर उ पचे मोरे लगे मदद बरे आवत हीं तउ मइँ ओनसे दूर नाहीं रहब। मइँ ओनकइ बातन तब भी सुनब जब उ पचे आपन दुस्मनन क देस मँ भी होइहीं। मइँ ओनका पूरी तरह नस्ट नाहीं करब। मइँ ओनके संग आपन वाचा क भंग न करब। काहेकि मइँ यहोवा ओनकर परमेस्सर अहउँ। 45मइँ ओनके पुरखन क संग कीन्ह गइ वाचा क याद रखब। मइँ ओनके पुरखन क मिस्र स बाहेर लिआएउँ कि मइँ ओनकर परमेस्सर होइ सकउँ। दूसर सबइ रास्ट्रन ओन बातन क लखेन। मइँ यहोवा अहउँ!"

46इ सबइ उ सबइ नेमन, कानून अउर उपदेस अहइँ जेनका यहोवा इस्राएल क लोगन क दिहस। उ सबइ कानून इस्राएल क लोगन अउ यहोवा क बीच करार अहइ। यहोवा ओन कानून क सिनाई पहाड़े प दिहे रहा। उ मूसा क नेम दिहस अउ मूसा ओनका लोगन क दिहस।

बचन क महत्व बाटइ

27 यहोवा मूसा स कहेस, 2"इस्राएल क लोगन स कहा: कउनो मनई यहोवा क खास बचन दइ सकत ह। उ मनई यहोवा क कउनो मनई क अर्पित करइ क बचन दइ सकत ह। उ मनई यहोवा क सेवा खास तरीका स करी। याजक उ मनई बरे बिसेस दाम निहचित करी। अगर लोग ओका यहोवा स वापस बेसहइ चाहत हीं तउ उ पचे दाम देइहीं। 3बीस स साठ बरिस उमिर तलक क मनसेधू क दाम पचास सेकेल चाँदी होइ। तू पचन क चाँदी क तौलइ बरे पवित्तर ठउर क सेकेल क अनुसार उपयोग करइ चाही। 4बीस स साठ बरिस उमिर तलक क मेहरारु क दाम तीस सेकेल होइ। 5पाँच स बीस बरिस उमिर तलक क मनसेधू क दाम बीस सेकेल होइ। पाँच स बीस बरिस उमिर तलक क मेहरारु क दाम दस सेकेल होइ। 6एक महीना स पाँच बरिस क उमिर तलक क बालक क दाम पाँच सेकेल होइ। एक लरिकी क दाम तीन सेकेल होइ। 7साठ या साठ स जियादा अवस्था क मनसेधू क दाम पन्द्रह सेकेल होइ। एक मेहरारु क दाम दस सेकेल होइ।

8"अगर मनई ऍतना गरीब अहइ कि दाम देइ मँ समर्थ नाहीं अहइ तउ उ मनई क याजक समन्वा लिआवा। याजक इ निहचित करी कि उ मनई केतॅना दाम भुगतान मँ दइ सकत ह।

यहोवा क भेंट

9"कछू गोरुअन क उपयोग यहोवा क बलि क रुप मँ कीन्ह जाइ सकत ह। अगर कउनो मनई ओन गोरुअन मँ स कउनो क लिआवत ह तउ उ गोरु पवित्तर होइ जाइ। 10उ मनई यहोवा क उ गोरु क देइ क बचन देत ह। एह बरे उ मनई क उ गोरु क जगह पइ दूसर गोरु रखइ क कोसिस नाहीं करइ चाही। ओका नीक गोरु क बुरे गोरु स नाहीं बदलइ चाही। ओका बुरे गोरु क नीक गोरु स नाहीं बदलइ चाही। अगर उ मनई दुइनउँ गोरुअन क बदलइ चाहत ह तउ दुइनउँ, उ गोरु अउ बदलइ भइ गोरु पवित्तर होइ जइहीं।

11"कछू गोरुअन यहोवा क बलि क रुप मँ नाहीं भेंट कीन्ह जाइ सकतेन। अगर कउनो मनई ओन असुद्ध गोरुअन मँ स कउनो क यहोवा बरे लिआवत ह तउ उ गोरु याजक क समन्वा लिआवा जाइ चाही। 12याजक उ गोरु क दाम उ नीक या बुरे अहइ क अनुसार निहचित करी। जउन दाम याजक निहचित करत ह उहइ मकान क दाम अहइ। 13अगर मनई गोरु क वापस बेसहइ चाहत ह* तउ ओका दाम मँ पाँचवाँ हींसा अउर जोड़इ चाही।

यहोवा क भेंट कीन्ह गए मकान क दाम

14"अगर कउनो मनई आपन मकान क पवित्तर मकान क रुप मँ यहोवा क आर्पित करत ह, तउ याजक क एकर दाम नीक या बुरा अहइ क अनुसार निहचित करी। जउन दाम याजक निहचित करत ह उहइ मकान क दाम अहइ। 15मुला उ मनई जउन मकान अर्पित करत ह अगर ओका वापस खरीदइ चाहत ह तउ ओका दाम मँ पाँचवाँ हींसा जोड़इ चाही। तब घर उ मनई क होइ जाइ।

सम्पत्ति क दाम

16"अगर कउनो मनई अपने खेते क कउनो हींसा यहोवा क अर्पित करत ह तउ ओन खेतन क दाम ओनका बोवइ बरे जरुरी बिआ पइ टिका होइ। एक होमेर* जौ क बिआ क कीमत चाँदी क पचास सेकेल होइ। 17अगर मनई जुबली क बरिस खेत क दान करत ह तब दाम उ होइ जउन

वापस बेसहइ चाहत ह पहिलौठा बच्चा या गोरु यहोवा क दीन्ह जात रहेन। मुला गधन क तरह बच्चन क बलि नाहीं दीन्ह जात रही। इ तरह मनई पहिला पइदा भए क याजक क देत रहा। याजक दाम निहचित करत रहा, अउर मनई पहिले पइदा भए क धन या बलि चढ़ावइ जोग्ग गोरु स वापस बेसहत रहा।

एक होमेर माप वाली झुरान बिअन क तउल। इ लगभग छ: बुसल।

याजक निहचित करी। 18मुला मनई अगर जुबली क पाछे खेत क दान करत ह तउ याजक क असली दाम तय करइ चाही। ओका अगले जुबली बरिस तलक क बरिसन क गनइ चाही। तब उ गणना उपयोग दाम निहचित करइ बरे करी। 19अगर खेत क दानी मनई खेत क वापस बेसहा चाहउ तउ ओकरे दाम मँ पाँचवाँ हींसा अउर जोड़ा जाइ। 20अगर उ मनई खेत क वापस नाहीं बेसहत ह तउ खेत सदा याजकन क होइ। अगर खेत कउनो दूसर क बेचा जात ह तउ पहिला मनई ओका वापस नाहीं बेसहि सकत। 21अगर उ मनई खेत क वापस नाहीं बेसहत ह तउ जुबली क बरिस खेत सिरिफ यहोवा बरे पवित्तर रही। इ सदा ही याजकन क रही। इ उ भूँइ क तरह होइ जउन पूरी तरह यहोवा क दइ दीन्ह गइ होइ।

22"अगर कउनो आपन खेते क यहोवा क अर्पित करत ह जउन ओकरी निजी सम्पत्ति क हींसा नाहीं अहइ। 23तब याजक क जुबली क बरिस तलक बरिसन क जरूर गनइ चाही। अउ ओका खेत क दाम भी जरूर निहचित करइ चाही। तब उ खेत यहोवा क होइ। 24जुबिली क बरिस उ खेत मूल भू सुआमी क पास चला जाइ। उ ओह परिवार क जाइ जउन ओकर सुआमी अहइ।

25"तोहका पवित्तर स्थान क सेकेल क अनुसार उपयोग ओन दाम क अदा करइ बरे करइ चाही। पवित्तर ठउर क प्रमाण क सेकेल क तउल बीस गेरा* अहइ।

गोरुअन क दाम

26"लोग गोरुअन अउ भेड़न क यहोवा क दान दइ सकत हीं, मुला अगर गोरु पहिला पइदा भवा अहइ तउ उ गोरु जन्म स ही यहोवा क अहइ। एह बरे लोग पहिला पइदा भवा गोरु क दान नाहीं दइ सकतेन। 27लोगन क पहिला पइदा भवा गोरु यहोवा क जरूर देइ चाही। मुला अगर पहिला पइदा भवा गोरु असुद्ध अहइ, तउ मनई क उ गोरु क वापस जरूर बेसहइ चाही। याजक उ गोरु क दाम निहचित करी अउर मनई क उ दाम क पाँचवाँ हींसा ओहमाँ जोरि देइ। अगर मनई गोरु क वापस नाहीं खरीदत तउ याजक क आपन निहचित कीन्ह गए दाम पइ ओका जरूर बेंच देइ चाही।

बिसेस भेंटन

28"एक ठु बिसेस तरह क भेंट* अहइ जेका लोग यहोवा क चढ़ावत हीं। उ भेंट न वापस खरीदी जाइ सकत ह न तउ बेची जाइ सकत ह। उ भेंट यहोवा क अहइ। इ बहोत पवित्तर अहइ। उ तरह क भेंटन अइसे लोग, गोरु अउर खेत अहइँ, जउन परिवारे क सम्पत्ति अहइ।

29"अगर उ बिसेस प्रकार क यहोवा क भेंट कउनो मनई अहइ तउ ओका वापस बेसहा नाहीं जाइ सकत। ओका जरुर मार दीन्ह जाइ चाही।

30"सबहिं पइदावारन क दसवाँ हींसा यहोवा क अहइ। एहमाँ खेतन, फसलन अउ बृच्छन क फल सामिल अहइँ। उ दसवाँ हींसा यहोवा क अहइ। 31एह बरे कउनो मनई आपन दसवाँ हींसा वापस लेइ चाहत ह तउ ओकरे दाम क पाँचवाँ हींसा ओहमाँ जोड़इ चाही अउ वापस खरीदइ चाही।

32"याजक मनइयन क गोरुअन अउ भेड़िन मँ स हर दसवाँ जनावर लेइ। हर दसवाँ जनावर यहोवा क होइ। 33मालिक क इ चिन्ता नाहीं करइ चाही कि उ जनावर नीक अहइ या बुरा। ओका जनावर क दूसर जनावर स नाहीं बदलइ चाही। अगर उ बदलइ क निहचय करत ह तउ दुइनउँ जनावर यहोवा क होइहीं। उ जनावर वापस नाहीं बेसहा जाइ सकत।" 34इ सबइ उ आदेसन अहइँ जेनका यहोवा सिनाइ पहाड़ पइ मूसा क दिहस। इ सबइ आदेस इस्राएल क लोगन बरे अहइँ।

गेरा अरथात एक गेरा 1/50 ओसं।

बिसेस तरह क भेंट इ सबइ अक्सर उ सबइ चीजन अहइँ जउन जुद्ध मँ लीन्ह जात रहिन। उ सबइ भेंट पूरी तरह पर्भू क अहइँ। एह बरे दूसर कउनो काम बरे ओनकइ उपयोग नाहीं होइ सकत। अगर जुद्ध मँ धरा गवा मनई भेंट कीन्ह गवा रहा तउ उ मनई मार दीन्ह जात रहा।

License Agreement for Bible Texts

World Bible Translation Center
Last Updated: September 21, 2006

Copyright © 2006 by World Bible Translation Center
All rights reserved.

These Scriptures:

- Are copyrighted by World Bible Translation Center.
- Are not public domain.
- May not be altered or modified in any form.
- May not be sold or offered for sale in any form.
- May not be used for commercial purposes (including, but not limited to, use in advertising or Web banners used for the purpose of selling online add space).
- May be distributed without modification in electronic form for non-commercial use. However, they may not be hosted on any kind of server (including a Web or ftp server) without written permission. A copy of this license (without modification) must also be included.
- May be quoted for any purpose, up to 1,000 verses, without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. A copyright notice must appear on the title or copyright page using this pattern: "Taken from the HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™ © 2006 by World Bible Translation Center, Inc. and used by permission." If the text quoted is from one of WBTC's non-English versions, the printed title of the actual text quoted will be substituted for "HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™." The copyright notice must appear in English or be translated into another language. When quotations from WBTC's text are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials of the version (such as "ERV" for the Easy-to-Read Version™ in English) must appear at the end of each quotation.

Any use of these Scriptures other than those listed above is prohibited. For additional rights and permission for usage, such as the use of WBTC's text on a Web site, or for clarification of any of the above, please contact World Bible Translation Center in writing or by email at distribution@wbtc.com.

World Bible Translation Center
P.O. Box 820648
Fort Worth, Texas 76182, USA
Telephone: 1-817-595-1664
Toll-Free in US: 1-888-54-BIBLE
E-mail: info@wbtc.com

WBTC's web site – World Bible Translation Center's web site: http://www.wbtc.org

Order online – To order a copy of our texts online, go to: http://www.wbtc.org

Current license agreement – *This license is subject to change without notice. The current license can be found at:* http://www.wbtc.org/downloads/biblelicense.htm

Trouble viewing this file – If the text in this document does not display correctly, use Adobe Acrobat Reader 5.0 or higher. Download Adobe Acrobat Reader from:
http://www.adobe.com/products/acrobat/readstep2.html

Viewing Chinese or Korean PDFs – To view the Chinese or Korean PDFs, it may be necessary to download the Chinese Simplified or Korean font pack from Adobe. Download the font packs from:
http://www.adobe.com/products/acrobat/acrrasianfontpack.html